RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से खबरें

स्मार्ट हलचल

smarthalchal.com

वर्षः 11 अंकः 41 | जयपुर रविवार, 09 अगस्त 2026 | मूल्यः 4 रुपए | पृष्ठः 08

आईआईटी दिल्ली के दीक्षांत समारोह में मोदी का संदेश

सिर्फ सवाल न पूछें, उनके समाधान भी खोजें: पीएम

● नई दिल्ली

आईआईटी दिल्ली के 57वें दीक्षांत समारोह में प्रधानमंत्री ने डिग्री हासिल करने वाले छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि दुनिया तेजी से बदल रही है और इस बदलाव के दौर में चुनौतियों के साथ नए अवसर भी पैदा हो रहे हैं। उन्होंने युवाओं से लगातार सीखते रहने, कठिन समस्याओं के समाधान खोजने और देश के विकास में योगदान देने का आह्वान किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आईआईटी दिल्ली की डिग्री सिर्फ परीक्षा पास करने या अच्छा प्लेसमेंट हासिल करने का प्रमाण नहीं है। यह इस बात का प्रमाण है कि छात्र कठिन समस्याओं को समझकर उनका समाधान खोजने की क्षमता रखते हैं। उन्होंने कहा, जो सीखेगा, वो जीतेगा। नई चुनौतियों के समाधान खोजने का साहस रखने वालों के लिए

चुनौतियां ही अवसर में बदल जाएंगी। उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि जीवन की बड़ी समस्याओं से घबराने के बजाय उन्हें छोटे-छोटे हिस्सों में बांटकर समाधान तलाशें। पीएम बोले- कैंपस की पढ़ाई में सिलेबस और प्रश्नपत्र तय होते हैं, लेकिन जीवन की परीक्षा में सब कुछ आउट ऑफ सिलेबस होता है। इसलिए युवाओं को जिज्ञासा बनाए रखते हुए सवाल पूछने और उनके समाधान तलाशने की आदत विकसित करनी चाहिए।

स्पेस से सेमीकंडक्टर तक नए अवसर

प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार ने ऐसे कई क्षेत्र युवाओं के लिए खोले हैं, जहां पहले प्रवेश लगभग बंद था। स्पेस सेक्टर का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि आज भारतीय युवा अपने लॉन्च व्हीकल और रॉकेट बना रहे हैं। इसी तरह सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भारत ने उत्पादन की दिशा में कदम बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में चिप से लेकर शिप तक देश में निर्माण की क्षमता विकसित करनी है। ड्रोन सेक्टर में भी युवाओं की भूमिका का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि कृषि, दवा वितरण और रक्षा-सुरक्षा सहित कई क्षेत्रों में ड्रोन का इस्तेमाल बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की स्टार्टअप क्रांति में युवाओं की बड़ी भूमिका रही है। आईआईटी दिल्ली से निकले कई फाउंडर्स इसका उदाहरण हैं। उन्होंने छात्रों से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा सेंटर, क्रिटिकल मिनरल्स, डीप-सी एक्सप्लोरेशन, बैटरी, ऊर्जा भंडारण, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसे उभरते क्षेत्रों में आगे आने का आह्वान किया।

देश के लिए राष्ट्रीय दायित्व निभाने की अपील

प्रधानमंत्री ने कहा कि हर पीढ़ी के सामने अलग चुनौतियां और राष्ट्रीय दायित्व होते हैं। आज की पीढ़ी के अगले 30-35 वर्षों के फैसले विकसित भारत की यात्रा को प्रभावित करेंगे। उन्होंने युवाओं से अपील की कि अपने हर निर्णय में यह जरूर सोचें कि उससे देश को क्या लाभ होगा और देश की कौन-सी जरूरत पूरी होगी। उन्होंने कहा कि भारत आर्थिक, तकनीकी और औद्योगिक आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। विकसित भारत की मजबूत नींव पर भव्य और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण करने में युवाओं की भूमिका अहम होगी।

रिसर्च पर जोर

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत को नई रिसर्च की जरूरत है और सरकार अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठा रही है। प्रधानमंत्री रिसर्च फेलोशिप, रिसर्च डेवलपमेंट एंड इनोवेशन स्कीम और नेशनल रिसर्च फाउंडेशन जैसी पहलों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि रिसर्च के लिए एक लाख करोड़ रुपये तक की फंडिंग की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने वन नेशन, वन सब्सक्रिप्शन योजना का भी जिक्र किया, जिसके माध्यम से देशभर के शोधकर्ताओं को प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय रिसर्च जर्नल्स तक पहुंच उपलब्ध कराई जा रही है।

सीजेआई बोले- न्याय सिर्फ कानून से नहीं पीड़ित की पीड़ा को समझने से मिलेगा...

इंदौर में वेस्ट जोन रीजनल कॉन्फ्रेंस का आगाज, सीएम यादव ने कहा- न्याय सहज, सुलभ, शीघ्र और मानवीय संवेदनाओं से परिपूर्ण होना चाहिए

● इंदौर

न्याय की असली कसौटी अदालत तक पहुंचने वाले व्यक्ति की संख्या नहीं, बल्कि उस व्यक्ति तक न्याय पहुंचाना है, जो अपनी पीड़ा लेकर अदालत तक पहुंच ही नहीं पा रहा। भारत के मुख्य न्यायाधीश एवं नालसा के प्रमुख संरक्षक न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने शनिवार को इंदौर में आयोजित दो दिवसीय वेस्ट जोन रीजनल कॉन्फ्रेंस में न्याय व्यवस्था की इसी संवेदनशील तस्वीर को सामने रखा। उन्होंने कहा कि पीड़ित की समस्या को केवल कानूनी नजरिए से नहीं, बल्कि उसकी अपनी भाषा और उसके दर्द को समझते हुए सुनना जरूरी है।

ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में Enhancing Access to Justice (न्याय तक पहुंच बढ़ाना) विषय पर आयोजित सम्मेलन का शुभारंभ सीजेआई न्यायमूर्ति सूर्यकांत, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और सुप्रीम कोर्ट के अन्य न्यायमूर्तियों ने किया। सम्मेलन 9 अगस्त तक चलेगा। इसकी थीम एकजुट आवाज सशक्त भविष्य - संवाद, गरिमा और समावेशन के माध्यम से न्याय तक पहुंच रखा गया है।

पहले पीड़ित को यह भरोसा दें कि कोई उसकी बात सुन रहा है...

सीजेआई ने कहा कि न्याय तक पहुंच केवल कानून के आधार पर सुनिश्चित नहीं की जा सकती। इसके लिए संवाद जरूरी है। किसी विवाद में मध्यस्थता की शुरुआत सामने वाले को सुनने से होती है। पीड़ित को न्याय मिलने से पहले यह विश्वास होना चाहिए कि उसकी समस्या और पीड़ा को कोई समझ रहा है। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति की समस्या अलग होती है, इसलिए हर समस्या का समाधान भी एक जैसा नहीं हो सकता। स्थानीय समस्याओं को स्थानीय परिस्थितियों और जरूरतों को समझते हुए समाधान तक ले जाना होगा। गरीब, आर्थिक रूप से कमजोर, महिलाओं और बच्चों को विधिक सहायता देना कोई दान या चैरिटी नहीं, बल्कि उनका संवैधानिक अधिकार है।

मुख्यमंत्री बोलेः न्याय व्यवस्था में संवेदना सबसे जरूरी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि न्याय पाना हर व्यक्ति का प्राथमिक और मानवीय अधिकार है। न्याय व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए जो सर्वव्यापी, सुलभ, सुगम, शीघ्र, सस्ती, समदर्शी और मानवीय संवेदनाओं से परिपूर्ण हो। उन्होंने कहा कि मध्यस्थता के माध्यम से छोटे-छोटे मामलों का समाधान कर लंबित मामलों के दबाव को कम किया जा सकता है। भारतीय परंपरा में भी संवाद और समझौते के जरिए विवादों के समाधान की लंबी परंपरा रही है।

24 घंटे में इंदौर समेत चार शहरों में गठित किए फास्ट ट्रैक कोर्ट

मुख्यमंत्री ने बताया कि मध्यप्रदेश में पेपर लीक और धोखाधड़ी जैसे मामलों के तेजी से निराकरण के लिए इंदौर, भोपाल, ग्वालियर और जबलपुर में चार फास्ट ट्रैक कोर्ट गठित किए गए हैं। उनके अनुसार ये अदालतें उच्च न्यायालय के सहयोग से 24 घंटे के भीतर गठित की गईं। साथ ही साइबर सुरक्षा, ई-जीरो एफआईआर, डिजिटल सिस्टम और स्मार्ट पुलिसिंग के जरिए प्रदेश की न्याय एवं पुलिस व्यवस्था को तकनीकी रूप से मजबूत किया जा रहा है।

बाबू के पास मिली आय से 500 गुना अधिक संपत्ति

लोकायुक्त का सहायक ग्रेड-2 के जबलपुर-सिवनी स्थित 5 ठिकानों पर एक साथ छापा

● जबलपुर

लोकायुक्त पुलिस ने शनिवार तडक़े क्षेत्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज प्रशिक्षण केंद्र सिवनी में पदस्थ सहायक ग्रेड-2 कर्मचारी सुभाष शर्मा के जबलपुर और सिवनी स्थित पांच ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। प्रारंभिक जांच में अधिकारी की ज्ञात आय की तुलना में कई गुना अधिक संपत्ति और खर्च का पता चलने का दावा किया गया है।

लोकायुक्त की टीमों ने सुबह करीब 5.30 बजे कार्रवाई शुरू की। तलाशी के दौरान शर्मा के घर से करीब पांच करोड़ रुपये मूल्य की जमीन और प्लॉट से जुड़े दस्तावेज मिलने की बात सामने आई है। इसके अलावा करीब 1.20 करोड़ रुपये मूल्य के फार्म हाउस और दो मकानों से संबंधित कागजात भी मिले हैं। जांच में सामने आया है कि इनमें से कई संपत्तियां कथित तौर पर सुभाष शर्मा की पत्नी शीला शर्मा के नाम पर खरीदी गई हैं। लोकायुक्त की टीमें संपत्तियों से जुड़े दस्तावेज और अन्य रिकॉर्ड की जांच कर रही हैं। लोकायुक्त ने कार्रवाई के लिए अलग-अलग टीमें गठित की थीं। (शेष पेज 8 पर)

पत्नी के नाम पर 6 करोड़ 20 लाख की जमीन, प्लॉट और फार्म हाउस मिले

संपत्तियों का मूल्यांकन जारी

लोकायुक्त अधिकारियों के मुताबिक, दोनों स्थानों पर संपत्ति से जुड़े दस्तावेज, रिकॉर्ड और अन्य सामग्री की जांच की जा रही है। साथ ही संपत्तियों का मूल्यांकन भी कराया जा रहा है। प्रारंभिक जांच में आरोपी की आय की तुलना में संपत्ति और खर्च अधिक पाए जाने की बात कही गई है। यह अनुपात 543.19 प्रतिशत बताया गया है। लोकायुक्त के मुताबिक, जांच पूरी होने के बाद संपत्ति और वित्तीय लेनदेन से जुड़े और तथ्य सामने आ सकते हैं।

दिल्ली में बेकाबू मर्सिडीज ने बुजुर्ग महिला को रौंदा

नई दिल्ली, आरएनएन। दिल्ली के नरेला इलाके में शनिवार सुबह शराब के नशे में धुत एक मर्सिडीज कार सवार युवक ने तेज रफ्तार में कार चलाते हुए तीन गाड़ियों और एक बुजुर्ग महिला को टक्कर मार दी।

इस हादसे में बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी चालक को हिरासत में ले लिया है, जो नरेला का ही निवासी बताया जा रहा है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

बताया जा रहा है कि सुबह के वक्त जब 77 वर्षीय बुजुर्ग महिला टहलने और पक्षियों को दाना डालने के लिए घर से बाहर निकली थीं, तभी तेज रफ्तार मर्सिडीज ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके अलावा, कार ने सड़क किनारे खड़ी तीन अन्य गाड़ियों को भी टक्कर मारी। जांच में सामने आया है कि मर्सिडीज कार अर्जुन सिंह नामक व्यक्ति के नाम पर रजिस्टर्ड है, जो नरेला के पॉकेट-6, सेक्टर ए-10 का रहने वाला है।

तीन गाड़ियों को भी मारी टक्कर, नशे में गाड़ी चलाने का आरोप

चंबा में निजी बस पलटने से 7 की मौत, 11 घायल

● शिमला

हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में शनिवार सुबह एक दर्दनाक सडक़ हादसे में निजी बस के पलटकर नीचे की सडक़ पर जा गिरने से सात लोगों की मौत हो गई, जबकि 11 अन्य घायल हो गए। हादसा सुबह करीब सवा सात बजे बैरागढ़-तीसा मार्ग पर बैरागढ़ पटवार क्षेत्र के चालुंज मोड़ के पास हुआ।

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने हादसे पर दुख जताते हुए पीड़ितों के लिए आर्थिक सहायता की घोषणा की है। बस बैरागढ़ से चंबा जा रही थी। चुराह घाटी के इस करीब 27 किलोमीटर लंबे पहाड़ी मार्ग पर कई जगह

सडक़ बेहद संकरी है और गहरी खाइयां हैं। इसी दौरान चालुंज मोड़ के पास बस अनियंत्रित होकर पलट गई और नीचे की सडक़ पर जा गिरी।

संकरे पहाड़ी मार्ग पर हुआ हादसा

अमरनाथ यात्रा पर लगा अस्थायी ब्रेक

● जम्मू / आरएनएन

खराब मौसम और अगले कुछ दिनों में भारी बारिश की चेतावनी के बीच अमरनाथ यात्रा को शनिवार को जम्मू से अस्थायी रूप से रोक दिया गया।

भगवती नगर आधार शिविर से शनिवार सुबह किसी भी नए जत्थे को कश्मीर घाटी के लिए रवाना होने की अनुमति नहीं दी गई। प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा को देखते हुए यह फैसला लिया है। अधिकारियों के मुताबिक, जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग और मौसम की स्थिति की लगातार निगरानी की जा रही है।

जम्मू बेस कैंप से रवाना नहीं हुआ कोई जत्था

थरूर बोले- आरएसएस की विचारधारा में बदलाव नहीं

लेकिन भागवत के बयान युवाओं को लेकर नई सोच का संकेत

● मुंबई

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने आरएसएस की विचारधारा को लेकर कहा कि संगठन का मूल उद्देश्य भारत को हिंदू राष्ट्र और हिंदुत्व की विचारधारा के रूप में आगे बढ़ाना है और इस बुनियादी सोच में अब तक कोई बड़ा बदलाव नहीं आया है।

हालांकि, उन्होंने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के हालिया बयानों को सकारात्मक संकेत बताया और कहा कि पिछले कुछ वर्षों में उनके सार्वजनिक वक्तव्यों में कुछ बदलाव दिखाई दे रहे हैं। थरूर ने यह बात मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कही, जहां युवाओं और देश के मौजूदा सामाजिक एवं राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा हुई। थरूर के मुताबिक, किसी भी राजनीतिक या सामाजिक विचारधारा से असहमति होने का मतलब यह नहीं है कि उससे जुड़े लोगों के साथ संवाद नहीं किया जा सकता।

उन्होंने कहा कि अलग-अलग विचार रखने वाले लोगों के साथ बातचीत लोकतांत्रिक व्यवस्था का जरूरी हिस्सा है। उनके अनुसार, केवल इस वजह से किसी व्यक्ति की आलोचना करना उचित नहीं है कि उसने ऐसे मंच पर हिस्सा लिया, जहां उससे अलग विचारधारा रखने वाला कोई व्यक्ति भी मौजूद था। उन्होंने संवाद को लोकतांत्रिक प्रक्रिया का महत्वपूर्ण माध्यम बताया।

सिस्टम ने युवाओं को एक चक्रव्यूह में फंसा रखा है

● प्रयागराज

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी शनिवार को प्रयागराज पहुंचे। उन्होंने यहां आयोजित छात्रों की गूंज कार्यक्रम के दौरान केंद्र सरकार पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा केंद्र सरकार और उसकी नीतियों की वजह से देश का युवा आज बेहाल है। सिस्टम ने उन्हें एक चक्रव्यूह में फंसा रखा है।

प्रयागराज में छात्रों से राहुल गांधी का संवाद

देश के युवाओं और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों को संबोधित करते हुए उन्होंने शिक्षा व्यवस्था, बेरोजगारी और डेटा की ताकत पर खुलकर बात की। अपने संबोधन की शुरुआत करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि वे मुख्य रूप से तीन चीजों पर बात करना चाहते हैं...दर्द, डेटा और दौलत। उन्होंने साफ किया कि वे युवाओं के दर्द और उनके द्वारा पैदा किए जाने वाले डेटा की बात कर रहे हैं, लेकिन आज असल समस्या यह है कि जो धन या दौलत युवाओं की होनी चाहिए, वह केंद्र सरकार की गलत नीतियों के कारण उनके पास नहीं पहुंच रही है।

पहल चीनी कंपनी की पहल पर बोले गोयनका- क्या भारत में भी हो सकती है ऐसी छुट्टी

अनहैप्पी लीव: काम का मन नहीं तो ले लो छुट्टी

● नई दिल्ली

आरपीजी ग्रुप के चेयरमैन हर्ष गोयनका ने चीन की रिटेल कंपनी पांग डोंग लाई की अनहैप्पी लीव नीति का जिक्र करते हुए भारतीय कॉरपोरेट वर्क कल्चर में कर्मचारियों की खुशहाली और मानसिक स्वास्थ्य को लेकर बहस छेड़ दी है।

इस नीति के तहत कर्मचारी साल में 10 दिन तक बिना कोई वजह बताए सवेतन छुट्टी ले सकते हैं, अगर वे मानसिक रूप से परेशान, थके हुए या काम के लिए तैयार

महसूस नहीं कर रहे हों। गोयनका ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कंपनी की इस पहल को साझा करते हुए सवाल उठाया कि क्या भारत में भी ऐसी छुट्टी की जरूरत है या कंपनियों को ऐसा कार्यस्थल बनाने पर ध्यान देना चाहिए, जहां कर्मचारी तनाव और बर्नआउट से दूर रहकर खुशी से काम करना चाहें। कंपनी के संस्थापक यू डोंगलाई का मानना है कि कर्मचारियों की मानसिक सेहत भी उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी शारीरिक सेहत।

बिना कारण बताए मिलती है छुट्टी

पांग डोंग लाई चीन की एक रिटेल कंपनी है, जिसकी स्थापना यू डोंगलाई ने 1995 में की थी। कंपनी की अनहैप्पी लीव नीति के तहत कर्मचारी साल में 10 दिन की पेड छुट्टी ले सकते हैं। इसके लिए उन्हें अपनी परेशानी बताने या मेडिकल सर्टिफिकेट देने की जरूरत नहीं होती। इस नीति की खास बात यह है कि मैनेजर या वरिष्ठ अधिकारी कर्मचारी की अनहैप्पी लीव की मांग को खारिज नहीं कर सकते। कंपनी का मानना है कि कर्मचारियों को मानसिक दबाव, थकान या खराब मूड की स्थिति में काम करने के लिए मजबूर करने के बजाय उन्हें आराम का अवसर मिलना चाहिए।

पेपर लीक सीबीआई जांच और परीक्षा रद्द कर दोबारा आयोजित करने की उठी मांग

जेपीएससी परीक्षा विवाद पहुंचा सुप्रीम कोर्ट

● झारखंड/ आरएनएन

झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की संयुक्त सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2025 को लेकर चल रहा विवाद अब देश की सर्वोच्च अदालत तक पहुंच गया है।

रांची में छात्रों के लगातार आंदोलन के बीच सामाजिक कार्यकर्ता हरिशरण देवगन ने सुप्रीम कोर्ट में आईपीएल दायर कर परीक्षा प्रक्रिया की निष्पक्ष जांच और परीक्षा रद्द कर दोबारा आयोजित करने की मांग की है। याचिका में परीक्षा से जुड़ी कथित अनियमितताओं की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से कराने की मांग की गई है। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश या झारखंड से बाहर के

किसी हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक स्वतंत्र समिति गठित करने का भी अनुरोध किया गया है। याचिकाकर्ता ने कहा है कि समिति में फोरेंसिक विज्ञान, सूचना प्रौद्योगिकी, साइबर सुरक्षा, ओएमआर मूल्यांकन, परीक्षा सुरक्षा और लोक प्रशासन के विशेषज्ञों को शामिल किया जाए ताकि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच हो सके। जनहित याचिका में सुप्रीम कोर्ट से जेपीएससी संयुक्त सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2025 को रद्द करने और नई परीक्षा आयोजित कराने का निर्देश देने की मांग की गई है। साथ ही नई परीक्षा अदालत द्वारा स्वीकृत सुरक्षा उपायों के तहत कराने की अपील भी की गई है।

छात्रों और सरकार के बीच दूसरे दौर की वार्ता भी बेनतीजा

झारखंड की राजधानी रांची में प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित पेपर लीक और गड़बड़ियों को लेकर छात्रों का आक्रोश थमने का नाम नहीं ले रहा है। शनिवार को सरकार और आंदोलनकारी छात्र संगठनों के बीच गतिरोध को खत्म करने के लिए बातचीत का दौर चला। लेकिन यह बैठक भी पूरी तरह बेनतीजा साबित हुई। छात्रों ने साफ कर दिया है कि जब तक उनकी सभी मांगें पूरी नहीं हो जातीं, तब तक उनका यह आंदोलन लगातार जारी रहेगा। मंत्री संजय यादव ने मीडिया को जानकारी दी है कि रविवार दोपहर 12 बजे छात्रों के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत का एक और दौर होगा। सरकार छात्रों के गुस्से को शांत करने और आंदोलन को शांतिपूर्ण तरीके से खत्म कराने के लिए नए विकल्पों पर विचार कर सकती है।

दिलावर का कांग्रेस पर हमला पेपर लीक नहीं, बेचे गए पंचायत चुनाव में भाजपा की जीत का दावा

भीलवाड़ा प्रवास में शिक्षा मंत्री ने किया पौधारोपण, मंदिरों में दर्शन जर्जर स्कूलों के पुनर्निर्माण और तृतीय श्रेणी शिक्षकों के तबादलों पर भी बोले

स्मार्ट हलचल

मूलचन्द पेसवानी भीलवाड़ा। राजस्थान के शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर शनिवार को एक दिवसीय भीलवाड़ा दौरे पर रहे। इस दौरान उन्होंने धार्मिक स्थलों पर दर्शन-पूजन करने के साथ विभिन्न स्थानों पर पौधारोपण कार्यक्रमों में हिस्सा लिया और सरकारी स्कूलों की स्थिति, शिक्षा व्यवस्था, पंचायती राज चुनाव तथा कांग्रेस शासन को लेकर बेबाकी से अपनी बात रखी। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश में होने वाले आगामी पंचायती राज चुनाव में भाजपा का परचम लहराएगा। दिलावर ने कहा कि पंचायती राज और निकाय चुनाव को लेकर सरकार पूरी तरह तैयार है। ओबीसी आयोग अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंप चुका है। अब चुनाव कार्यक्रम और नोटिफिकेशन जारी करना चुनाव आयोग का काम है। आयोग उचित समय पर चुनाव की घोषणा करेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा एक चुनाव समाप्त होते ही अगले चुनाव की तैयारियों में जुट जाती है।

'पेपर लीक नहीं हुए, पेपर बेचे गए '

पत्रकारों से बातचीत में शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कांग्रेस नेताओं के बयानों पर पलटवार करते हुए कहा कि गहलोत और डोटासरा 'खिसियानी

बिल्ली खंभा नोचने' जैसी स्थिति में हैं। दिलावर ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को नुकसान पहुंचा। उन्होंने कहा कि उस समय पेपर लीक की बात नहीं थी, बल्कि 'पेपर बेचे गए '। उन्होंने आरोप लगाया कि तत्कालीन सरकार में पेपर बेचकर फंड जुटाने का काम हुआ। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने अंग्रेजी माध्यम स्कूलों के नाम पर प्रदेश की जनता के साथ धोखा किया। उनके अनुसार, कई हिंदी माध्यम स्कूलों की इमारतों पर अंग्रेजी माध्यम के बोर्ड लगा दिए गए, लेकिन अंदर व्यवस्थाएं अंग्रेजी माध्यम स्कूलों जैसी नहीं थीं। दिलावर ने कहा कि वर्तमान सरकार सरकारी स्कूलों में बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराने और अंग्रेजी माध्यम जैसी व्यवस्थाएं विकसित करने का प्रयास कर रही है।

84 हजार कक्षों की मरम्मत का दावा

शिक्षा मंत्री ने प्रदेश के जर्जर सरकारी स्कूल भवनों के मुद्दे पर भी कांग्रेस को घेरा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कई स्कूल भवन 40 से लेकर 100 वर्ष तक पुराने हैं और पिछली सरकारों ने इनकी ओर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया। दिलावर ने दावा किया कि प्रदेश के सरकारी स्कूलों में करीब 84 हजार कमरों की मरम्मत की आवश्यकता है। सरकार चरणबद्ध तरीके से इन कमरों की मरम्मत और नए निर्माण का काम कर रही है। इसके लिए सरकारी बजट के साथ दानदाताओं और भामाशाहों का सहयोग भी लिया जाएगा। उन्होंने भीलवाड़ा जिले को लेकर कहा कि आगामी छह माह में जिले के सभी जर्जर सरकारी स्कूलों को लेकर कार्रवाई पूरी करने का लक्ष्य है। जहां आवश्यक होगा, जर्जर भवनों को ध्वस्त कर नए भवन बनाए जाएंगे तथा अन्य भवनों की मरम्मत कराई जाएगी।

तृतीय श्रेणी शिक्षकों के तबादलों पर बोले 'आश्वासन जरूर पूरा करेंगे '

तृतीय श्रेणी शिक्षकों के स्थानांतरण के सवाल पर दिलावर ने कहा कि सरकार ने जो आश्वासन दिया है, उसे पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की इस मांग को लेकर सरकार गंभीर है और उचित प्रक्रिया के तहत कार्रवाई की जाएगी।

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान में लिया हिस्सा

दिलावर ने भीलवाड़ा शहर के तिलकनगर स्थित राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज परिसर में भाजपा शास्त्री मंडल के तत्वावधान में आयोजित 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण किया। समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पेड़ धरती मां का श्रृंगार हैं और इन्हें बचाए रखना प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। वृक्षारोपण को केवल फोटो खिंचवाने तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि पौधा लगाने के बाद उसके संरक्षण की जिम्मेदारी भी निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में लोगों को ऑक्सीजन के महत्व का सबसे अधिक अहसास हुआ। ऑक्सीजन नहीं मिलने के कारण अनेक लोगों की जान गई। यही वजह है कि ऑक्सीजन को प्राण वायु कहा जाता है। उन्होंने आमजन से वर्षा ऋतु में अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने की अपील की। दिलावर ने पेड़ों की उपयोगिता बताते हुए कहा कि पेड़ प्रदूषण कम करने के साथ पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने दावा किया कि एक पेड़ एक वर्ष में बड़ी आर्थिक कीमत के बराबर ऑक्सीजन उपलब्ध कराता है।

उन्होंने आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि भारत में प्रति व्यक्ति करीब 28 और राजस्थान में करीब 25 पेड़ हैं, जबकि पर्याप्त ऑक्सीजन संतुलन के लिए प्रति व्यक्ति 472 पेड़ों की आवश्यकता बताई जाती है। उन्होंने कहा कि पेड़ों की कमी के कारण पर्यावरण असंतुलन बढ़ रहा है और इसका सीधा असर मानव स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। धानमंडी स्कूल में पौधारोपण, वार्ड 51 में चिकित्सा शिविर देखा शिक्षा मंत्री ने धानमंडी स्थित राजकीय विद्यालय में भी पौधारोपण किया। उन्होंने विद्यार्थियों और आमजन से पौधे लगाने तथा उनके संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया। इस दौरान सीडीईओ अरुणा गारू सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। इसके बाद दिलावर ने वार्ड 51 में आयोजित चिकित्सा शिविर का अवलोकन किया। उन्होंने स्वास्थ्यकर्मियों से शिविर में उपलब्ध सुविधाओं और मरीजों को दी जा रही सेवाओं की जानकारी ली। पूर्व पार्षद उदयलाल तेली ने उनका स्वागत किया।

मंदिरों में किए दर्शन, संत से लिया आशीर्वाद

भीलवाड़ा प्रवास की शुरुआत में मंत्री मदन दिलावर आरसी व्यास कॉलोनी स्थित पूर्व विधायक विट्ठल शंकर अवस्थी के निवास पहुंचे। यहां उन्होंने अवस्थी से मुलाकात की। इस दौरान पूर्व सांसद सुभाष बहेड़िया सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। दिलावर करीब एक घंटे तक वहां रुके और विभिन्न राजनीतिक एवं संगठनात्मक विषयों पर चर्चा की। इसके बाद वे माणिक्य नगर स्थित रामद्वारा पहुंचे, जहां चातुर्मास कर रहे आचार्य श्री रामदयाल जी महाराज के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। पूर्व विधायक अवस्थी भी इस दौरान उनके साथ रहे। मंत्री हरनी महादेव मंदिर भी पहुंचे, जहां उन्होंने भगवान शिव का जलाभिषेक कर पूजा-अर्चना की। यहां पूर्व पार्षद शंकर जाट ने उनका स्वागत किया। इसके अलावा वार्ड 51 स्थित बड़लेश्वर महादेव मंदिर में भी उन्होंने दर्शन किए।

भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं की रही मौजूदगी

पौधारोपण एवं अन्य कार्यक्रमों में भीलवाड़ा सांसद दामोदर अग्रवाल, पूर्व सांसद सुभाष बहेड़िया, पूर्व विधायक विट्ठल शंकर अवस्थी, जिला महामंत्री अविनाश जीनगर, शास्त्री मंडल अध्यक्ष रमेश खोईवाल, जिला प्रवक्ता अंकुर बोरदिया सहित भाजपा के अनेक जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम में शास्त्री मंडल महामंत्री शंकर जाट, हरीश सालवी, राजकुमार आंचलिया, शंशाक बिड़ला, यशोवर्धन सेन, राजकुमार घावरी, सावन दिया, पिंटू राव, राहुल बना, सुरेश जीनगर, विनोद खोईवाल, निर्मला सोनी, शिवानी भरावा सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक भी उपस्थित रहे।

शुक्रवार सवेरे से लापता 22 वर्षीय युवक का शव कुलम के पेड़ से लटका मिला

स्मार्ट हलचल

बिजौलियाँ(दीपक राठौर) बिजोलिया थाना सर्किल के छोटी बिजोलिया स्थित झरिया महादेव के समीप रोड से लगभग 100 मीटर नीचे खाई में शुक्रवार सवेरे से लापता युवक महेंद्र बलाई उम्र 22 वर्ष निवासी छोटी बिजोलिया का शव कुलम के पेड़ से लटका मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गईमृतक महेंद्र वॉल पुट्टी का कार्य करता था परिवार जनों का कहना है कि महेंद्र अपनी बहन ललिता को शुक्रवार सवेरे बिजोलिया छोड़ने गया था लेकिन वह वापस घर नहीं लोटा जिसकी कल शाम और आज सवेरे काफी तलाश करने पर झरिया महादेव के घाटे के ऊपर महेंद्र की मोटरसाइकिल खड़ी मिली जिस पर आसपास जंगल में तलाश की गई तो महेंद्र का शव कुलम के पेड़ की टहनी से लटका हुआ मिलापरिवार जनों एवं ग्रामीणों ने हत्या की आशंका जताते हुए बिजोलिया पुलिस को सूचना दी जिस पर बिजोलिया पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए मोके पहुंचकर भीलवाड़ा से एसएफएल टीम को बुलाकर साक्ष्य भी जुटाए बिजोलिया पुलिस द्वारा शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिवार जनों को सुपुर्द किया मृतक के पिता ने अप्रिय घटना होने की आशंका को लेकर बिजौलियाँ थाने में रिपोर्ट दी परिवार जनों एवं ग्रामीणों ने तीन दिन के भीतर मामले को सुलझाने की मांग की फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी

बिजोलिया पुलिस ने 45.770 किलो अफीम डोडा चूरा किया जप्त, अंतर्राष्ट्रीय कीमत -लाख रुपए

स्मार्ट हलचल

बिजौलियाँ(दीपक राठौर) बिजोलिया पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्यवाही करते हुए लग्जरी कार से 45.770 किलो अफीम डोडा चूरा जप्त किया गया साथ ही वारदात में प्रयुक्त लग्जरी कार एस क्रॉस को भी जप्त किया गया जप्त डोडा चूरा की अंतरराष्ट्रीय कीमत 7 लाख रूपये आकी गई थाना अधिकारी स्वागत पड़्या ने बताया कि कास्या चौकी प्रभारी नरेश कुमार की सुचना पर कार्यवाही करते हुए एक लक्जरी कार एस क्रॉस को रोका जिससे कुल 45.770 किलो अफीम डोडा चुरा 3 अलग अलग कटटो से बरामद किया गया। तथा आरोपी राकेश कुमार जाट उम्र 21 साल निवासी जांदवा रतनगढ़ जिला चुरू को मौके पर गिरफ्तार किया गया। इस दौरान सहायक उप निरीक्षक लक्ष्मण सिंह द्वारा साहसी प्रयास करके आरोपी व अवैध अफीम डोडा चुरा पकडने में महत्वपुर्ण भूमिका निभाई।

निशुल्क नेत्र रोग शिविर में 82 को नेत्र परामर्श नो को मोतियाबिंद ऑपरेशन हुए

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा श्री गणेश उत्सव प्रबंध एवं सेवा समिति के तत्वाधान चार दिवसीय निशुल्क नेत्र जांच एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर में विभिन्न गांव से आए 82 रोगियों को नेत्र परामर्श एवं नौ रोगियों का मोतियाबिंद ऑपरेशन स्पर्श हॉस्पिटल में किया गया मीडिया प्रभारी महावीर समदानी ने बताया कि डॉ कृष्णा हेडा नेत्र विशेषज्ञ डीएनबी द्वारा रोगियों को अपना घर वृद्धाश्रम में परामर्श दिया उसके अगले दिन 9 रोगियों के नेत्र मोतियाबिंद ऑपरेशन सफल किये रोगियों को आवास ,भोजन, दवाइयां, काला चश्मा निशुल्क दिया गया इस अवसर पर समिति अध्यक्ष उदयलाल समदानी डॉ अतुल हेड़ा,सुभाष अग्रवाल, गणपत जागेटीया ,छीतर मल लढ्ढ़ा ,लादू लाल माली, घनश्याम डाड ने सेवाएं दी

दिलावर का कांग्रेस पर हमला: बोले- कांग्रेस विलायती बबूल

जिससे केवल नुकसान ही नुकसान; भाजपा विकास की नई इबारत लिख रही...

पीपलून्द में शिक्षा मंत्री ने किया पौधारोपण, पशु आश्रय स्थल का लोकार्पण और प्रतिभाओं का सम्मान...

स्मार्ट हलचल

अलकेशपारीक जहाजपुर। उपखंड क्षेत्र के पीपलून्द में शनिवार को शिक्षा एवं पंचायतराज मंत्री मदन दिलावर पहुंचे। उन्होंने यहां पौधारोपण करने के साथ प्रतिभाओं का सम्मान किया तथा विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शुभारंभ किया। कार्यक्रम में सांसद दामोदर अग्रवाल और विधायक गोपीचंद मीणा भी मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री मदन दिलावर ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि 'कांग्रेस एक विलायती बबूल है, जिससे केवल नुकसान ही नुकसान होता है।' उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने पूरे प्रदेश में जगह-जगह दुश्मन खड़े करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि देश और प्रदेश में भाजपा की सरकार विकास को नई गति दे रही है और जहाजपुर क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं है। विधायक गोपीचंद मीणा के माध्यम से क्षेत्र में रिकॉर्ड विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। दिलावर ने पर्यावरण संरक्षण पर जोर देते हुए लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छ वातावरण और शुद्ध ऑक्सीजन के लिए पेड़ लगाना जरूरी है।

चारागाह से लेकर गौसंरक्षण तक कई कार्यक्रम

कार्यक्रम के दौरान ग्राम पंचायत पीपलून्द द्वारा निर्मित सार्वजनिक पशु आश्रय स्थल का लोकार्पण किया गया। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 2.0 के तहत विकसित वनदेव चारागाह का लोकार्पण तथा संत रविदास चारागाह विकास कार्य का शुभारंभ भी किया गया। वहीं 'हरियालो राजस्थान' अभियान के तहत ग्राम पंचायत एवं जलग्रहण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में मियावाकी पद्धति से सघन पौधारोपण अभियान की शुरुआत की गई।

नगर पालिका-पंचायत चुनाव से पहले कांग्रेस का शक्ति प्रदर्शन, धीरज गुर्जर ने कार्यकर्ताओं में भरा जोश

गौतम आश्रम में हुई चुनावी बैठक, पूर्व विधायक बोले एकजुट होकर मैदान में उतरें, वार्ड से गांव तक मजबूत करें संगठन

स्मार्ट हलचल

अलकेश परीक जहाजपुर। नगर पालिका एवं पंचायत चुनाव को लेकर जहाजपुर में सियासी हलचल तेज हो गई है। शनिवार को गौतम आश्रम में कांग्रेस की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। पूर्व विधायक धीरज गुर्जर ने बैठक में कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद कर आगामी चुनावों की तैयारियों को लेकर रणनीति पर मंथन किया। धीरज गुर्जर ने कार्यकर्ताओं को चुनावी मोर्चे पर पूरी ताकत के साथ जुटने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अब समय बैठकर चर्चा करने का नहीं, बल्कि जनता के बीच जाकर संगठन को मजबूत करने का है। प्रत्येक वार्ड, बूथ और गांव में कांग्रेस कार्यकर्ता सक्रिय होकर आमजन से संपर्क करें। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आपसी मतभेदों को पीछे छोड़कर एकजुटता के साथ चुनाव मैदान में उतरने की बात कही।

उन्होंने कहा कि संगठन की असली ताकत कार्यकर्ता है और कार्यकर्ता मजबूत होगा तो कांग्रेस भी मजबूत होगी। बैठक में नगर पालिका एवं पंचायत चुनाव को लेकर वार्डवार और क्षेत्रवार स्थिति पर चर्चा की गई। संभावित प्रत्याशियों को लेकर भी कार्यकर्ताओं के बीच मंथन हुआ। साथ ही जनता से जुड़े स्थानीय मुद्दों को चुनावी अभियान का प्रमुख आधार बनाने पर जोर दिया गया।

धीरज गुर्जर के तेवरों से साफ– कांग्रेस चुनावी मोड में

गौतम आश्रम में हुई बैठक में धीरज गुर्जर के संबोधन और कार्यकर्ताओं के साथ संवाद से कांग्रेस के आगामी नगर पालिका एवं पंचायत चुनाव को लेकर गंभीरता से मैदान में उतरने के संकेत मिले। बैठक में कार्यकर्ताओं में भी खासा उत्साह नजर आया। अब आने वाले दिनों में कांग्रेस की चुनावी गतिविधियां और तेज होने की संभाव

सिंगोली में भीलवाड़ा डिवीजन के अफीम किसानों का अफीम उत्पादन का जागरूक् शिविर संपन्न

स्मार्ट हलचल

आकोला (रमेश चंद्र डाड) माहेश्वरी धर्मशाला सिंगोली में अफीम उपज की गुणवत्ता व उप जे बढ़ाने हेतु केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो भीलवाड़ा डिविजनव व कृषि तकनीकी विश्वविद्यालय उदयपुर के सहयोग से भी किसानों काशिविर आयोजन किया गया जिसमें भीलवाड़ा डिविजन के अफीम उत्पादक किसान उपस्थित रहे किसानों को अफीम फसल की उन्नत खेती वह उन्नत बीज खाद व दवाई का उपयोग किस समय पर करना चाहिए कैसे करना चाहिए इस संबंध में कृषि वैज्ञानिकों ने विस्तृत जानकारी दी जिसमें जिला अफीम अधिकारी सुशील कुमार वर्मा व डॉ,आर एन बुनकर प्रोफेसर प्लांट पैथोलॉजी डा अमित दधीच प्रोजेक्ट इंचार्ज डॉ एन के पाड़ीवाल टेक्निकल असिस्टेंटकृषि एवं तकनीकी विश्वविद्यालय के अधिकारी उपस्थित रहे वह अफीम आयाम प्रमुख /अध्यक्ष बद्रीलाल तेली व रामपाल जाट जिला अफीम आयामभारतीय किसान संघ चित्तौड़ प्रांत वह अफीम उत्पादक गांव से लंबरदार वकिसान उपस्थित रहे।

वाजपेयी की मूर्ति की जगह मुख्यमंत्री अगर करते जिला चिकित्सालय भवन का लोकार्पण तो जनता को मिलता लाभ : आंजना...

जनता के टैक्स का उपयोग राजनीतिक उद्देशों की पूर्ति के लिए किया जाना शर्मनाक : राईवाल

स्मार्ट हलचल

निम्बाहेड़ा, जहां नगर में एक और नगर परिषद शेत्र में टूटी सड़कों, गंदी नालियों एवं सार्वजनिक रूप से फैली हुई गंदगी जैसे समस्याओं का अंबार लगा हुआ है वहीं दूसरी ओर सत्ताधारी भाजपा नेता अपने प्रदेश एवं राष्ट्रीय नेताओं को खुश कर बड़े पद पाने के लिए जनता के टैक्स एवं नगर परिषद के राजस्व का अनैतिक उपयोग करने से बाज नहीं आ रहे हैं जिसे लेकर क्षेत्र की आम जनता में भारी रोष व्याप्त है। पूर्व सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना ने कहा कि आगामी कुछ दिनों में प्रदेश के मुख्यमंत्री निम्बाहेड़ा में स्थापित पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की मूर्ति का लोकार्पण करने के लिए आने वाले हैं लेकिन जनता के मन में यही सवाल उठ रहा है कि प्रदेश के मुख्यमंत्री होने के बावजूद केवल एक चौराहे का उद्घाटन करने एवं सरकारी धन पर आगामी नगर निकाय एवं पंचायती राज हेतु चुनाव प्रचार करने को लालायित हो रहे हैं, लेकिन एक मुख्यमंत्री अगर पिछले 3 साल से निर्माणाधीन पड़े जिला चिकित्सालय भवन को लेकर ना तो वे और ना ही स्थानीय विधायक चिंतित है। जनता में चर्चा है कि इतने बड़े पद पर बैठे व्यक्ति एक चौराहे नहीं बल्कि जिला चिकित्सालय भवन का लोकार्पण करते तो जनता को इसका लाभ मिलता। जनता इस बात से रोष में है कि जहां एक ओर स्थानीय नेता एवं राज्य सरकार बजट की कमी होने का ढिंढोरा पिटती रहती है वहीं दूसरी ओर करोड़ों रुपए की लागत से अपनी विचारधारा से संबंध रखने वाले नेताओं की विशालकाय मूर्तियां स्थापित करके जनता के टैक्स एवं नगर परिषद का राजस्व का दुरुपयोग किया जा रहा है। साथ ही अपने नेताओं एवं अन्य महापुरुषों की मूर्ति स्थापना में भी स्थानीय नेताओं ने भ्रष्टाचार की सारी सीमाएं पार कर दी हैं जिसकी गूंज राजस्थान विधानसभा में भी गत दिसंबर माह में उठी थी परंतु राजनेताओं के संरक्षण एवं संगठित भ्रष्टाचार की वजह से आज तक राज्य सरकार द्वारा इस पर कोई सख्त कार्रवाई नहीं की गई है जो शर्मनाक है। नगर कांग्रेस अध्यक्ष बंशीलाल राईवाल ने कहा कि जनता के टैक्स का उपयोग अपने राजनीतिक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए किया जाना अनैतिक एवं शर्मनाक है। कांग्रेस शासन में भी नगर में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी, राजीव गांधी एवं अमर शहीद भगतसिंह, सुखदेव, राजगुरु की मूर्ति स्थापित की गई थी लेकिन उन मूर्तियों का सारा खर्च कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने आपसी सहयोग से राशि एकत्रित कर किया था, लेकिन आज भाजपा नेताओ की मूर्तियां सरकारी पैसे से स्थापित की जा रही है जो नियमों के तो विपरीत है ही साथ ही जनता द्वारा दिए जाने वाले टैक्स का खुला दुरुपयोग भी है। भाजपा के नेता केवल अपनी जेब भरने के लिए सारे नियमों के विपरीत जाकर, भिन्न-भिन्न और अनैतिक शर्तें टेंडर में डालकर पूरी प्रक्रिया को ही दूषित कर रहे हैं जिससे राजस्व को भारी नुकसान हो रहा है। भाजपा नेता जनहितैषी कार्यों से दूरी बनाते हुए केवल अपने राजनीतिक एवं निजी उद्देश्यों की पूर्ति करने में लगे हुए हैं जिससे क्षेत्र की जनता में भारी रोष है। अभी हाल ही में नगर परिषद द्वारा करोड़ों रुपए की लागत के टेंडर जारी किए गए हैं इसको लेकर भाजपा नेताओं की सोच है कि इन टेंडर का दुरुपयोग आगामी नगर परिषद चुनाव को प्रभावित करने के लिए आचार संहिता के दौरान निर्माण कार्य करवा कर किया जाए ताकि पिछले ढाई साल के जनता के रोष को शांत कर राजनीतिक लाभ लिया जा सके, इसको लेकर हम प्रशासन को चेतावनी देना चाहते हैं कि यदि उनके निर्देशन में आगामी नगर परिषद चुनाव को प्रभावित करने के लिए कोई भी अनैतिक कार्य किया गया तो प्रदेश में सत्ता परिवर्तन के पश्चात उनके द्वारा किए गए कृतियों की हम जांच करवाएंगे जिसका खामियाजा केवल प्रशासनिक अधिकारियों को ही भुगतना पड़ेगा इसलिए हमारी विनम्र आग्रह है कि अधिकारी किसी पार्टी के एजेंट के रूप में कार्य ना करें। पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष सुभाषचंद्र शारदा ने बताया कि कांग्रेस शासन में नगर पालिका की प्रथम प्राथमिकता क्षेत्र में सड़कों को सुदृढ़ बनाने, नालिया-सीवरेज सिस्टम को दुरुस्त करना, क्षेत्र में सफाई एवं कचरा निस्तारण प्रक्रिया को व्यवस्थित करना था जिसमें हम सफल भी हुए थे परंतु जब से प्रदेश में भाजपा सरकार आई है स्थानीय सत्ताधारी नेताओं ने नगर परिषद के राजस्व का उपयोग केवल भाजपा नेताओं एवं अपने चुनावी फाइनेंसरों द्वारा विकसित की गई कॉलोनीयों में अनुबंध की शर्तों के विपरीत जाकर सरकारी धन पर सड़कों का निर्माण करवा अनैतिक लाभ देने का कार्य किया गया है, लेकिन शहर में ऐसे क्षेत्र जिनकी सड़के, नालिया पिछले कुछ समय में पूरी तरह का क्षतिग्रस्त हो गई है उन पर केवल इस वजह से ध्यान नहीं लगाया गया है कि वहां पर भाजपा विचारधारा से संबंध ना रखने वाले अथवा आर्थिक रूप से कमजोर लोग जो अपनी आवाज नहीं उठा पाते है निवास करते हैं। जहां एक और नगर की जनता सड़क, नाली, सफाई एवं सीवरेज जैसी मूलभूत समस्याओं में सुधार की मांग करती आई है वहीं दूसरी ओर भाजपा नेता प्रशासन का दुरुपयोग करते हुए लाखों रुपए की लागत से वंडर टाउनहाल में भाजपा के चुनाव चिन्ह कमल के फूल की स्थापना करने में लगे हुए हैं जो जनता के धन का खुला दुरुपयोग है। अभी हाल ही में पूरे शहर में देखा कि कैसे बीएसएनएल ऑफिस एवं बैडमिंटन हॉल के बाहर की सुव्यवस्थित सड़क को केवल इसलिए को दिया गया की यहां अनचाहा निर्माण करवा आने वाले नगर परिषद चुनाव हेतु ठेकेदारों से धन की उगाही की जा सके परंतु ऐसी सड़कों को बदहाल छोड़ दिया गया जो पूरी तरीके से जर्जर है जहां आए दिन राहगीर गिरकर चोटिल होते रहते हैं। साथ ही जेके तिराहे पर यातायात को सुगम बनाने के लिए जो कट बनाया गया था उसे भी दीवार चुनकर एवं पास वाले डिवाइडर को आगे बढ़ते हुए बंद कर दिया गया है जिससे अटल नगर, गोवर्धन नगर, कंचन रिजॉर्ट, जेके ऑफिसर एवं लेबर कॉलोनी इत्यादि क्षेत्र में रहने वाली जनता को समस्याओं का सामना करना पड़ेगा क्योंकि अब यह क्षेत्र दुर्घटना संभावित क्षेत्र बन चुका है। स्थानीय निवासियों एवं दुकानदारों ने इसको लेकर प्रशासन के समक्ष आपत्ति भी दर्ज करवाई थी लेकिन स्थानीय प्रशासन भाजपा नेताओं के दबाव में आकर जनसमस्याओं से अपना मुंह मोड़ चुका हैं जो प्रशासन की कमजोरी को स्पष्ट इंगित करता है। नगर कांग्रेस संगठन महासचिव रविप्रकाश सोनी ने बताया कि जनता के टैक्स से भाजपा के चुनाव चिन्ह को स्थापित करने को लेकर कुछ दिनों पूर्व कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा उपखंड अधिकारी जो नगर परिषद के प्रशासक भी हैं को ज्ञापन सोपा गया था परंतु उस ज्ञापन का ना तो प्रशासन पर कोई असर हुआ है और ना ही नगर परिषद पर कब्जा जमाए बैठे भाजपा नेताओं पर। ज्ञापन के पश्चात नगर कांग्रेस द्वारा मुख्यमंत्री पोर्टल 181 पर जब इसकी शिकायत दर्ज करवाई गई तो स्थानीय नगर परिषद के अधिकारियों ने उसमें जवाब देते हुए शिकायत का निस्तारण कर दिया कि नगर परिषद द्वारा राष्ट्रीय फूल की स्थापना की जा रही है परंतु जब कॉल सेंटर से पुनः कार्यकर्ताओं के पास शिकायत निवारण से संतुष होने के लिए फोन आने लगे तो सभी कार्यकर्ताओं ने नगर परिषद से कमल के फूल का डिजाइन सार्वजनिक करने की मांग की क्योंकि राष्ट्रीय फूल का डिजाइन अलग है एवं भाजपा के चुनाव चिन्ह का डिजाइन अलग है परंतु आज तक नगर परिषद द्वारा वह डिजाइन सार्वजनिक नहीं की गई है जो प्रशासन पर सत्ताधारी नेताओं के दबाव को स्पष्ट इंगित करता है। पूरा शहर कचरे के ढेर में तब्दील होता जा रहा है क्योंकि क्षेत्र में घर-घर कचरा संग्रहण की प्रक्रिया बिल्कुल शिथिल पड़ी है कई मोहल्ले तो ऐसे हैं जहां 8-10 दिनों तक कचरा संग्रहण वाली गाड़ी पहुंचती ही नहीं है परंतु नगर परिषद का कचरा संग्रहण, निस्तारण एवं सफाई व्यवस्था को लेकर कोई सकारात्मक प्रयास नजर नहीं आ रहा है। कांग्रेस सरकार में स्वच्छता सर्वेक्षण में निम्बाहेड़ा नगर संपूर्ण राजस्थान में नगर पालिका स्तर पर द्वितीय स्थान पर था, परंतु आज अगर नगर की सफाई व्यवस्था की स्थिति देखी जाए तो वह राजस्थान में 309 नगर निकायों में लगभग सबसे पिछले स्तर पर है। पूर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष परवेज अहमद शिब्बी ने कहा कि यदि प्रशासन द्वारा भाजपा नेताओं के दबाव में जाकर किए जा रहे अनैतिक कार्यों को बंद नहीं किया गया तो कांग्रेस क्षेत्र की आम जनता का सहयोग लेते हुए एक बड़ा जन आंदोलन करेगी जिसमें सत्ताधारी नेताओं के साथ-साथ प्रशासनिक अधिकारियों के विरुद्ध भी विरोध प्रदर्शन किया जाएगा एवं पिछले दो सालों में नगर परिषद के माध्यम से हुए भ्रष्टाचार की जांच करवा कर सभी दोषी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध कानूनी एवं प्रशासनिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी जिसका प्रभाव भ्रष्टाचार करने वाले राजनेताओं पर ना सही परंतु उन अधिकारियों-कर्मचारियों की सर्विस बुक पर अवश्य पड़ेगा जो सत्ताधारी राजनेताओं के दबाव में आकर अनैतिक कार्य करने में लगे हुए हैं। जिला कांग्रेस महासचिव मनोज पारख, नुसरत खान, बाड़ी मंडल अध्यक्ष जीवन आंजना, किसान कांग्रेस अध्यक्ष अंकित जाट, सेवादल संयोजक दिनेश गुप्ता, एससी प्रकोष्ठ अध्यक्ष ललित पहाड़िया, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ अध्यक्ष मोहम्मद कुरैशी, आदिवासी कांग्रेस अध्यक्ष राजू भील, ओबीसी प्रकोष्ठ अध्यक्ष मुकेश माली, कच्ची बस्ती प्रकोष्ठ अध्यक्ष अहमद हुसैन, महिला कांग्रेस अध्यक्ष सुनीता पारख, राजीव गांधी पंचायती राज संगठन अध्यक्ष रोमी पोरवाल, नगर निकाय प्रकोष्ठ अध्यक्ष राजेश सांड, विधि प्रकोष्ठ अध्यक्ष नदीम खान, युवा कांग्रेस अध्यक्ष रोमिल चौधरी, एनएसयूआई नगर अध्यक्ष राहुल सेन सहित समस्त कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा नेताओं एवं अधिकारियों द्वारा संगठित रूप से नगर परिषद के माध्यम से किए जा रहे भ्रष्टाचार, जनता के द्वारा दिए गए टैक्स एवं नगर परिषद के राजस्व का दुरुपयोग करने की भर्त्सना की है। साथ ही प्रशासनिक अधिकारियों को भी चेतावनी दी है कि वह सत्ताधारी नेताओं के दबाव में आकर कार्य करना बंद करें अन्यथा प्रदेश में सत्ता परिवर्तन के पश्चात इसके दुष्परिणाम अवश्य सामने आएंगे जिसका भुगतान इस भ्रष्टाचार में लिप्त सभी नेताओं एवं अधिकारियों को करना पड़ेगा।

कलेक्टर टीना डाबी के आदेश के बाद कायमनगर-बंशीपुरा मार्ग हुआ सुचारू

स्मार्ट हलचल

निवाई(नरेश कुरेडा)। जिला कलेक्टर टीना डाबी के आदेश के बाद कायमनगर से बंशीपुरा जाने वाला रास्ता अब पूरी तरह से क्लियर कर सुचारू कर दिया गया है। रास्ता बाधित होने से ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। मामले की जानकारी मिलने के बाद प्रशासन ने तत्परता दिखाते हुए मौके पर कार्रवाई की। एसडीएम निवाई, डीवाईएसपी, तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार मौके पर पहुंचे और संबंधित अधिकारियों की मौजूदगी में सम्पूर्ण रास्ते को क्लियर करवाया गया। रास्ता साफ होने के बाद अब ग्रामीणों और आमजन का आवागमन सुचारू रूप से शुरू हो गया है। प्रशासन की त्वरित कार्रवाई से क्षेत्रवासियों ने राहत की सांस ली और जिला प्रशासन का आभार जताया।

ठेकेदारों का भुगतान अटका तो JJM की रफ्तार थमी, बजट होने के बावजूद आवंटन नहीं; 11 अगस्त को CMR में होगा हिसाब

2024 से पहले के कामों की करोड़ों की देनदारी लंबित, 15 जुलाई तक 2 हजार करोड़ भुगतान का भरोसा भी अधूरा; 28 जुलाई के निर्देशों के बाद भी पुराने और पूर्णता के करीब कामों को नहीं मिली अपेक्षित गति...

स्मार्ट हलचल

राकेश मीणा वरिष्ठ पत्रकार जयपुर। सरकार का लक्ष्य है कि राजस्थान के हर घर तक नल पहुंचे, गांवों में पानी की समस्या दूर हो और जल जीवन मिशन (JJM) के जरिए वर्षों से अधूरी पेयजल परियोजनाएं पूरी हों। लेकिन जमीनी तस्वीर इस लक्ष्य के ठीक उलट सवाल खड़े कर रही है। ठेकेदारों के पुराने भुगतान अटके हैं, कई परियोजनाएं बंद या धीमी गति से चल रही हैं और उपलब्ध बजट के आवंटन को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। भुगतान संकट अब इतना गहरा गया है कि ठेकेदार दोबारा आंदोलन की तैयारी में हैं। इसी बीच मुख्यमंत्री कार्यालय ने मामले को गंभीरता से लेते हुए 11 अगस्त को CMR में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक बुलाई है। बैठक का पहला एजेंडा ही भुगतान में देरी से बंद, लंबित और धीमी गति से चल रही परियोजनाओं की समीक्षा है। यानी अब सवाल केवल ठेकेदारों की जेब का नहीं है। सवाल उन गांवों का है, जहां पाइपलाइन तो पहुंची, लेकिन पानी नहीं पहुंचा; जहां टंकी बनी, लेकिन जलापूर्ति शुरू नहीं हुई; जहां काम पूर्णता के करीब है, लेकिन भुगतान के इंतजार में गति थम गई।

बजट आया, लेकिन मेजर प्रोजेक्ट को आवंटन कहां?

सबसे गंभीर सवाल बजट आवंटन को

लेकर है। जानकारी के अनुसार पिछले माह वित्त विभाग से JJM के लिए करीब 1,000 करोड़ रुपए जारी किए गए। लेकिन इसमें से लगभग 250 करोड़ रुपए ही OTMP कार्यों के लिए आवंटित किए जाने की जानकारी सामने आई है। राजस्थान में JJM की बड़ी पेयजल परियोजनाएं मेजर प्रोजेक्ट्स के माध्यम से संचालित हो रही हैं। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि जब बजट उपलब्ध है तो मेजर प्रोजेक्ट्स के लिए उसका अपेक्षित आवंटन क्यों नहीं हुआ? बजट की फाइलें चलती रहें और जमीन पर पाइपलाइन, टंकियां और जलापूर्ति योजनाएं धीमी पड़ जाएं तो इसका खामियाजा आखिरकार आम ग्रामीण को ही भुगतना पड़ेगा।

मुख्य सचिव के निर्देश... फिर भी जमीन पर बदलाव क्यों नहीं?

28 जुलाई को मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि उपलब्ध बजट को प्राथमिकता से पुराने और पूर्णता के करीब कार्यों पर लगाया जाए। उद्देश्य भी साफ था–जो योजनाएं वर्षों से अधूरी हैं, उन्हें पहले पूरा किया जाए ताकि सरकारी पैसा अधर में न रहे और जनता को जल्द पेयजल सुविधा मिल सके।

साथ ही हर घर नल कनेक्शन यानी FHTC लक्ष्य को गति देने के निर्देश दिए गए। लेकिन सवाल यह है कि निर्देशों के बावजूद स्थिति में अपेक्षित बदलाव क्यों नहीं आया? यदि बजट उपलब्ध है और पुराने कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश भी हैं, तो फिर भुगतान और आवंटन की समस्या आखिर कहां अटक रही है?

15 जुलाई तक 2 हजार करोड़ भुगतान का भरोसा, तारीख निकल गई

ठेकेदारों की परेशानी का सबसे बड़ा कारण पुराने कार्यों का भुगतान है। ठेकेदारों के अनुसार सरकार के साथ बातचीत में 15 जुलाई तक करीब 2 हजार करोड़ रुपए का भुगतान करने का भरोसा दिया गया था।

15 जुलाई गुजर गई, लेकिन भुगतान को लेकर ठेकेदारों की परेशानी खत्म नहीं हुई।

ठेकेदारों ने अपने संसाधन लगाकर काम किए। सामग्री उधार ली, मजदूरों और उपठेकेदारों को भुगतान किया, मशीनरी लगाई। अब लंबे समय से सरकारी भुगतान अटकने से उनकी देनदारियां बढ़ती जा रही हैं। ठेकेदारों का सवाल सीधा है–जब काम सरकार के आदेश पर हुआ और काम पूरा भी किया, तो भुगतान के लिए उन्हें बार-बार आंदोलन क्यों करना पड़ रहा है?

दस दिन जल भवन पर धरना दे चुके ठेकेदार

लंबित भुगतान और आठ सूत्रीय मांगों को लेकर PHED ठेकेदार जयपुर स्थित जल भवन में करीब दस दिन तक धरने पर बैठे थे। PHED मंत्री कन्हैया लाल चौधरी के हस्तक्षेप और आश्वासन के बाद आंदोलन स्थगित किया गया।

लेकिन भुगतान की समस्या पूरी तरह दूर नहीं होने से अब ठेकेदारों में फिर आक्रोश बढ़ रहा है। उनका कहना है कि यदि पुराने भुगतान नहीं हुए तो आंदोलन दोबारा शुरू किया जा सकता है।

भुगतान अटका तो काम कैसे दौड़ेगा?

JJM में ठेकेदार केवल निर्माण एजेंसी नहीं हैं। वे अपनी पूंजी लगाकर परियोजनाओं को जमीन पर उतारते हैं। पाइप, पंप, टंकी, मशीनरी, मजदूर–हर स्तर पर भुगतान की जरूरत होती है।

जब पिछले कार्यों की राशि ही नहीं मिलेगी तो ठेकेदार नए काम में पूंजी कैसे लगाएगा?

यही कारण है कि भुगतान संकट अब सीधे परियोजनाओं की गति से जुड़ गया है।

एक तरफ सरकार 'हर घर जल' की बात कर रही है, दूसरी तरफ भुगतान के अभाव में उन्हीं कार्यों को गति देने वाले ठेकेदार आर्थिक संकट में हैं। यह विरोधाभास अब सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती बनता जा रहा है।

मुख्यमंत्री-पीएचईडी मंत्री के प्रयासों के बाद विभागीय स्तर पर अड़चन?

JJM को गति देने और केंद्र से बजट उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और PHED मंत्री कन्हैया लाल चौधरी द्वारा केंद्र स्तर पर प्रयास किए जाने की बात सामने आई है। यदि केंद्र और राज्य स्तर से राशि उपलब्ध कराने की कोशिशों के बाद भी विभागीय स्तर पर उसका समय पर आवंटन नहीं होता है, तो सवाल व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर उठना स्वाभाविक है।

पैसा उपलब्ध है तो फाइल क्यों रुकी है? फाइल चली है तो आवंटन क्यों नहीं हुआ? आवंटन हुआ है तो पुराने बिलों का भुगतान क्यों नहीं हुआ?

इन सवालों का जवाब अब 11 अगस्त की बैठक में तलाशा जाएगा।

CMR की बैठक में तीन विभागों की जवाबदेही

मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से 7 अगस्त को जारी पत्र के अनुसार बैठक में वित्त विभाग, PHED और जल संसाधन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे।

वित्त विभाग की विशिष्ट शासन सचिव शिवांगी स्वर्णकार, PHED के संयुक्त सचिव अरविन्द सारस्वत, जल संसाधन विभाग की संयुक्त सचिव अमृता चौधरी, मुख्य अभियंता राज सिंह चौधरी, देव राज सोलंकी, मुख्य अभियंता JJM भवानी सिंह शेखावत सहित अन्य अधिकारी बैठक में मौजूद रहेंगे।

जल संसाधन विभाग के मुख्य अभियंता भुवन भास्कर और अमरजीत सिंह तथा PHED के वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी ललित कुमार मोरोडिया भी बैठक में शामिल होंगे।

बीसलपुर-मोर सागर फीडर पर भी होगी चर्चा

बैठक में बीसलपुर से मोर सागर कृत्रिम जलाशय तक फीडर निर्माण कार्य भी एजेंडे में है। राजस्थान वॉटर ग्रिड कॉरपोरेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक रवि सोलंकी सहित संबंधित अधिकारियों को बैठक में बुलाया गया है। इससे साफ है कि सरकार अब केवल भुगतान की शिकायत नहीं, बल्कि भुगतान से प्रभावित पूरी परियोजना व्यवस्था की समीक्षा करने जा रही है।

अब ठेकेदारों की नजर फैसले पर

11 अगस्त की बैठक ठेकेदारों के लिए इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि वे लंबे समय से भुगतान की मांग कर रहे हैं। उन्हें उम्मीद है कि बैठक में केवल समीक्षा नहीं, बल्कि पुराने भुगतान की स्पष्ट समय-सीमा, उपलब्ध बजट के तत्काल आवंटन और अधूरे कार्यों को प्राथमिकता से पूरा कराने का निर्णय होगा।

क्योंकि बात केवल ठेकेदारों की आर्थिक परेशानी की नहीं है।

जिस ठेकेदार का भुगतान अटका है, उसकी मशीन रुकती है। मशीन रुकती है तो काम रुकता है। काम रुकता है तो गांव में पाइपलाइन नहीं बिछती। पाइपलाइन नहीं बिछती तो 'हर घर जल' का सपना अधूरा रह जाता है।

अब 11 अगस्त को CMR में होने वाली बैठक में यही तय होना है कि JJM की फाइलें तेज चलेंगी या फिर ठेकेदारों के भुगतान और बजट आवंटन का संकट राजस्थान के 'हर घर जल' अभियान की रफ्तार को और धीमा करेगा।

---

12 वर्ष पुराने चेक अनादरण प्रकरण में अध्यक्ष व सचिव दोषमुक्त

स्मार्ट हलचल

गुरलाः-(बद्री लाल माली) भीलवाड़ा। विशिष्ट न्यायिक मजिस्ट्रेट (एन.आई. एक्ट प्रकरण) संख्या-04, भीलवाड़ा ने लगभग 12 वर्ष पुराने चेक अनादरण (धारा 138, परक्राम्य लिखत अधिनियम) के एक प्रकरण में महत्वपूर्ण निर्णय सुनाते हुए लक्ष्मी क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड के तत्कालीन अध्यक्ष बृजेश सिंह तोमर तथा तत्कालीन सचिव गोटू सिंह कानावत को दोषमुक्त कर दिया। न्यायालय ने यह निर्णय 6 अगस्त 2026 को पारित किया। प्रकरण वर्ष 2013 में ?9 लाख के चेक के अनादरण को लेकर दर्ज कराया गया था। सुनवाई के दौरान परिवादी एवं अभियुक्त पक्ष की ओर से मौखिक एवं दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत किए गए। दोनों पक्षों ने विभिन्न न्यायिक दृष्टांतों एवं विधिक प्रावधानों के आधार पर अपने-अपने तर्क न्यायालय के समक्ष रखे। न्यायालय ने उपलब्ध साक्ष्यों, दस्तावेजों तथा दोनों पक्षों की दलीलों का परीक्षण करने के बाद पाया कि परिवादी आरोपों को विधि के अनुरूप सिद्ध नहीं कर सका। इसके आधार पर न्यायालय ने दोनों अभियुक्तों को दोषमुक्त करते हुए प्रकरण का निस्तारण कर दिया। अभियुक्त पक्ष की ओर से अधिवक्ता गोपाल सोनी, शरद शुक्ला एवं श्रीमती कृष्णा स्वर्णकार ने पैरवी की। अधिवक्ताओं ने निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि न्यायालय ने उपलब्ध साक्ष्यों एवं विधिक सिद्धांतों के आधार पर निष्पक्ष निर्णय पारित किया है। विधि विशेषज्ञों के अनुसार यह निर्णय एन.आई. एक्ट के मामलों में साक्ष्यों के मूल्यांकन तथा अभियोजन पर आरोप सिद्ध करने के दायित्व के संबंध में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

खेल मैदान से नई पीढ़ी तक, शारीरिक शिक्षकों ने लिया स्वस्थ और संस्कारित समाज का संकल्प

शाहपुरा ब्लॉक की शारीरिक शिक्षक वाकपीठ का समापन, सेवानिवृत्त शिक्षकों का सम्मान; नई कार्यकारिणी में कैलाश खटीक फिर अध्यक्ष

स्मार्ट हलचल

मूलचन्द पेसवानी शाहपुरा। खेल केवल शरीर को स्वस्थ रखने का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन, नेतृत्व, टीम भावना और संघर्ष की सीख देने वाली जीवनशाला भी है। इसी भावना को केंद्र में रखते हुए शाहपुरा ब्लॉक के प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों के शारीरिक शिक्षकों की सत्र 2026-27 की वाकपीठ/संगोष्ठी का समापन राठौड़ फार्म हाउस में हुआ। समापन समारोह में शारीरिक शिक्षा के क्षेत्र में लंबे समय तक सेवाएं देने वाले सेवानिवृत्त शारीरिक शिक्षकों का सम्मान कर उनके योगदान को याद किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सत्यनारायण कुमावत मौजूद रहे। समारोह की अध्यक्षता क्रीड़ा भारती के प्रांत सह सचिव महावीर आर्य ने की। विशिष्ट अतिथियों के रूप में क्रीड़ा भारती के जिला अध्यक्ष मायाकांत शर्मा, अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के जिला अध्यक्ष संजीव शर्मा, जिला मंत्री अमर सिंह चौहान, शारीरिक शिक्षक जिला प्रतिनिधि विश्वजीत सिंह, वाकपीठ अध्यक्ष कैलाश खटीक, विभागीय प्रतिनिधि हेमराज खटीक सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

सेवानिवृत्त शिक्षकों का सम्मान, सेवाओं को किया नमन

समारोह के दौरान सेवानिवृत्त शारीरिक

शिक्षकों का सम्मान किया गया। वक्ताओं ने कहा कि विद्यालयों में शारीरिक शिक्षा का दायरा केवल खेलकूद तक सीमित नहीं है। शारीरिक शिक्षक विद्यार्थियों में अनुशासन, नियमितता, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और स्वस्थ जीवनशैली विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि बदलती जीवनशैली और बढ़ते डिजिटल प्रभाव के दौर में बच्चों को खेल मैदान से जोड़ना पहले से कहीं अधिक जरूरी हो गया है। विद्यालयों में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देकर विद्यार्थियों के शारीरिक एवं मानसिक विकास को मजबूत किया जा सकता है।

सर्वसम्मति से कैलाश खटीक अध्यक्ष, राजेंद्र काबरा को सचिव की जिम्मेदारी

वाकपीठ के दौरान आगामी कार्यकाल के लिए नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। उपस्थित शारीरिक शिक्षकों ने कैलाश चंद्र खटीक को सर्वसम्मति से निर्विरोध अध्यक्ष चुना। वहीं राजेंद्र काबरा को सचिव तथा पुष्कर राज तेली को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया। कार्यकारिणी सदस्यों के रूप में विजय गुर्जर, विवेक जोशी, संजय आचार्य, अशोक खटीक, सुनील कुमार खटीक, राकेश जोशी, भगवती लाल शर्मा, तेज सिंह चौहान, बृजराज कुमार शर्मा एवं दिनेश कुमार टेलर को जिम्मेदारी दी गई। नवनियुक्त कार्यकारिणी के गठन के बाद पदाधिकारियों ने संगठन को मजबूत करने, शारीरिक शिक्षा एवं खेल गतिविधियों को विद्यालय स्तर पर अधिक प्रभावी बनाने तथा विद्यार्थियों को नियमित रूप से खेलों से जोड़ने का संकल्प लिया।

भामाशाह शंकर सिंह राठौड़ का किया स्वागत

कार्यक्रम के दौरान नवनियुक्त कार्यकारिणी की ओर से भामाशाह एवं शारीरिक शिक्षक शंकर सिंह राठौड़ का स्वागत किया गया। उपस्थित शिक्षकों ने शिक्षा एवं खेल गतिविधियों के लिए सहयोग करने वाले भामाशाहों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। समारोह में अतिथियों ने कहा कि सरकारी प्रयासों के साथ समाज और भामाशाहों का सहयोग मिलने पर विद्यालयों में खेल सुविधाओं का विस्तार किया जा सकता है। इससे ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का बेहतर अवसर मिलेगा।

संगठन की एकजुटता से मजबूत होगी शारीरिक शिक्षा

कार्यक्रम में वक्ताओं ने शारीरिक शिक्षकों से आह्वान किया कि वे विद्यार्थियों में खेल के प्रति रुचि पैदा करने के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर छिपी खेल प्रतिभाओं को पहचानकर उन्हें आगे बढ़ाने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अंचल में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, जरूरत उन्हें सही मंच और मार्गदर्शन देने की है। कार्यक्रम का संचालन मायाकांत आचार्य ने किया। आयोजन विद्यालय के संस्था प्रधान कुलदीप सुवालका ने सभी शारीरिक शिक्षक बंधुओं एवं अतिथियों का आभार व्यक्त किया। शारीरिक शिक्षक देवेंद्र सिंह सहित विद्यालय स्टाफ एवं शिक्षक मौजूद रहे। समापन समारोह ने एक संदेश स्पष्ट रूप से दिया कि स्वस्थ विद्यार्थी ही मजबूत समाज की नींव रखता है और इस नींव को मजबूत करने में शारीरिक शिक्षक की भूमिका किसी भी कक्षा के शिक्षक से कम नहीं है।

बालिका विद्यालय सोनियाना में प्रधानाध्यापक कार्यशाला आयोजित

स्कूल कल्चर, वार्षिक अकादमिक कार्ययोजना और FLN पर हुआ मंथन; शिक्षाविदों को वितरित किए फलदार पौधे

स्मार्ट हलचल

सोनियाना। समग्र शिक्षा ब्लॉक गंगरार एवं अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय सोनियाना में उच्च प्राथमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों के लिए दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में स्कूल कल्चर एवं प्रोसेस तथा वर्षभर किए जाने वाले अकादमिक कार्यों की वार्षिक कार्ययोजना को लेकर चर्चा की गई। कार्यशाला में FLN (Foundational Literacy and Numeracy) सहित विद्यालय के समग्र विकास के विभिन्न आयामों पर चर्चा करते हुए वार्षिक अकादमिक एवं शैक्षणिक योजना के निर्माण और उसके प्रभावी क्रियान्वयन पर विचार-विमर्श किया गया। कार्यशाला में संदर्भ व्यक्ति आरपी रतनलाल जांगिड़ तथा अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के इमरान, विनय कुमार एवं फिजा खान ने शिक्षण को अधिक रोचक एवं प्रभावी बनाने के विभिन्न तरीकों की जानकारी दी। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। वृक्ष मित्र शिवराज वैष्णव, पर्यावरण प्रेमी एवं समाजसेवी वृक्ष मित्र अर्जुन वैष्णव, सुमित वैष्णव तथा धर्मचंद आचार्य ने शिक्षाविदों को फलदार पौधे वितरित किए। उन्होंने अधिक से अधिक पौधे लगाने और पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यशाला में उपस्थित शिक्षाविदों ने विद्यालयों में बेहतर शैक्षणिक वातावरण विकसित करने, वार्षिक योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए किए जाने वाले प्रयासों पर चर्चा की।

सवाई माधोपुर पुलिस का अनूठा ड्रग वॉरियर अभियान : नफरत से नहीं, प्रेम और अपनत्व से सवाई माधोपुर को नशामुक्त बनाने की सामाजिक क्रांति

पहले परिवार, फिर मोहल्ला और फिर गांव को नशामुक्त बनाने का संकल्प- 07 अगस्त से 07 सितम्बर तक चलेगा पहला चरण

स्मार्ट हलचल

जयपुर। नशा केवल एक व्यक्ति को अपनी गिरफ्त में नहीं लेता, बल्कि धीरे-धीरे पूरे परिवार की खुशियां और सामाजिक ताना-बाना प्रभावित करता है। इसी सोच के साथ सवाई माधोपुर पुलिस ने नशे के खिलाफ एक अनूठी पहल 'ड्रग वॉरियर' अभियान शुरू किया है। अभियान का मूल मंत्र है, 'नफरत से नहीं, प्रेम और अपनेपन से नशे के खिलाफ लड़ाई। महानिदेशक पुलिस श्री राजीव कुमार शर्मा की नशामुक्त राजस्थान की व्यापक मुहिम से जुड़े इस अभियान को आईजी प्रीति चंद्रा के निर्देशन में तथा पुलिस अधीक्षक ज्येष्ठा मैत्रेयी के नेतृत्व में सवाई माधोपुर जिले में शुरू किया गया है।

नशे के खिलाफ लड़ाई में पुलिस के साथ समाज

ड्रग वॉरियर अभियान की खासियत यह है कि इसमें नशे के खिलाफ लड़ाई को केवल पुलिस की जिम्मेदारी नहीं माना गया है। अभियान में महिला, पुरुष, युवा, परिवार, डॉक्टर, शिक्षक और हर उस

व्यक्ति को ड्रग वॉरियर बनने का आह्वान किया गया है, जो अपने परिवार और समाज को नशे से मुक्त देखना चाहता है। सवाई माधोपुर एसपी ज्येष्ठा मैत्रेयी ने बताया कि अभियान का संदेश है 'पहले अपना परिवार, फिर मोहल्ला और फिर गांव।' इसी क्रम में प्रत्येक नागरिक अपने आसपास नशे के कारोबार और नशे से पीड़ित लोगों की पहचान कर पुलिस तक सूचना पहुंचा सकता है।

नशे से पीड़ित व्यक्ति को अपराधी नहीं, अपनेपन की जरूरत

अभियान का सबसे मानवीय पक्ष नशे से पीड़ित लोगों के प्रति अपनाए गए दृष्टिकोण में दिखाई देता है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि नशे की गिरफ्त में आए व्यक्ति से नफरत करने के बजाय उसके जीवन और उसकी समस्या को समझें तथा उसे परिवार और समाज का सहयोग दें। नशामुक्ति की इस सोच में परिवार की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण मानी गई है। परिवार यदि समय रहते अपने सदस्य की समस्या को पहचानकर सहायता और उपचार की दिशा में कदम उठाए, तो नशे की गिरफ्त से बाहर निकलने की राह आसान हो सकती है।

महिलाएं और युवा बनेंगे बदलाव के प्रहरी

अभियान में महिलाओं और युवाओं की भूमिका को विशेष महत्व दिया गया है। मां, पत्नी, बहन या बेटी नशे से प्रभावित परिवार की स्थिति को सबसे करीब से महसूस करती हैं। इसी तरह युवा अपने परिवार और आसपास के वातावरण में बदलाव के प्रभावी वाहक बन सकते हैं। नशे की समस्या से जूझ रहे परिवारों को आगे आने और पुलिस से संपर्क करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है, ताकि जरूरतमंद परिवारों को उचित सहायता उपलब्ध कराने की दिशा में काम किया जा सके।

स्कूल-कॉलेज भी बनेंगे नशामुक्त क्षेत्र

अभियान में शिक्षकों और प्रधानाचार्यों से भी सक्रिय भागीदारी की अपील की गई है। उनसे अपने विद्यालय और महाविद्यालय परिसर को नशामुक्त रखने तथा नशे से प्रभावित विद्यार्थियों और परिवारों को आवश्यक सहायता के लिए पुलिस तक पहुंचाने का आह्वान किया गया है। डॉक्टरों को भी अभियान का महत्वपूर्ण भागीदार बनाया गया है, ताकि नशामुक्ति के प्रयासों में पुलिस और चिकित्सा क्षेत्र मिलकर प्रभावी भूमिका निभा सकें।

गुप्त सूचना से लेकर बीट स्तर तक निगरानी

एसपी मैत्रेयी ने बताया द्वाद्ध अभियान के तहत नागरिक नशा तस्करी में शामिल लोगों और नशे के ठिकानों की गुप्त सूचना पुलिस को दे सकते हैं। पुलिस ने सूचना देने वालों की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखने का भरोसा दिलाया है। नागरिक 5, 10, 15, 20 अथवा 25 लोगों की टोली बनाकर एसपी, एएसपी, डीएसपी, थानाधिकारी अथवा अपने बीट कांस्टेबल से सीधे संपर्क कर अभियान से जुड़ सकते हैं। गुप्त सूचना के लिए सवाई माधोपुर पुलिस ने व्हाट्सऐप नंबर 9352376939 तथा कालिका यूनिट व्हाट्सऐप नंबर 9667973009 जारी किया है। इसके अलावा सवाई माधोपुर पुलिस के सोशल मीडिया माध्यमों से भी जुड़ने की अपील की गई है।

नशामुक्त बीट बनेगी अभियान की पहचान

अभियान का एक अभिनव पहलू नशामुक्त बीट की अवधारणा है। जब किसी क्षेत्र के ड्रग वॉरियर यह सूचना देंगे कि उनके इलाके में नशे की बिक्री नहीं हो रही है, तो बीट कांस्टेबल और पुलिस की विशेष टीम द्वारा इसका सत्यापन किया जाएगा। सत्यापन के बाद संबंधित क्षेत्र को नशामुक्त बीट का प्रमाण-पत्र दिए जाने की व्यवस्था की गई है। पहली नशामुक्त बीट को विशेष सम्मान दिया जाएगा। सर्वाधिक नशामुक्त बीट तैयार करने वाले थानाधिकारी को भी विशेष सम्मान मिलेगा। साथ ही संबंधित ड्रग वॉरियर परिवार और बीट कांस्टेबल को पुलिस अधीक्षक की ओर से प्रमाण-पत्र एवं सम्मान प्रदान किया जाएगा।

7 अगस्त से 7 सितंबर तक पहला चरण

ड्रग वॉरियर अभियान का प्रथम चरण 7 अगस्त से 7 सितंबर 2026 तक निर्धारित किया गया है। इस चरण में लक्ष्य नशे के खिलाफ जागरूकता को बीट स्तर तक पहुंचाना और आमजन को अभियान का सक्रिय भागीदार बनाना है।

एक व्यक्ति से शुरू होगी बड़ी क्रांति

नशे के खिलाफ इस अभियान का संदेश स्पष्ट है 'बदलाव बाहर से नहीं, अपने घर से शुरू होगा।' यदि एक परिवार अपने सदस्य को नशे से बाहर निकालने का संकल्प लेता है, तो वह परिवार एक ड्रग वॉरियर बनता है। ऐसे परिवार मिलकर मोहल्ले को और मोहल्ले मिलकर गांव को नशामुक्त बनाने की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं।

खिलाड़ी अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन करे, खेलो में धन एवं साधनो की कभी कोई कमी नही आने दी जाएगी : विधायक आक्या

स्मार्ट हलचल

ओम जैन शंभूपुरा। शंभूपुरा। जीवन में खेल एक ऐसी धूरी है जो बालको को संस्कारवान एवं प्रबल राष्ट्रभक्त बनाने का कार्य करती है। यह विचार विधायक चंद्रभान सिह आक्या ने जिला स्तरीय जूनियर ओपन कबड्डी प्रतियोगिता के शुभारम्भ अवसर पर उपस्थित खिलाड़ियो, आयोजको व बड़ी संख्या में उपस्थित खेल प्रेमियो को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित कर रहे थे। उन्होने आश्वासन दिया की खिलाड़ी अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन करे, खेलो में धन एवं साधनो की कमी नही आने दी जाएगी। उन्होने प्रतिवर्ष प्रतियोगिता आयोजन की घोषणा की। उद्घाटन समारोह में विशिष्ट अतिथि अनिल ईनाणी व एडवोकेट ओमप्रकाश शर्मा थे। जिला कबड्डी संघ के सचिव गुलजार ने बताया कि प्रतियोगिता में चयनित टीम 19 अगस्त से 22 अगस्त तक बीकानेर में आयोजित राज्य स्तरीय जूनियर बालक व बालिका प्रतियोगिता में भाग लेगी। कार्यक्रम का संचालन सूर्य प्रकाश गर्ग ने किया।

कांग्रेस अध्यक्ष अजय शर्मा ने कैबिनेट मंत्री और विधायक को दी सार्वजनिक बहस की खुली चुनौती

'गड्ढों में तब्दील सड़कें और खाली पड़ा अस्पताल बता रहा विकास का सच, प्रेस वार्ता से नहीं जमीनी काम से तय होगा रिपोर्ट कार्ड' - अजय शर्मा

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार ब्यावर। कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत और क्षेत्रीय विधायक शंकर सिंह रावत द्वारा भाजपा सरकार के तीन वर्षों के कार्यकाल की उपलब्धियां गिनाए जाने के बाद शहर में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई हैं। भाजपा नेताओं के दावों पर कड़ा रुख अपनाते हुए ब्लॉक कांग्रेस कमेटी, ब्यावर के अध्यक्ष एडवोकेट अजय शर्मा ने तीखा पलटवार किया है। शर्मा ने शहर की बदहाल सड़कों, पेयजल संकट और राजकीय अमृतकौर चिकित्सालय की दुर्दशा को लेकर सरकार को घेरते हुए मंत्री और विधायक को सार्वजनिक बहस की खुली चुनौती दी है।

एसी कमरों में नहीं, सड़कों पर दिखे विकास

कांग्रेस अध्यक्ष अजय शर्मा ने कहा कि विकास केवल आंकड़ों और प्रेस कॉन्फ्रेंस के भाषणों तक सीमित रह गया है। हकीकत यह है कि जिला मुख्यालय की सड़कें गड्ढों में तब्दील हो चुकी हैं और आमजन धूल-मिट्टी तथा दुर्घटनाओं से परेशान है। उन्होंने कहा, 'मंत्री और स्थानीय विधायक एक दिन गाड़ियों का काफिला छोड़कर आम जनता के साथ शहर की सड़कों पर पैदल निकलें, तो उन्हें एसी कमरों के दावों और धरातल की कड़वी सच्चाई का अंतर अपने आप समझ आ जाएगा।

अमृतकौर अस्पताल में डॉक्टरों का टोटा

शर्मा ने जिला अस्पताल अमृतकौर की स्थिति पर गहरा रोष व्यक्त करते हुए कहा कि प्रेस वार्ता स्थल से महज 500 मीटर की दूरी पर स्थित यह अस्पताल खुद बीमार है। अस्पताल में एनेस्थेटिस्ट (निश्चेतक) और विशेषज्ञ डॉक्टरों के महत्वपूर्ण पद लंबे समय से खाली पड़े हैं, जिससे दूर-दराज से आने वाले मरीजों को गंभीर परेशानी उठानी पड़ रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि सत्ता में जिले का कैबिनेट मंत्री और विधायक होने के बावजूद आखिर जनता को बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाएं क्यों नहीं मिल पा रही हैं?

कांग्रेस की विरासत संभालने में भी नाकाम रही भाजपा

अजय शर्मा ने याद दिलाया कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने ब्यावर की वर्षों पुरानी मांग को पूरा करते हुए इसे जिला बनाया था और स्वास्थ्य व बुनियादी ढांचे को मजबूती दी थी। भाजपा सरकार नई कोई बड़ी परियोजना लाना तो दूर, कांग्रेस शासन में हुए विकास कार्यों की देखरेख करने में भी पूरी तरह नाकाम साबित हुई है।

सार्वजनिक बहस की चुनौती

भाजपा सरकार के तीन साल के रिपोर्ट कार्ड को खारिज करते हुए अजय शर्मा ने मंत्री अविनाश गहलोत और विधायक शंकर सिंह रावत को सार्वजनिक मंच पर बहस करने का न्योता दिया। उन्होंने कहा, 'मैं कांग्रेस और भाजपा दोनों के कार्यकालों के तथ्यों, आंकड़ों और दस्तावेजों के आधार पर खुली बहस के लिए पूरी तरह तैयार हूं। समय और स्थान मंत्री व विधायक तय कर लें। प्रेस कॉन्फ्रेंस से नहीं, बल्कि ब्यावर की जनता तय करेगी कि किसने काम किया और किसने केवल दावे किए।'

दिलावर का कांग्रेस पर हमला

बोले- कांग्रेस विलायती बबूल, जिससे केवल नुकसान ही नुकसान; भाजपा विकास की नई इबारत लिख रही

पीपलून्द में शिक्षा मंत्री ने किया पौधारोपण, पशु आश्रय स्थल का लोकार्पण और प्रतिभाओं का सम्मान

स्मार्ट हलचल

अलकेशपारीक जहाजपुर। उपखंड क्षेत्र के पीपलून्द में शनिवार को शिक्षा एवं पंचायतराज मंत्री मदन दिलावर पहुंचे। उन्होंने यहां पौधारोपण करने के साथ प्रतिभाओं का सम्मान किया तथा विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शुभारंभ किया। कार्यक्रम में सांसद दामोदर अग्रवाल और विधायक गोपीचंद मीणा भी मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री मदन दिलावर ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि 'कांग्रेस एक विलायती बबूल है, जिससे केवल नुकसान ही नुकसान होता है।' उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने पूरे प्रदेश में जगह-जगह दुश्मन खड़े करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि देश और प्रदेश में भाजपा की सरकार विकास को नई गति दे रही है और जहाजपुर क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं है। विधायक गोपीचंद मीणा के माध्यम से क्षेत्र में रिकॉर्ड विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। दिलावर ने पर्यावरण संरक्षण पर जोर देते हुए लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छ वातावरण और शुद्ध ऑक्सीजन के लिए पेड़ लगाना जरूरी है।

चारागाह से लेकर गौसंरक्षण तक कई कार्यक्रम

कार्यक्रम के दौरान ग्राम पंचायत पीपलून्द द्वारा निर्मित सार्वजनिक पशु आश्रय स्थल का लोकार्पण किया गया। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 2.0 के तहत विकसित वनदेव चारागाह का लोकार्पण तथा संत रविदास चारागाह विकास कार्य का शुभारंभ भी किया गया। वहीं 'हरियालो राजस्थान' अभियान के तहत ग्राम पंचायत एवं जलग्रहण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में मियावाकी पद्धति से सघन पौधारोपण अभियान की शुरुआत की गई।

विश्व आदिवासी दिवस पर बनेड़ा में होगा भव्य आयोजन रायला से निकलेगी विशाल वाहन रैली

रायला से बनेड़ा तक गूंजेगा आदिवासी एकता का संदेश, खेल मैदान में होगी जनसभा

शिक्षा, सामाजिक कुरीतियों और समाज के विकास पर होगा मंथन

स्मार्ट हलचल

सुरज वर्मा बनेड़ा में संयुक्त राष्ट्र संघ (UNO) द्वारा घोषित विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर 9 अगस्त 2026, रविवार को बनेड़ा तहसील में भील समाज की ओर से जिला स्तरीय कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के तहत रायला से बनेड़ा तक विशाल वाहन रैली निकाली जाएगी, जिसमें बड़ी संख्या में समाजजन शामिल होंगे। रैली के बाद बनेड़ा स्थित अक्षय स्मारक माध्यमिक विद्यालय के खेल मैदान में विशाल जनसभा आयोजित होगी। कार्यक्रम के अनुसार सुबह 10 बजे रायला ईरास चौराहे से वाहन रैली का शुभारंभ होगा। रैली रायला गांव, लोठियास चौरासी होते हुए भील समाज बाबा रामदेवजी मंदिर, काला का खेड़ा, लाम्बिया खुर्द, सरदारपुरा और सालरिया कला से होकर बनेड़ा में प्रवेश करेगी। इसके बाद रैली माली मोहल्ला, पुराना बस स्टैंड, नया बस स्टैंड होते हुए तहसील कार्यालय के सामने से गुजरकर अक्षय स्मारक माध्यमिक विद्यालय खेल मैदान पहुंचेगी। रैली के दोपहर करीब 2 बजे खेल मैदान पहुंचने के बाद जनसभा का आयोजन किया जाएगा, जो शाम तक चलेगी।

शिक्षा और सामाजिक सुधार पर होगा विशेष मंथन

जनसभा में समाज के विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। विशेष रूप से शिक्षा को बढ़ावा देने, युवाओं को आगे लाने, सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन तथा समाज में जागरूकता और एकता मजबूत करने को लेकर विचार-विमर्श किया जाएगा। समाज के विकास के लिए आवश्यक कार्यों एवं भविष्य की दिशा पर भी मंथन किया जाएगा।

आरक्षण उप-वर्गीकरण को राजस्थान में लागू करने की मांग

कार्यक्रम के दौरान सर्वोच्च न्यायालय द्वारा आरक्षण के उप-वर्गीकरण से जुड़े निर्णय के संदर्भ में राजस्थान में भी इसे शीघ्र लागू करने की मांग उठाई जाएगी। इस संबंध में मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन प्रेषित करने का कार्यक्रम प्रस्तावित है। आयोजकों का कहना है कि समाज की मांगों और अधिकारों को लेकर सरकार का ध्यान आकर्षित किया जाएगा।

विश्व आदिवासी दिवस के इस जिला स्तरीय आयोजन को लेकर भील समाज में उत्साह का माहौल है। आयोजकों ने समाज के लोगों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर वाहन रैली एवं जनसभा को सफल बनाने का आह्वान किया है।

आत्मनिर्भर बनेंगी जरूरतमंद महिलाएं, लायंस क्लब ने शुरू किए नि:शुल्क सिलाई-ब्यूटीशियन प्रशिक्षण केंद्र

स्वावलंबन के साथ स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण का संदेश, महिलाओं को वितरित किए कपड़े के थैले...

स्मार्ट हलचल

कोटा। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की महिलाओं को आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाने की दिशा में लायंस क्लब कोटा ने महत्वपूर्ण पहल की है। बसंत विहार स्थित लायंस क्लब भवन में क्लब की ओर से तीन माह के नि:शुल्क सिलाई प्रशिक्षण केंद्र एवं ब्यूटीशियन कोर्स का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण के साथ स्वास्थ्य, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। लायंस क्लब कोटा के अध्यक्ष लायन रमेश चंद शर्मा ने कहा कि किसी भी समाज की प्रगति तभी संभव है, जब महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर हों। महिलाओं के हुनर को रोजगार से जोड़ना उन्हें केवल आय का साधन उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि उनके आत्मविश्वास और सम्मान को मजबूत करना भी है। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं की नि:शुल्क बीपी एवं डायबिटीज जांच भी की गई। क्लब के सचिव लायन लक्ष्मीकांत पारीक ने महिलाओं को कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के प्रति जागरूक करते हुए नियमित स्वास्थ्य जांच कराने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए स्वच्छता और व्यक्तिगत हाइजीन को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना आवश्यक है। समय रहते स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की जांच कराने से गंभीर बीमारियों से बचाव संभव है। पर्यावरण संरक्षण को लेकर भी कार्यक्रम में जागरूकता अभियान चलाया गया। सर्वेश्वर काबरा एवं रमेश शर्मा ने समाज के विकास में महिलाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए पर्यावरण संरक्षण में उनकी भागीदारी का आह्वान किया। महिलाओं से प्लास्टिक बैग का उपयोग पूरी तरह बंद कर कपड़े के थैलों को अपनाने की अपील की गई। इस दौरान लायंस क्लब की ओर से सभी महिलाओं को कपड़े के थैले वितरित किए गए तथा प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने का संकल्प दिलाया गया। कार्यक्रम के बाद लायंस क्लब कोटा की ओर से पार्क में ट्रिगर्ड सहित 21 पौधे लगाए गए। इस दौरान पदाधिकारियों ने पौधों के संरक्षण और पर्यावरण को हरा-भरा बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में लायंस क्लब अध्यक्ष रमेश चंद शर्मा, सचिव लक्ष्मीकांत पारीक, वरिष्ठ सदस्य पवन पारेता, सर्वेश्वर काबरा, प्रमिला पारीक, निर्मला काबरा, मिथिलेश विजय सहित क्लब के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

नवनियुक्त पदाधिकारियों का साफा व शॉल पहनाकर सम्मान, ब्यावर में महावीर इंटरनेशनल ने किया अभिनंदन

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार ब्यावर। महावीर इंटरनेशनल ब्यावर द्वारा पार्श्वनाथ चिकित्सालय एवं शोध संस्थान का मंत्री मनोनीत होने पर संस्था के वरिष्ठ उपाध्यक्ष वीर रतनसिंह मेहता का चिकित्सालय परिसर पहुँचकर मोतियों की माला, चुनरी का साफा एवं शॉल ओढ़ाकर भव्य अभिनंदन किया गया। समारोह में चिकित्सालय के नवनियुक्त कार्याध्यक्ष शांतिलाल नाबरिया एवं कोषाध्यक्ष महेंद्र चोपड़ा का भी माला व साफा पहनाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर चेयरमैन वीर डॉ. तारेश जैन ने कहा कि सामाजिक एवं सेवा कार्यों में निरंतर सहभागिता पूरे समाज के लिए प्रेरणादायी है। सचिव एडवोकेट नीलेश बुरड़ ने चिकित्सालय की उत्तरोत्तर प्रगति की कामना की। कार्यक्रम में मनोज शारडा, दीपचंद कोठारी, सुनील सकलेचा, विमल जैन, राजकुमार पहाड़िया सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

शाहपुरा की सियासत में चुनावी शंखनाद, कांग्रेस ने कसी कमरकृ'बूथ जीता तो चुनाव जीता' के मंत्र पर आगे बढ़ेंगे कार्यकर्ता

पंचायत व नगर निकाय चुनाव की तैयारियों पर मंथन, संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने पर जोर; कांग्रेस नेताओं ने कहा एकजुटता और जमीनी मेहनत से बनेगा जीत का रास्ता

स्मार्ट हलचल

मूलचन्द पेसवानी शाहपुरा। पंचायत एवं नगर निकाय चुनाव-2026 की आहट के साथ शाहपुरा की सियासत में भी चुनावी सरगर्मियां तेज होने लगी हैं। कांग्रेस ने चुनावी तैयारियों को लेकर संगठन को सक्रिय करते हुए शनिवार को ब्लॉक एवं नगर कांग्रेस कमेटी की संयुक्त संगठनात्मक बैठक आयोजित कर आगामी चुनावों की रणनीति पर विस्तार से मंथन किया। बैठक में नेताओं ने साफ संकेत दिया कि अब चुनावी तैयारियां केवल बैठकों तक सीमित नहीं रहेंगी, बल्कि कांग्रेस कार्यकर्ता गांव, पंचायत, वार्ड और बूथ स्तर तक पहुंचकर संगठन को मजबूत करने के अभियान में जुटेंगे। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष महावीर कुमावत एवं नगर कांग्रेस अध्यक्ष रमेश सेन के नेतृत्व में आयोजित बैठक में जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण, भीलवाड़ा के अध्यक्ष रामलाल जाट, शाहपुरा से कांग्रेस विधायक प्रत्याशी नरेंद्र कुमार रैगर तथा विधानसभा प्रभारी रासा सिंह रावत सहित कांग्रेस के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक में पंचायत एवं नगर निकाय चुनाव की संभावित परिस्थितियों, संगठन की वर्तमान स्थिति, कार्यकर्ताओं की सक्रियता और चुनावी तैयारियों को लेकर खुलकर चर्चा हुई। नेताओं ने माना कि चुनाव में संगठन की वास्तविक ताकत बूथ स्तर पर दिखाई देती है। ऐसे में प्रत्येक बूथ को मजबूत करने, कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करने और जनता के स्थानीय मुद्दों को चुनावी अभियान का प्रमुख आधार बनाने पर विशेष जोर दिया गया।

बूथ से लेकर वार्ड तक संगठन को धार देने की रणनीति

बैठक में कार्यकर्ताओं से केवल चुनाव जीतने की अपील नहीं की गई, बल्कि चुनावी रणनीति को जमीन पर उतारने के लिए सुझाव भी लिए गए। कार्यकर्ताओं ने कहा कि बूथ स्तर पर संगठन को और सक्रिय किया जाना चाहिए तथा लंबे समय से निष्क्रिय कार्यकर्ताओं के साथ नए और ऊर्जावान लोगों को भी संगठन से जोड़ने की जरूरत है। वार्ड और पंचायत स्तर पर नियमित बैठकें आयोजित करने, कार्यकर्ताओं के बीच आपसी समन्वय बढ़ाने तथा जनता की समस्याओं को सीधे संगठन के स्तर तक पहुंचाने के सुझाव भी सामने आए। कार्यकर्ताओं ने कहा कि चुनाव केवल नारों और सभाओं से नहीं, बल्कि लगातार जनता के बीच मौजूद रहकर लड़ा जाता है। कार्यकर्ताओं के सुझावों को गंभीरता से लेते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष रामलाल जाट ने कहा कि संगठन की असली ताकत कार्यकर्ता हैं। चुनावी रणनीति बनाने में जमीनी कार्यकर्ताओं की राय को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं के सुझावों के आधार पर संगठन की चुनावी कार्ययोजना को और प्रभावी बनाया जाएगा।

जाट बोले 'एकजुट होकर जनता के बीच जाएं, जीत कोई नहीं रोक सकता'

रामलाल जाट ने कहा कि पंचायत एवं नगर निकाय चुनाव को लेकर कांग्रेस संगठन पूरी मजबूती के साथ तैयारी में जुट गया है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आपसी मतभेदों को पीछे छोड़कर एकजुटता के साथ जनता के बीच जाने का आह्वान किया। उन्होंने भाजपा सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं को जनता से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाना होगा। उन्होंने कहा कि महंगाई, बेरोजगारी, स्थानीय समस्याओं और क्षेत्र के विकास से जुड़े मुद्दों को लेकर जनता के बीच संवाद स्थापित किया जाए। शाहपुरा जिला बहाली के मुद्दे को भी उन्होंने कांग्रेस की चुनावी रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा बताया। जाट ने कहा कि राजस्थान में कांग्रेस की सरकार बनते ही शाहपुरा जिले को पुन: बहाल करवाया जाएगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि यदि कार्यकर्ता कांग्रेस की रीति-नीति के आधार पर पूरी निष्ठा और समर्पण से मैदान में उतरेंगे तो पार्टी का बोर्ड बनने से कोई नहीं रोक सकता।

रैगर बोले 'शाहपुरा के साथ हुआ अन्याय, जनता देगी जवाब'

कांग्रेस के शाहपुरा विधायक प्रत्याशी नरेंद्र कुमार रैगर ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि शाहपुरा की जनता के साथ अन्याय हुआ है। उन्होंने कहा कि शाहपुरा को जिला बनाए रखना कांग्रेस की प्राथमिकता रहेगी। रैगर ने भाजपा सरकार पर भ्रष्टाचार और सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जों के आरोप भी लगाए। उन्होंने कहा कि जनता सब देख और समझ रही है तथा आने वाले चुनावों में जनता अपने मत के माध्यम से इसका जवाब देगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि चुनावी संघर्ष को केवल राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के रूप में नहीं, बल्कि शाहपुरा के हितों और स्थानीय अधिकारों की लड़ाई के रूप में जनता के सामने रखा जाए।

रावत ने कहा हर बूथ पर जिम्मेदारी तय करनी होगी

विधानसभा प्रभारी रासा सिंह रावत ने कहा कि आगामी पंचायत एवं नगर निकाय चुनाव कांग्रेस के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। चुनाव में संगठन की मजबूती ही सबसे बड़ा हथियार होगी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता को बूथ स्तर पर अपनी जिम्मेदारी तय करते हुए सक्रिय भूमिका निभानी होगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से घर-घर संपर्क बढ़ाने, मतदाताओं से सीधा संवाद स्थापित करने और स्थानीय समस्याओं को समझकर उनके समाधान के लिए संघर्ष करने का आह्वान किया।

कुमावत और सेन बोले अब मैदान में उतरने का समय

ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष महावीर कुमावत ने कहा कि ब्लॉक कांग्रेस की पूरी टीम पंचायत चुनाव को लेकर सक्रिय रूप से काम करेगी। संगठन के प्रत्येक पदाधिकारी और कार्यकर्ता को जिम्मेदारी के साथ मैदान में उतरना होगा। नगर कांग्रेस अध्यक्ष रमेश सेन ने भी कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर चुनावी तैयारियों में जुटने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नगर क्षेत्र के प्रत्येक वार्ड में संगठन को मजबूत करने और जनता से निरंतर संपर्क बनाए रखने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

बैठक ने दिया साफ राजनीतिक संकेत

शनिवार की बैठक ने शाहपुरा की राजनीति में कांग्रेस की आगामी रणनीति की तस्वीर काफी हद तक साफ कर दी है। पार्टी का फोकस बूथ प्रबंधन, कार्यकर्ताओं की एकजुटता, नए चेहरों को संगठन से जोड़ने और स्थानीय मुद्दों को चुनावी अभियान का आधार बनाने पर रहेगा।

बैठक में मौजूद कार्यकर्ताओं में भी चुनाव को लेकर उत्साह नजर आया। नेताओं ने एक स्वर में संगठन को मजबूत करने और पूरी ताकत से चुनावी मैदान में उतरने का आह्वान किया।

राजस्थान फार्मासिस्ट कर्मचारी संघ के सह-सचिव पद पर संदीप बबेरवाल नियुक्त

स्मार्ट हलचल

खेतड़ी। राजस्थान फार्मासिस्ट कर्मचारी संघ द्वारा प्रदेश स्तर पर कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें प्रदेश के अनेक फार्मासिस्ट को अलग-अलग पद की जिम्मेदारी दी गई इस जिम्मेदारी में झुंझुनू जिले के खेतड़ी ब्लॉक के फार्मासिस्ट अध्यक्ष संदीप बबेरवाल को प्रदेश स्तर पर सह सचिव पद की जिम्मेदारी दी गई जिम्मेदारी से मिलने के बाद खेतड़ी ब्लॉक के सभी फार्मासिस्टों में उनको बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं दी एवं माला व साफा पहनकर स्वागत किया गया। फार्मासिस्टों ने बताया कि पूर्व में भी कई वर्षों से इन्हें खेतड़ी ब्लॉक में अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दी जा चुकी है और वर्तमान में भी अध्यक्ष पद पर कार्यरत हैं। इनका कार्यकाल फार्मासिस्ट के हित में बहुत ही अच्छा रहा है। एवं फार्मासिस्ट की मांग को समय-समय पर जिला स्तर पर एवं प्रदेश स्तर पर उठाया है। इनका कार्य बहुत ही श्रेष्ठ रहा है। किसी को ध्यान में रखते हुए उन्हें प्रदेश स्तर पर भी स्थान मिला। सह सचिव संदीप बबेरवाल ने यह भी जानकारी दी कि जब भी खेतड़ी ब्लॉक के फार्मासिस्टों की कोई भी समस्या होगी तो उसका समाधान तुरंत प्रभाव से किया जाएगा एवं किसी भी फार्मासिस्ट का शोषण नहीं होने देंगे। चाहे इसके लिए मुझे प्रदेश स्तर पर स्वास्थ्य विभाग के उच्च अधिकारियों से मिलना पड़े। क्योंकि खेतड़ी ब्लॉक के फार्मासिस्टों ने मुझे उनकी समस्या को तुरंत प्रभाव से समाधान करने पर ही लगातार अध्यक्ष पद पर नियुक्त कर रहे हैं। एवं ब्लॉक के फार्मासिस्टों को भी पूर्ण विश्वास है कि अध्यक्ष हमारी समस्या का तुरंत समाधान करवा देंगे। नवनिर्वाचित सहसचिव का ब्लॉक स्तर पर जल्दी ही सम्मान समारोह का कार्यक्रम रखा जाएगा।

हजरत इमाम हुसैन की याद में सजा अकीदत का मंजर, दो दिवसीय चालीसवां मोहर्रम सम्पन्न, अमन-चैन, खुशहाली की मांगी दुआ

स्मार्ट हलचल

निम्बाहेड़ा पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के नवासे हजरत इमाम हुसैन एवं कर्बला के शहीदों की याद में आयोजित ऐतिहासिक दो दिवसीय चालीसवां मोहर्रम शुक्रवार को अकीदत, एहतराम और रूहानी माहौल के बीच सम्पन्न हुआ। ताजियों के भव्य जलसे में राजस्थान, मध्यप्रदेश सहित उदयपुर संभाग के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में जायरीन निम्बाहेड़ा पहुंचे। शहर देर रात तक या हुसैन की सदाओं से गूंजता रहा। शुक्रवार शाम करीब 4 बजे सब्जी मंडी से ताजिया नंबर-1 के जलसे का आगाज हुआ। जुलूस कोतवाली थाने के पीछे, साजन लस्सी के पास, सब्जी मंडी चौराहा, शास्त्री मार्केट, चित्तौड़ी दरवाजा, कैंची चौराहा, नूर महल रोड, कम्युनिटी हॉल के पीछे वाली गली, पोस्ट ऑफिस रोड, मंडी चौराहा, बस स्टैंड एवं चंदन चौक होते हुए देर रात करीब 3 बजे अंजुमन चौक पहुंचा। यहां शहर के विभिन्न ताजिये एकत्रित हुए। फातेहा ख्वानी के बाद देश में अमन-चैन, खुशहाली और भाईचारे के लिए विशेष दुआएं की गईं। इसके पश्चात कुल का छींटा लगाकर ताजियों को ठंडा किया गया।

नातिया और मनकबती कलाम से बांधा समां

जलसे के दौरान मध्यप्रदेश के फेमस न्यू मालवा बैंड ताल से शरीफ हाजी साहब एंड पार्टी ने एक से बढ़कर एक नातिया, मनक़बती एवं मसीहे कलाम पेश कर माहौल को रूहानी बना दिया। वहीं नीमच के मशहूर बशीर भाई एंड ढोल पार्टी ने ढोल की थाप से जलसे में उत्साह और उमंग भर दी। जायरीनों ने कलाकारों की प्रस्तुतियों की खूब प्रशंसा की।

अखाड़े में युवाओं ने दिखाए हैरतअंगेज करतब

जुलूस के दौरान अखाड़े में युवाओं ने भारी वजन उठाने सहित विभिन्न हैरतअंगेज करतबों का प्रदर्शन किया। युवाओं के साहस और कला का प्रदर्शन देखने के लिए मार्ग के दोनों ओर बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। जायरीनों ने करतबों की खूब सराहना की।

जगह-जगह लंगर और शरबत की व्यवस्था

चालीसवां मोहर्रम में शामिल होने पहुंचे जायरीनों की सेवा के लिए शहर की विभिन्न मुस्लिम कमेटियों की ओर से जगह-जगह लंगर, भोजन, शरबत, अल्पाहार, चाय-नाश्ते सहित अन्य ठहरने की व्यवस्थाएं निःशुल्क की गईं। सेवा और मेहमाननवाजी का यह सिलसिला देर रात तक जारी रहा।

अतिथियों की दस्तारबंदी कर किया इस्तकबाल

मेवाफरोश मोहर्रम कमेटी की ओर से सब्जी मंडी चौराहे पर पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष सुभाषचंद्र शारदा, उपाध्यक्ष परवेज अहमद शिब्बी एवं पूर्व पार्षद रविप्रकाश सोनी की साफा बांधकर दस्तारबंदी कर गर्मजोशी से इस्तकबाल किया गया। साथ ही मुस्लिम कमेटियों के साथ हमेशा जुड़े रहकर सामाजिक एवं धार्मिक आयोजनों में सक्रिय सहयोग प्रदान करने वाले पत्रकार मोईन खान का भी साफा बांधकर स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने उनके सामाजिक सरोकारों और पत्रकारिता के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

मुस्तैदी से तैनात रहा पुलिस प्रशासन

विशाल जुलूस को देखते हुए पुलिस एवं प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए। विभिन्न मार्गों एवं प्रमुख चौराहों पर पुलिस जाप्ता मुस्तैदी से तैनात रहा। यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए भी आवश्यक इंतजाम किए गए। शांतिपूर्ण माहौल में चालीसवां मोहर्रम सम्पन्न होने पर आयोजकों एवं प्रशासन ने सहयोग के लिए सभी का आभार जताया। इस मौके पर मेवाफरोश मोहर्रम कमेटी के रफीक उस्ताद, जाकिर मेवाफरोश, मेहबूब मेवाफरोश, शहजाद मेवाफरोश, अख्तर मेवाफरोश, मेवाती चौक मोहर्रम कमेटी के उस्ताद गुड्डा मेव, जावद दरवाजा मोहर्रम कमेटी के बबलू उस्ताद, टकुन उस्ताद, जामा मस्जिद, बड़ा कसाई मोहल्ला, इंद्रा, कॉलोनी, कच्चीबस्ती सहित शहर की विभिन्न मोहर्रम कमेटियों के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में जायरीन मौजूद रहे।

कठोर शब्द किसी के मन को घायल कर सकते है, जबकि मीठे शब्द टूटे हुए मन को जोड़ सकते है: प्रतिभा श्रीजी

स्मार्ट हलचल

ओम जैन शंभूपुरा। शंभूपुरा। जैन सिद्धान्ताचार्य प्रतिभा श्री जी मा.सा. ने सेंती स्थित शान्ति भवन मे अपने चातुर्मासिक काल मे प्रवचन के दौरान फरमाया कि आचार्य मान्तुग का कहना है कि मेरी वाणी से भगवान की भक्ति अपने आप हो रही है। कोकिल मधुर गाती है व बसन्त ऋतु में उसका कण्ठ माधुरी रस की वर्षा करने लगता है। भक्ति का संवेग जब भीतर से जाग जाता है तो मनोबल बढ़ जाता है। मधुर वचन ज्ञानी की पहचान है। मधुर वचन औषधी है व कटु वचन तीर के समान है। वास्तविक ज्ञान हमेशा विचारो वाणी व व्यवहार से दिखाई देता है। किसी के पास बहुत ज्ञान है किन्तु वाणी कठोर है तो वह ज्ञान अधूरा है। उन्होंने बताया कि सच्चा ज्ञानी वही है जिसकी वाणी मे मधुरता विनम्रता व करुणा हो। भगवान महावीर ने भी अहिंसा का सन्देश दिया। अहिंसा ज्ञान कर्म से नही बल्कि वाणी से भी होती है। कठोर शब्द किसी के मन को घायल कर सकते है, जबकि मीठे शब्द टूटे हुए मन को जोड़ सकते है। साध्वी प्रेक्षा श्रीजी ने भी अपने प्रवचन से शांतिभवन में मौजूद सेकड़ो श्रावक श्राविकाओं को लाभान्वित किया।

छोटीसादड़ी नगर कांग्रेस एससी प्रकोष्ठ की नई कार्यकारिणी घोषित...

49 कार्यकर्ताओं को मिली संगठनात्मक जिम्मेदारी, गांव-वार्ड एवं बूथ स्तर तक कांग्रेस की विचारधारा को पहुंचाने का संकल्प

स्मार्ट हलचल

छोटीसादड़ी, ज़ाकिर हुसैन कांग्रेस संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने की दिशा में नगर कांग्रेस एससी प्रकोष्ठ, छोटीसादड़ी की नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया है। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अनुशासन समिति के अध्यक्ष एवं पूर्व सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना की अनुशंसा तथा कांग्रेस एससी प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र पाल गौतम, प्रदेश अध्यक्ष ममता भूपेश एवं चित्तौड़गढ़ जिला अध्यक्ष एडवोकेट राकेश घारू की सहमति से कार्यकारिणी घोषित की गई है। नई कार्यकारिणी में मदनलाल खटीक को नगर अध्यक्ष बनाया गया है। इसके साथ ही संगठन महामंत्री, उपाध्यक्ष, महासचिव, कोषाध्यक्ष, सचिव, सदस्य, प्रवक्ता एवं सोशल मीडिया प्रभारी सहित कुल 49 कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

इन पदाधिकारियों को मिली प्रमुख जिम्मेदारी

नगर अध्यक्ष मदनलाल खटीक, संगठन महामंत्री पद पर दिनेशचन्द्र खटीक उपाध्यक्ष पद पर प्रेमचन्द मोहिल, राहुल यादव, श्यामलाल यादव, कालूसिंह यादव, छोटेलाल यादव, विजय सिंह यादव, कमलेश यादव, कन्हैयालाल जटिया, नागेश रैगर एवं पारसमल खटीक को नियुक्त किया गया है। इसी क्रम में महासचिव के पद पर सुनील रैगर, कमलेश गुजराती, मुकेश यादव, लक्ष्मीनारायण यादव, विक्रम मोहिल, अनिल मेघवाल, श्यामलाल जटिया, शम्भुलाल खटीक, राकेश यादव एवं चैनसुख यादव को नियुक्त किया गया है तथा कोषाध्यक्ष संजय जटिया एवं सचिव कैलाश यादव, प्रकाश यादव, अरुण यादव, निलेश खटीक, मुकेश जटिया, महेश यादव, सोनू गांचा, सूरज यादव एवं कैलाश जटिया को बनाया गया है। प्रवक्ता के पद पर मुकेश यादव एवं अरविंद खटीक,सोशल मीडिया प्रभारी कन्हैयालाल यादव एवं पुखराज मोहिल को नियुक्त किया गया है। इसके अलावा बंशीलाल खटीक, सोहनलाल खटीक, भागचंद खटीक ओमप्रकाश यादव, बहादुर सिंह यादव, धारासिंह यादव, भागीरथ खटीक, मनोहरलाल यादव, मुन्नालाल यादव, हरिनारायण यादव, नक्षत्र मल खटीक, मनोहरलाल खटीक एवं सोहनसिंह यादव इन 13 कार्यकर्ताओं को सदस्य के रूप में संगठन में जिम्मेदारी दी गई है।

कलेक्टर से ष्टरूपोर्टल तक गुहार बेअसर, चौरू में जलभराव से स्कूली बच्चे बेहाल...

बस स्टैंड पर भरे पानी में फिसलकर महिला का पैर टूटा

स्मार्ट हलचल

महेंद्र कुमार सैनी नगर फोर्ट उपखंड उनियारा क्षेत्र के चौरू ग्राम पंचायत में सड़कों की बदहाली अब जानलेवा साबित हो रही है। टोंक-सवाई माधोपुर नेशनल हाईवे बाईपास से चौरू को जोड़ने वाले मुख्य सड़क मार्ग पर बस स्टैंड के पास जगह-जगह बने गहरे गड्ढे बरसात के पानी से लबालब भर गए हैं। पूरी सड़क तालाब में तब्दील हो चुकी है, तस्वीरें खुद इसकी बदहाली बयां कर रही हैं। जलभराव के कारण राहगीरों, वाहन चालकों और सबसे ज्यादा स्कूली विद्यार्थियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसी मार्ग से राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के सैकड़ों छात्र-छात्राएं रोजाना गुजरते हैं, जिन्हें घुटनों तक भरे गंदे पानी से होकर स्कूल जाना पड़ रहा है। दोपहिया वाहन चालकों के फिसलने का खतरा हर कदम पर बना हुआ है।

फिसलकर गिरी महिला का,पैर में फ्रैक्चर

शनिवार शाम को इसी जलभराव और गड्ढों के कारण एक महिला सड़क पर फिसलकर गंभीर रूप से घायल हो गई। ग्रामीणों के अनुसार महिला के पैर में फ्रैक्चर आया है और शरीर पर अन्य जगह भी चोटें आई हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि ऐसी घटनाएं अब आम हो गई हैं।

न जल निकासी, न सुनवाई

ग्रामीणों दीपक सैन, देवीशंकर मीणा, सुरेश नागर, नरेश मीणा, विनोद नागर, गुड्डू खान, कमलेश मीणा और सोराज यादव ने बताया कि बस स्टैंड पर जल निकासी की कोई व्यवस्था नहीं है। ग्राम पंचायत और पीडब्ल्यूडी को कई बार अवगत कराने के बाद भी समाधान नहीं हुआ। हर साल बारिश में यही हालात बनते हैं। जलभराव से मच्छरों का प्रकोप और मौसमी बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। ग्रामीणों ने सरकार के 'गड्ढा मुक्त सड़क अभियान' पर भी सवाल खड़े किए हैं।कलेक्टर से ष्टरू पोर्टल तक शिकायत, फिर भी अनसुनी ग्रामीणों का आरोप है कि इस गंभीर समस्या को लेकर जिला कलेक्टर से लेकर मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल तक शिकायत दर्ज कराई जा चुकी है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और संबंधित विभागों को भी दर्जनों बार ज्ञापन दिए गए, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं हुआ है। ग्राम पंचायत प्रशासन भी संबंधित विभागों को अवगत कराने की बात कहकर पल्ला झाड़ रहा है।ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि किसी बड़े हादसे से पहले सड़क का तत्काल निरीक्षण कर क्षतिग्रस्त सड़क की मरम्मत और स्थायी जल निकासी की व्यवस्था की जाए।

नि:शुल्क मंच बना पात्रों को योजनाओं का लाभ दिलाने वाला इंटर का छात्र बाल पुरस्कार के लिए नामांकित

स्मार्ट हलचल

सुनील बाजपेई कानपुर। किसी भी देश के उज्जवल भविष्य का आधार उसके मेधावी छात्र ही हुआ करते हैं। यहां के ऐसे ही एक बहुत प्रतिभाशाली और मेधावी छात्र का नाम है - विहान झुनझुनवाला, जिसके द्वारा स्थापित नि:शुल्क मंच 'ग्रांटली' छात्रों, महिलाओं, श्रमिकों समेत सभी पात्र परिवारों को उनकी भाषा में सरकारी योजनाओं एवं छात्रवृत्तियों तक पहुँचाता है, और अब होनहार बिरवान के होत चीकने पात की लोक कहावत को चरितार्थ करते हुए जन सेवा में अग्रणी लोक कल्याणकारी अपने नि:शुल्क मंच ग्रांटली के माध्यम से कानपुर का नाम रोशन करने वाले इस छात्र विहान झुनझुनवाला को अब प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार हेतु नामांकित भी किया गया है। जहां तक इस होनहार छात्र विहान झुनझुनवाला की सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने वाले उनके नि:शुल्क मंच 'ग्रांटली' का सवाल है। यह देश और समाज के हित में बहुत महत्वपूर्ण और लाभदायी इस लिए है ,क्योंकि हर साल करोड़ों रुपये की सरकारी योजनाएँ अनुपयोगी रह जाती हैं ,क्योंकि ग्रांटली से पहले किसी ने योजनाओं के पात्रों की उनकी भाषा एवं तरीके से नहीं समझाया जो उनके लिए सुलभ हो। यही वजह है कि सरकारी योजनाओं का लाभ और उसके पात्रों के बीच बहुत बड़ी दूरी है। और इसी दूरी को पाटने के लिए जाने-माने उद्योगपति, व्यवसाई और प्रखर समाज सेवी मयंक झुनझुनवाला के सुपुत्र द दून स्कूल, देहरादून के कक्षा 12 के बहु प्रतिभाशाली छात्र विहान झुनझुनवाला ने इस गर्मी हर किसी मसलन छात्रों, महिलाओं, श्रमिकों एवं सभी परिवारों के लिए जनहित में इस बहु उपयोगी वह भी पूर्ण रूप से नि:शुल्क गैर-व्यावसायिक मंच 'ग्रांटली' की शुरुआत की, जिसकी हिंदी-प्रथम वेबसाइट पर एक पात्रता-जाँच टूल, एक व्हाट्सऐप हेल्पलाइन, तथा टीम द्वारा कानपुर भर में आयोजित प्रत्यक्ष सत्र भी उपलब्ध हैं। प्रत्येक योजना-तथ्य के साथ उसका आधिकारिक सरकारी स्रोत एवं 'अंतिम सत्यापन तिथि' भी जुड़ी है। द दून स्कूल, देहरादून के कक्षा12 के छात्र विहान इसे एक अनिवार्य अनुशासन बताते हैं। सरकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने में लगातार सफल संस्थापक छात्र विहान एवं प्रशिक्षित छात्र एवं सामुदायिक स्वयंसेवकों की टीम द्वारा संचालित नि:शुल्क मंच ग्रांटली 250 लोगों तक पहुँच के रूप में विद्यालयों/महाविद्यालयों में राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल पंजीकरण पर छात्रवृत्ति-सहायता शिविर,स्वयं सहायता समूह, कौशल-विकास एवं ऋण योजनाओं पर महिला आजीविका कार्यशालाएं,तथा लघु व्यवसायियों हेतु ग्रीन-फाइनेंस एवं एम एस एम योजनाओं समेत कई मोर्चों पर फैला है। जिसके फलस्वरूप अब किसी भी पात्र को सरकारी योजनाओं के लाभ के लिए सरकारी दफ़्तरों के चक्कर लगाने की जरूरत ही नहीं है। मतलब सरकारी योजनाओं और पात्रों के बीच जो दूरी है। उसी को पाटने की सफल कोशिश का नाम है - इस बहु प्रतिभाशाली होनहार छात्र विहान झुनझुनवाला की ग्रांटली ,जो न शुल्क लेता है, न ऋण बेचता है, न ही कमीशन लेता है। यह बस केवल उनका स्थान लिए बगैर माई स्कीम एवं राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल जैसे आधिकारिक पोर्टलों तक मार्गदर्शन करता है। फिलहाल होनहार मेधावी छात्र विहान झुनझुनवाला ने सामाजिक सेवा श्रेणी के तहत इस पहल को बच्चों हेतु सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए नामांकित भी किया है।

किसान कांग्रेस को गांव-वार्ड से बूथ तक मजबूत करने की कवायद

छोटीसादड़ी नगर किसान कांग्रेस की नई कार्यकारिणी घोषित, 36 कार्यकर्ताओं को मिली संगठनात्मक जिम्मेदारी

आंजना की अनुशंसा पर गठित टीम किसानों की समस्याओं को प्राथमिकता से उठाएगी

स्मार्ट हलचल

छोटीसादड़ी, ज़ाकिर हुसैन किसान कांग्रेस संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने की दिशा में छोटीसादड़ी नगर किसान कांग्रेस कमेटी की नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया है। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अनुशासन समिति के अध्यक्ष एवं पूर्व सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना की अनुशंसा तथा किसान कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखपाल सिंह खैरा, प्रदेश अध्यक्ष शिव भगवान नागा एवं चित्तौड़गढ़ जिला किसान कांग्रेस अध्यक्ष भेरूलाल जाट की सहमति से नगर किसान कांग्रेस छोटीसादड़ी की नई कार्यकारिणी नियुक्त की गई है। नगर अध्यक्ष प्रकाश आर्य ने कार्यकारिणी की घोषणा की। नई कार्यकारिणी में विभिन्न संगठनात्मक दायित्वों पर कुल 36 कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसमें अध्यक्ष, संगठन महामंत्री, उपाध्यक्ष, महासचिव, कोषाध्यक्ष, सचिव, सदस्य, प्रवक्ता एवं सोशल मीडिया प्रभारी सहित विभिन्न पद शामिल हैं।

नई कार्यकारिणी में इन्हें मिली जिम्मेदारी

अध्यक्ष प्रकाश आर्य

संगठन महामंत्री पद पर कमलेश पाटीदार

उपाध्यक्ष पद पर दशरथ आंजना, दीपक माली, सूरजमल यादव, मुकेश पाटीदार, अशोक शर्मा, घनश्याम देवड़ा, राजमल तेली, राकेश तेली, कैलाश पाटीदार एवं कालूलाल जटिया।

महासचिव पद पर दिनेश माली, समरथ यादव, भागीरथ पाटीदार, कैलाशचन्द्र तेली, राहुल कुमावत, पवन बलसोरा, रोशन माली, गिरीश पाटीदार एवं ओमप्रकाश यादव।

कोषाध्यक्ष: सुरेश पाटीदार।

सचिव पद पर चन्द्रेश शर्मा, बाबूलाल जटिया, रमेश बलसोरा, राजमल माली, नेमीचंद तेली, दशरथ पाटीदार, नन्दूराही यादव (पेन्टर) एवं कन्हैयालाल खटीक।

सदस्य: शोभालाल रैगर, चांदमल तेली, कालूलाल रैगर एवं भगत सोनी,प्रवक्ता किशनराव मराठा।

सोशल मीडिया प्रभारी राकेश गायरी को नियुक्त किया गया है।

कांग्रेस की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने पर जोर

जारी नियुक्ति पत्र में नवनियुक्त पदाधिकारियों से अपेक्षा की गई है कि वे अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में संगठन को और अधिक मजबूत बनाने, कांग्रेस की जनहितकारी विचारधारा एवं रीति-नीति को जन-जन तक पहुंचाने तथा बूथ स्तर तक संगठन को सशक्त बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

ब्यावर में 9 से 17 अगस्त तक 'हर घर तिरंगा' अभियान, देशभक्ति के रंग में रंगेगा पूरा जिला

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार ब्यावर। स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर जिलेभर में राष्ट्रप्रेम और राष्ट्रीय एकता की भावना का संचार करने के लिए प्रशासन द्वारा 'हर घर तिरंगा' अभियान की व्यापक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। जिला कलक्टर कमल राम मीना के निर्देशन में 9 से 17 अगस्त तक जिले में विभिन्न राष्ट्रभक्ति आधारित कार्यक्रमों और गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। अभियान के सफल क्रियान्वयन को लेकर जिला प्रशासन ने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपते हुए ध्वज संहिता के पालन के सख्त निर्देश जारी किए हैं।

प्रभात फेरी से होगी अभियान की शुरुआत

अभियान का आगाज 9 अगस्त को भव्य तिरंगा प्रभात फेरी के साथ होगा, जिसमें विद्यार्थी, युवा और नागरिक भाग लेकर राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान का संदेश देंगे। इसके बाद 10 अगस्त को जिले के सभी विद्यालयों एवं शिक्षण संस्थानों में स्वतंत्रता संग्राम और राष्ट्र निर्माण में नागरिकों के योगदान पर आधारित विशेष जागरूकता व शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

तिरंगा यात्राएं और सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे आकर्षण का केंद्र

13 से 17 अगस्त के दौरान जिले भर में प्रमुख तिरंगा यात्राएं, प्रदर्शनी और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आयोजित की जाएंगी। 14 अगस्त को विशेष देशभक्ति कार्यक्रम होंगे, जबकि 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस पर जिला मुख्यालय, सभी सरकारी कार्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों और सार्वजनिक स्थलों पर गरिमामय माहौल में ध्वजारोहण कर राष्ट्रगान का गायन किया जाएगा।

डिजिटल माध्यमों से जुड़ेंगे नागरिक

जनसहभागिता को बढ़ाने के लिए सोशल मीडिया का भी सहारा लिया जाएगा। आमजन को तिरंगे के साथ अपनी 'तिरंगा सेल्फी' सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर साझा करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

ध्वज संहिता का पालन अनिवार्य

जिला कलक्टर कमल राम मीना ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि सभी आयोजनों में राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा और मर्यादा का पूर्ण ध्यान रखा जाए। जिला प्रशासन ने ब्यावर जिले के सभी निवासियों, व्यापारियों और स्वयंसेवी संस्थाओं से अपील की है कि वे अपने घरों व प्रतिष्ठानों पर तिरंगा फहराकर इस राष्ट्रीय उत्सव में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें।

मंत्री जोराराम कुमावत और विधायक शंकर सिंह रावत ने किया गौशाला का उद्घाटन, परिसर में किया पौधारोपण

पौधारोपण कर दिया हरियाली का संदेश

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार ब्यावर/ किशनपुरा। (ग्राम कोटड़ी) स्थित प्रसिद्ध नीलकंठ महादेव मंदिर परिसर में 'श्री गौरी शंकर नीलकंठ महादेव हिम्मत सिंह नंदी गौशाला' का विधिवत लोकार्पण किया गया। पशुपालन, गौपालन, डेयरी एवं देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत और ब्यावर विधायक शंकर सिंह रावत ने संयुक्त रूप से गौशाला का उद्घाटन किया। इस अवसर पर साधु-संतों, विभागीय अधिकारियों और स्थानीय ग्रामीणों की गरिमामयी मौजूदगी रही। यह नई गौशाला क्षेत्र में सड़कों व खेतों में विचरण करने वाले निराश्रित एवं मूक गोवंश के लिए मील का पत्थर साबित होगी। यहाँ गोवंश को न केवल सुरक्षित आश्रय मिलेगा, बल्कि उनके नियमित चारे, देखभाल और चिकित्सा उपचार की समुचित व्यवस्था भी की जाएगी।

मांग पर त्वरित कार्रवाई की मिसाल

उल्लेखनीय है कि गत 24 जून को लंपी बीमारी के रोकथाम व टीकाकरण कार्यक्रम के दौरान ब्यावर विधायक शंकर सिंह रावत ने पशुपालन मंत्री के समक्ष मंदिर परिसर के पास गौशाला खोलने की मांग रखी थी। मंत्री जोराराम कुमावत ने तत्काल इस दिशा में पहल की और रिकॉर्ड समय में इस संकल्प को साकार कर दिखाया।

गौसेवा के साथ दिया हरियाली का संदेश

लोकार्पण समारोह के दौरान मंत्री कुमावत एवं विधायक रावत ने मंदिर परिसर में पौधारोपण भी किया। उन्होंने लोगों से केवल पौधे लगाने ही नहीं, बल्कि उनके पेड़ बनने तक नियमित देखभाल करने की अपील की। पशुपालन मंत्री ने कहा कि गोवंश और पर्यावरण का संरक्षण हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित पशुपालकों को विभाग की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई और उनका लाभ उठाने का आह्वान किया गया।

'भारत बनने के दौर से गुजर रहा, देश को आर्किटेक्ट्स के अनुभव और कौशल की जरूरत'- लोकसभा अध्यक्ष

नेक्ससंगम-2026 में देशभर के 300 से अधिक आर्किटेक्ट्स, इंजीनियर्स और डिजाइनर्स ने किया भविष्य के शहरों पर मंथन टाउन प्लानिंग और विरासत संरक्षण पर चर्चा

स्मार्ट हलचल

कोटा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि भारत आज निर्माण और विकास के एक ऐसे दौर से गुजर रहा है, जहां देश को आर्किटेक्ट्स के अनुभव, कौशल और रचनात्मक सोच की बड़ी आवश्यकता है। तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) वास्तुकला के क्षेत्र में नई संभावनाएं पैदा कर रहे हैं, लेकिन इसके साथ मानवीय संवेदनाओं और सृजनात्मकता को बनाए रखना भी उतना ही जरूरी है। तकनीक निर्माण को अधिक उपयोगी और लाभकारी बना सकती है, लेकिन किसी भवन, शहर या स्थान में भावनाओं और संवेदनाओं का समावेश आर्किटेक्ट के अनुभव और दृष्टिकोण से ही संभव है। बिरला शनिवार को कोटा में आयोजित दो दिवसीय 'नेक्ससंगम-2026' के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। सम्मेलन में देशभर से 300 से अधिक आर्किटेक्ट्स, इंजीनियर्स, इंटीरियर डिजाइनर्स और लैंडस्केप विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं। दिल्ली, चंडीगढ़, गुरुग्राम, मध्यप्रदेश, जयपुर, उदयपुर, बीकानेर, भीलवाड़ा, कुचामन सिटी और श्रीगंगानगर सहित विभिन्न शहरों से विशेषज्ञ कोटा पहुंचे हैं।

पुरानी इमारतों में छिपा है भविष्य का ज्ञान

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि आधुनिक आर्किटेक्चर को अपनी विरासत और अतीत से सीखने की जरूरत है। देश में 200 से 300 वर्ष पुराने शहर और भवन आज भी वास्तुकला एवं सुनियोजित नगर निर्माण के उत्कृष्ट उदाहरण हैं। इन पुराने शहरों की संरचना में जल निकासी, प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग और स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप निर्माण की ऐसी व्यवस्थाएं दिखाई देती हैं, जिनसे आज की पीढ़ी बहुत कुछ सीख सकती है। उन्होंने कहा कि जहां से भी बेहतर अनुभव और ज्ञान मिले, उसे ग्रहण किया जाना चाहिए। आधुनिक तकनीक और पारंपरिक ज्ञान के समन्वय से ही भविष्य के बेहतर शहरों का निर्माण संभव है। बिरला ने कहा कि 2027 में संसद के पुराने भवन के निर्माण को 100 वर्ष पूरे हो जाएंगे। यह भवन आज भी भारतीय स्थापत्य और निर्माण कौशल की उत्कृष्ट मिसाल है। उन्होंने भारतीय स्थापत्य परंपरा को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़ते हुए भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप विकास की आवश्यकता पर बल दिया।

कोटा स्टोन पर उकेरा जगमंदिर, लोकसभा अध्यक्ष को भेंट

इस अवसर पर लोकसभा अध्यक्ष को कोटा की पहचान कोटा स्टोन से निर्मित आकर्षक स्मृति चिह्न भेंट किया गया। करीब 8म5 इंच आकार और 250 ग्राम वजन के इस स्मृति चिह्न पर कोटा के प्रसिद्ध जगमंदिर की छवि उकेरी गई थी। कोटा के सुधीर जैन युवा गौरव एवं सौरभ गर्ग ने इसे तैयार किया। राजेश गुप्ता, संदीप, भुवनेश लाहोटी,सचिन शर्मा और जे.के. शर्मा सहित अन्य लोगों ने यह स्मृति चिह्न लोकसभा अध्यक्ष को भेंट किया। कोटा की स्थानीय पहचान को राष्ट्रीय स्तर के आयोजन से जोड़ने की दृष्टि से इसे विशेष पहल माना गया।

विरासत और भविष्य के शहर पर विशेषज्ञों का मंथन

'नेक्ससंगम-2026' का उद्देश्य वास्तुकला, अभियंत्रण, इंटीरियर डिजाइन, लैंडस्केप और नगर नियोजन से जुड़े विशेषज्ञों को एक मंच पर लाकर ज्ञान, अनुभव और नई तकनीकों का आदान-प्रदान करना है। आयोजन समिति के कमलेश शर्मा , आर्किटेक्ट पराग जैन आर्किटेक्ट श्रद्धा लाहोटी इंजीनियर सचिन शर्मा इंटीरियर राजविंदर कौर दीपिका शक्तवत् ने बताया कि सम्मेलन के माध्यम से कोटा की विरासत और भविष्य के शहरी विकास को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर विमर्श खड़ा करने का प्रयास किया गया है।

से टाउन प्लानिंग तक नई सोच

सम्मेलन के विभिन्न सत्रों में वास्तुकला में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, चंडीगढ़ की नगर नियोजन अवधारणा, कोटा की विरासत का विकास, लैंडस्केप डिजाइन, सामंजस्यपूर्ण डिजाइन और आधुनिक शहरों की बदलती आवश्यकताओं पर चर्चा हुई। 'वास्तुकला में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की शक्ति' विषय पर वास्तुविद नरेंद्र सिंह राठौड़ एवं जयपुर स्थित आयोजन स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर की शैक्षणिक अधिष्ठाता डॉ. अर्चना राठौड़ ने प्रस्तुति दी। उन्होंने डिजाइन प्रक्रिया में ह्व के बढ़ते उपयोग और भविष्य की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। चंडीगढ़ के वास्तुविद कपिल सेठिया ने चंडीगढ़ नगर नियोजन की अवधारणा और सुव्यवस्थित शहरी विकास की विशेषताओं पर चर्चा की। वहीं वास्तुविद निरुत्तम सिंह राठौड़, राजेश गुप्ता और ब्रजेश मुक्तावत ने कोटा की ऐतिहासिक विरासत, स्थापत्य पहचान और उसे पर्यटन से जोड़ने की संभावनाओं पर विचार रखे। गुरुग्राम के वास्तुविद राजीव खन्ना एवं रवीना खन्ना ने लैंडस्केप डिजाइन पर विचार रखे, जबकि ब्रजेश मुक्तावत एवं अभियंता मनीषा मुक्तावत ने सहयोग और सामंजस्यपूर्ण डिजाइन की आवश्यकता बताई।

कोटा की विरासत बनी विमर्श का केंद्र

वास्तुविद निरुत्तम सिंह राठौड़ ने कहा कि कोटा के पास ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत के साथ चंबल, मुकुंदरा, जल और जंगल जैसी प्राकृतिक संपदा भी है। आवश्यकता इस बात की है कि इन संसाधनों को संरक्षित करते हुए उन्हें प्रभावी तरीके से देश-दुनिया के सामने प्रस्तुत किया जाए। प्राकृतिक संपदा, ऐतिहासिक विरासत और सांस्कृतिक पहचान को पर्यटन से जोड़कर कोटा को नई पहचान दी जा सकती है।

9 अगस्त को विशेषज्ञ करेंगे विरासत कोटा का अनुभव

आर्किटेक्ट संदीप दंडवते कपिल तिवारी, विकास जैन रीमा गुप्ता पीयूष परेता शहनवाज ख़ान अंशिता गोयल इंटीरियर डिज़ाइनर अज़ीज़ बोहरा मनीषा शिवानानी तौसीफ़ अंसारी सम्मेलन के दूसरे दिन देशभर से आए विशेषज्ञ कोटा की वास्तविक विरासत और स्थापत्य से रूबरू होंगे। 'विरासत, अनुभव और विदाई' के तहत 'विजन कोटा–उद्देश्य के साथ मिशन' कार्यक्रम होगा। प्रतिभागियों को चित्रांकन, मार्गदर्शित शैक्षणिक भ्रमण और कोटा की विरासत एवं स्थापत्य की अनुभवात्मक यात्रा कराई जाएगी। इंजीनियर मनीष जैन ने कहा की 'नेक्ससंगम-2026' कोटा के लिए केवल एक वास्तु सम्मेलन नहीं, बल्कि शहर की विरासत, प्राकृतिक संपदा, स्थानीय संस्कृति और आधुनिक विकास को एक साझा दृष्टिकोण में देखने का अवसर है। कोटा स्टोन, कोटा डोरिया, चंबल, मुकुंदरा और ऐतिहासिक स्थापत्य को आधुनिक नगर नियोजन के साथ जोड़कर शहर को राष्ट्रीय स्तर पर एक विशिष्ट विरासत एवं पर्यटन गंतव्य के रूप में विकसित करने की संभावनाओं पर सम्मेलन में गंभीर विमर्श हुआ।

बाड़मेर में तीन दिवसीय आचार्य सम्मेलन शुरू, 243 आचार्य-आचार्याओं ने लिया भाग

स्मार्ट हलचल

बाड़मेर (चिमु धतरवाल)। आदर्श शिक्षण समिति बाड़मेर के तत्वावधान में आदर्श विद्या मंदिर उच्च माध्यमिक बाड़मेर में शनिवार से तीन दिवसीय आचार्य सम्मेलन का शुभारंभ हुआ। सम्मेलन में बायतु व बाड़मेर संकुल के विभिन्न विद्या मंदिरों से 243 आचार्य एवं आचार्याओं ने भाग लिया। सम्मेलन में शिक्षा, संस्कार, व्यक्तित्व विकास और सामाजिक समरसता सहित विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण एवं बौद्धिक सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। उद्घाटन सत्र में विद्या भारती जोधपुर प्रांत कार्यकारिणी सदस्य महेंद्र कुमार दवे ने संत रविदास के जीवन से प्रेरणा लेते हुए सामाजिक समरसता और समानता का संदेश दिया। इस दौरान श्रेष्ठ कार्य करने वाले आचार्यों का सम्मान किया गया तथा आदर्श विद्या मंदिर बाड़मेर की ई-पत्रिका के प्रथम अंक का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम में मोहनलाल जोशी, किशनाराम बिश्नोई सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

2.39 करोड़ के पुल का एप्रोच धंसा तो मौके पर पहुंचे मंत्री अधिकारियों को लगाई फटकार

जल्द मरम्मत के निर्देश; 40 हजार आबादी का आवागमन प्रभावित

स्मार्ट हलचल

खखरेरू/फतेहपुर विजयीपुर विकासखंड के बदनमऊ गांव के पास ससुर खदेरी नदी-2 पर करीब 2.39 करोड़ रुपये की लागत से बने पुल का एप्रोच मार्ग पहली ही तेज बारिश में धंसने के मामले में अब प्रशासनिक स्तर पर हलचल शुरू हो गई है। एप्रोच मार्ग क्षतिग्रस्त होने से करीब 40 हजार की आबादी का प्रमुख संपर्क मार्ग प्रभावित है। ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मामले को संज्ञान में लेते हुए दुग्ध विकास एवं पशुपालन मंत्री व क्षेत्रीय विधायक कृष्णा पासवान ने मंगलवार को मौके पर पहुंचकर क्षतिग्रस्त एप्रोच मार्ग का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर मौजूद संबंधित अधिकारियों से निर्माण कार्य और एप्रोच मार्ग के धंसने की जानकारी ली। स्थिति देखकर मंत्री ने अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई और एप्रोच मार्ग को जल्द दुरुस्त कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मंत्री कृष्णा पासवान ने कहा कि शासन की प्राथमिकता ग्रामीणों को सुगम और सुरक्षित आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराना है। करोड़ों रुपये खर्च होने के बाद यदि निर्माण कार्य बारिश में ही क्षतिग्रस्त हो जाए तो इसकी जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य में किसी भी स्तर की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि क्षतिग्रस्त एप्रोच मार्ग को जल्द से जल्द ठीक कराया जाए, ताकि लोगों को आवागमन में परेशानी न हो। मंत्री ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर भी अधिकारियों से जवाब-तलब किया। एप्रोच मार्ग धंसने के कारण बदनमऊ समेत आसपास के कई गांवों के लोगों का आवागमन प्रभावित है। ग्रामीणों का कहना है कि मार्ग क्षेत्र की करीब 40 हजार आबादी के लिए प्रमुख संपर्क मार्ग है। मार्ग क्षतिग्रस्त होने के बाद लोगों को जोखिम उठाकर निकलना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने एप्रोच मार्ग की मरम्मत के साथ निर्माण की गुणवत्ता की जांच कराने की भी मांग की है।

अब देखना होगा कि करोड़ों रुपये की लागत से बने पुल के एप्रोच मार्ग को कितनी जल्दी दुरुस्त कराया जाता है और निर्माण में लापरवाही की स्थिति में जिम्मेदारों पर क्या कार्रवाई होती है।

मुख्यमंत्री - भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में

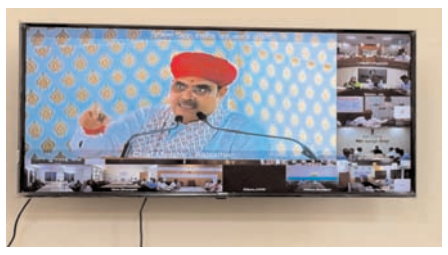

जन अभियोग एवं सतर्कता समिति की राज्य स्तरीय संवाद एवं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग आयोजित

(हरिप्रसाद शर्मा) पुष्कर/ अजमेर/मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में आज जन अभियोग एवं सतर्कता समिति की राज्य स्तरीय संवाद एवं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग आयोजित की गई। कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से अधिकारियों एवं समिति सदस्यों ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लिया। उपखण्ड पुष्कर से उपखण्ड अधिकारी पुष्कर की उपस्थिति में जन अभियोग एवं सतर्कता समिति के सदस्य भुवनेश पाठक, शक्ति सिंह राठौड़, अरुण वैष्णव, पुष्कर नारायण भाटी, सम्पत सुवाल,, मदन सिंह उर्फ माणकचंद उपस्थित रहे। इस दौरान आमजन से प्राप्त परिवादों एवं शिकायतों के प्रभावी निस्तारण, लंबित प्रकरणों के समयबद्ध समाधान तथा आमजन को शासन की योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ सुगमता से उपलब्ध कराने के संबंध में चर्चा की गई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आमजन की समस्याओं का संवेदनशीलता एवं प्राथमिकता के साथ त्वरित समाधान सुनिश्चित करने तथा जन अभियोगों के निस्तारण में किसी प्रकार की अनावश्यक देरी नहीं करने के निर्देश दिए। वीसी के दौरान दिए गए निर्देशों की पालना सुनिश्चित करने तथा आमजन की समस्याओं के प्रभावी निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

हरियाणा कैडर के IPS अधिकारी राजेंद्र कुमार मीणा को राष्ट्रीय आदिवासी एकता मंच में बड़ी जिम्मेदारी

DIG रैंक के अधिकारी एवं फरीदाबाद के जॉइंट CP को मानद राष्ट्रीय मुख्य सलाहकार की जिम्मेदारी, कानून-प्रशासन और सामाजिक न्याय के मामलों में देंगे मार्गदर्शन

स्मार्ट हलचल

नई दिल्ली। राष्ट्रीय आदिवासी एकता मंच ने हरियाणा कैडर के IPS अधिकारी राजेंद्र कुमार मीणा, जो वर्तमान में जॉइंट CP, फरीदाबाद के पद पर कार्यरत हैं और DIG रैंक के अधिकारी हैं, को संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी प्रदान करते हुए 'मानद राष्ट्रीय मुख्य सलाहकार–कानून, प्रशासन, सामाजिक न्याय एवं जनसुरक्षा' नियुक्त किया है। राष्ट्रीय आदिवासी एकता मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री यशवंत सिंह दरबार के निर्देशन में राष्ट्रीय महासचिव राकेश मीणा, वरिष्ठ पत्रकार ने IPS अधिकारी राजेंद्र कुमार मीणा की प्रशासनिक दक्षता, पुलिस सेवा के अनुभव और सामाजिक सरोकारों को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी प्रदान की।

कानून और प्रशासन से जुड़े मामलों में देंगे मार्गदर्शन

नवनियुक्त मानद राष्ट्रीय मुख्य सलाहकार राजेंद्र कुमार मीणा, IPS संगठन को कानून, प्रशासन, सामाजिक न्याय, जनसुरक्षा, नागरिक अधिकार, साइबर जागरूकता और सामाजिक सद्भाव से जुड़े विषयों पर मार्गदर्शन देंगे। उनकी भूमिका मानद एवं सलाहकारी रखी गई है। उनके प्रशासनिक एवं पुलिस सेवा के अनुभव का उपयोग आदिवासी समाज से जुड़े संवैधानिक अधिकारों, सामाजिक न्याय और जनजागरूकता के मुद्दों पर संगठन को बेहतर दिशा देने में किया जाएगा। राजेंद्र कुमार मीणा वर्तमान में फरीदाबाद में जॉइंट CP के रूप में जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। ष्ठद्धत्र रैंक के अधिकारी के रूप में पुलिस प्रशासन, कानून-व्यवस्था और जनसुरक्षा के क्षेत्र में उनका अनुभव राष्ट्रीय आदिवासी एकता मंच के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मंच का मानना है कि आदिवासी समाज से जुड़े अनेक विषय सीधे तौर पर संविधान, कानून, प्रशासन और सामाजिक न्याय से जुड़े हैं। ऐसे में पुलिस एवं प्रशासनिक क्षेत्र के वरिष्ठ अधिकारी का विशेषज्ञ मार्गदर्शन संगठन की नीतिगत क्षमता को और मजबूत कर सकता है।

आदिवासी समाज के मुद्दों को मिलेगी नई मजबूती

राष्ट्रीय आदिवासी एकता मंच की ओर से शिक्षा, रोजगार, सामाजिक सुरक्षा, संवैधानिक अधिकार, समान अवसर और सामाजिक सम्मान जैसे मुद्दों को राष्ट्रीय स्तर पर उठाने के प्रयास किए जा रहे हैं। राजेंद्र कुमार मीणा की नई जिम्मेदारी के माध्यम से मंच को कानून, प्रशासन और नागरिक सुरक्षा से जुड़े विषयों पर विशेषज्ञ दृष्टिकोण मिलने की उम्मीद है।

राष्ट्रीय नेतृत्व ने जताया विश्वास

राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री यशवंत सिंह दरबार ने राजेंद्र कुमार मीणा को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनका प्रशासनिक एवं पुलिस सेवा का अनुभव समाज और संगठन के लिए उपयोगी साबित होगा। राष्ट्रीय महासचिव राकेश मीणा, वरिष्ठ पत्रकार ने कहा कि DIG रैंक के अनुभवी IPS अधिकारी को मंच की राष्ट्रीय सलाहकार टीम में शामिल किया जाना संगठन के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उनके अनुभव से कानून, प्रशासन और सामाजिक न्याय से जुड़े विषयों पर संगठन को प्रभावी मार्गदर्शन मिलेगा। मंच ने विश्वास जताया कि राजेंद्र कुमार मीणा, IPS के अनुभव और मार्गदर्शन से आदिवासी समाज के संवैधानिक अधिकारों, सामाजिक न्याय और जनसुरक्षा से जुड़े अभियानों को नई दिशा और मजबूती मिलेगी।

एडिशनल एसपी का पीपलू दौरा, थाने में सीएलजी सदस्यों व पुलिस मित्रों की बैठक

स्मार्ट हलचल

पीपलू(नरेश कुरेडा) । नाथड़ी स्थित पीपलू थाने में सीएलजी सदस्यों एवं पुलिस मित्रों की बैठक अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रतनलाल भार्गव की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में सदस्यों ने शहर सहित क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं को लेकर एएसपी को अवगत कराया। सीएलजी सदस्यों ने वृत्त क्षेत्र में हुई चोरी की वारदातों का खुलासा करने, युवाओं में बढ़ती नशे की लत के चलते हो रही छिटपुट चोरियों पर सख्त कार्रवाई करने तथा बस स्टैंड पर यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने की मांग रखी। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भार्गव ने सदस्यों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई एवं समस्याओं के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुलिस और आमजन के आपसी समन्वय से ही क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को और बेहतर बनाया जा सकता है। बैठक में पीपलू पुलिस उपाधीक्षक रामावतार चौधरी ने साइबर फ्रॉड को लेकर लोगों को जागरूक करते हुए सतर्क रहने का आह्वान किया। इस दौरान थानाधिकारी रविश सामरिया, पूर्व प्रधान प्रतिनिधि सत्यनारायण चंदेल, सतर्कता समिति सदस्य दशरथ सिंह राजावत सहित सीएलजी सदस्य एवं थाना स्टाफ मौजूद रहा।

जहरीली हवा और प्रदूषित पानी से तबाह हुआ सरकना

श्री सीमेंट फैक्ट्री के खिलाफ फूटा ग्रामीणों का गुस्सा, मुआवजे और विस्थापन की मांग

स्मार्ट हलचल

अनिल कुमार ब्यावर। श्री सीमेंट फैक्ट्री द्वारा फैलाए जा रहे भीषण प्रदूषण और जहरीले रसायनों के विरोध में सरकना गाँव के ग्रामीणों का गुस्सा अब फूट पड़ा है। 'मगरा बचाओ आंदोलन' के तहत संघर्ष समिति और ग्रामीणों का अनिश्चितकालीन धरना शनिवार को लगातार 5वें दिन भी जारी रहा। इस दौरान संघर्ष समिति ने एक प्रेस वार्ता आयोजित कर फैक्ट्री प्रबंधन के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए और साक्ष्य सार्वजनिक किए।

7 लोगों की मौत, मवेशी और खेती तबाह

प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए एडवोकेट रहमत काठात ने बताया कि श्री सीमेंट फैक्ट्री द्वारा बेखौफ तरीके से जानलेवा केमिकल्स का उपयोग किया जा रहा है। इसका निस्तारण बिना किसी सुरक्षा मानकों के सीधे खेतों और जल स्रोतों में किया जा रहा है। ग्रामीणों ने जल परीक्षण (वाटर टेस्ट) रिपोर्ट दिखाते हुए दावा किया कि क्षेत्र का पानी अब बिल्कुल भी पीने योग्य नहीं बचा है। हवा में फैले प्रदूषण से लोगों का दम घुट रहा है और सांस की गंभीर बीमारियों के चलते अब तक 7 लोगों की अकाल मृत्यु हो चुकी है। इसके अलावा, दूषित पानी पीने से हजारों मवेशियों और मछलियों की जान जा चुकी है, जबकि केमिकल भरने से उपजाऊ खेत पूरी तरह नष्ट हो गए हैं।

संघर्ष समिति की प्रमुख मांगें

मुआवजा और विस्थापनः प्रभावित किसानों को नष्ट हुई फसलों व जमीनों का तुरंत मुआवजा दिया जाए तथा प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थान पर बसाया जाए।

सार्वजनिक हो रिपोर्ट कंपनी प्रबंधन सार्वजनिक करे कि उसने कितने स्थानीय युवाओं को रोजगार दिया है। साथ ही राजस्थान प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की जांच रिपोर्ट को भी सार्वजनिक किया जाए।

'श्रमिकों से कोई बैर नहीं, यह अस्तित्व की लड़ाई है '

स्वास्थ्य प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष इकबाल काठात ने श्रमिक संगठनों के आरोपों को खारिज करते हुए साफ किया कि ग्रामीणों का मकसद न तो फैक्ट्री बंद कराना है और न ही कामगारों को काम पर जाने से रोकना है। यह लड़ाई सीधे तौर पर प्रबंधन की लापरवाही और ग्रामीणों के जीवित रहने के अधिकार को लेकर है।

इस आंदोलन को स्थानीय जनप्रतिनिधियों का भी व्यापक समर्थन मिल रहा है।

पत्रकार वार्ता में ये सभी जनप्रतिनिधि और ग्रामीणों के साथ प्रेस वार्ता के दौरान आंदोलन को अपना समर्थन देने पहुंचे अतीतमंड सरपंच दुष्यंत सिंह रावत, बलाड़ सरपंच जसवंत बाना, खीमपुरा सरपंच लालसिंह, पंचायत समिति सदस्य भग्गू सिंह, अमीन काठात लूलवा, लूलवा वार्ड पंच अमजद काठात, मुकेश काठात शिवपुरा घाटा, सलीम काठात लसाड़िया, मुस्कान काठात, आजाद काठात, हमीद काठात, अमन काठात, भरत खरवा, अजमत काठात, फारूक काठात, अनिल काठात चिताड़, मुस्कान बानो और फिरोज काठात रावला बाड़िया समेत कई सदस्य उपस्थित रहे।

संत रविदास जयंती पर कलश रथ यात्रा का स्वागत, पुष्प वर्षा कर किया अभिनंदन

गंगापुर। संत शिरोमणि रविदास जी महाराज की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में चल रहे समरसता संकल्प अभियान के तहत कलश रथ यात्रा के गंगापुर आगमन पर शिवरती गेट पर भव्य स्वागत किया गया। नगर अध्यक्ष अमित तिवाड़ी के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं एवं समाजबंधुओं ने कलश रथ यात्रा पर पुष्प वर्षा कर श्रद्धा एवं सम्मान व्यक्त किया। इस दौरान कलश पर माल्यार्पण कर संत रविदास जी महाराज को पुष्पांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में विधायक लादू लाल पीतलिया एवं एससी मोर्चा जिला अध्यक्ष घनश्याम सिंगीवाल का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।नगर अध्यक्ष अमित तिवाड़ी ने कहा कि संत रविदास जी महाराज ने अपने जीवन और विचारों से समाज को समानता, भाईचारे और सामाजिक समरसता का संदेश दिया। उनके आदर्श आज भी समाज को एकजुट करने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि संत रविदास जी के बताए मार्ग पर चलकर सामाजिक सद्भाव, एकता और समरसता को मजबूत करना हम सभी की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में रथ यात्रा संयोजक तेजप्रताप सिंह, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष राजेश चौधरी, पूर्व पालिका अध्यक्ष ओमप्रकाश चंदेल, नगर उपाध्यक्ष जमनेश खटीक, एससी मोर्चा अध्यक्ष अरुण टांक, सत्तू उस्ताद, संजय अग्रवाल, निखिल माहेश्वरी, मुकेश रैगर, देवी लाल खटीक, राहुल खटीक, कैलाश रैगर, कन्हैया लाल सेन, नारायण गाडरी सहित भाजपा कार्यकर्ता एवं समाजबंधु मौजूद रहे। इस अवसर पर उपस्थित कार्यकर्ताओं एवं समाजबंधुओं ने संत रविदास जी महाराज के आदर्शों को आत्मसात करते हुए सामाजिक एकता, भाईचारे और समरसता को मजबूत करने का संकल्प लिया।

ईरान ने जारी की फाइटर जेट के मलबे की तस्वीरें

ईरान ने अमेरिका को युद्ध में हुए नुकसान के दिए सबूत

अप्रैल की शुरुआत में ईरान ने अमेरिका के इस विमान को मार गिराया था

● तेहरान

ईरानी सरकारी मीडिया ने अमेरिका-ईरान जंग में नष्ट हुए विमानों के मलबे की तस्वीरें जारी की हैं। इनमें अमेरिकी वायुसेना के एफ-15ई स्ट्राइक ईगल का मलबा भी शामिल है। तस्वीरों में विमान का ऊपरी कवर और एसीईएस-2 इजेक्शन सीट साफ दिखाई दे रही है।

तस्वीरों में नजर आ रहे निशानों के आधार पर इस एफ-15ई की पहचान विमान संख्या 00-3000 के तौर पर की गई है। यह विमान डीयूडीई 44 से जुड़ा है, जिसे अप्रैल की शुरुआत में ईरान के ऊपर मार गिराया गया था। एफ-15ई स्ट्राइक ईगल 00-3000 पहले भी चर्चा में रहा है। 2023-24 की तैनाती के दौरान इस विमान ने एआईएम-9एक्स साइडवाइंडर मिसाइलों से कम से कम नौ ड्रोन मार गिराए थे। ईरान की ओर से जारी तस्वीरों में विमानों के मलबे को जमीन के नीचे बने कमरों में प्रदर्शित किया है। एफ-15ई के साथ एमक्यू-1 प्रीडेटर और एमक्यू-9 रीपर ड्रोन का मलबा भी प्रदर्शनी में रखा गया है। एमक्यू-1 के नुकसान में अमेरिकी सेना का एमक्यू-1सी ग्रे ईगल संस्करण भी शामिल था।

प्रदर्शनी में विमानों के अवशेष

डीयूडीई-44 का यह एफ-15ई ब्रिटेन के आरएएफ लैकेनहीथ स्थित 48वें लड़ाकू विमान दल का था। लैकेनहीथ ने ऑपरेशन एपिक फ्यूरी के लिए अपने आधे से ज्यादा सक्रिय लड़ाकू विमान भेजे थे, जिनमें एफ-15ई स्ट्राइक ईगल और एफ-35ए लाइटनिंग-2 शामिल थे। तस्वीरों में एसीईएस-2 इजेक्शन सीट विमान के सबसे ज्यादा सुरक्षित हिस्सों में से एक दिखाई देती है। इसके अलावा प्रदर्शनी में इजराइली हर्मीस ड्रोन का मलबा भी रखा गया है। इनमें हर्मीस 900 का सीरियल नंबर 923 भी शामिल है, जिसे मार्च में हथियारों के साथ मार गिराया गया था। इसमें सी-130 विमानों के अवशेष भी प्रदर्शनी में शामिल हो सकते हैं, हालांकि तस्वीरों में उनकी तुरंत पहचान नहीं हो सकी है।

यूएई का दावा, ईरान ने अबू धाबी के टैंकर को बनाया निशाना

आबूधाबी। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने शनिवार को दावा किया कि ईरान ने होर्मुज़ स्ट्रेट से गुजर रहे उसके एक तेल टैंकर को निशाना बनाया।बीबीसी फ़ारसी के मुताबिक़, यूएई के विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर होर्मुज़ स्ट्रेट से गुज़र रहे अबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी (एडीएनओसी) के तेल टैंकर पर ईरान के मिसाइल हमले की निंदा की। मंत्रालय के मुताबिक़, इस हमले में किसी की मौत या घायल होने की ख़बर नहीं है। एडीएनओसी ने शुक्रवार को बताया था कि युद्ध शुरू होने के बाद से होर्मुज़ स्ट्रेट से गुज़रते समय उसके 15 जहाज़ों को मिसाइल और ड्रोन हमलों का सामना करना पड़ा है। कंपनी के मुताबिक़, इनमें से तीन हमले पिछले एक हफ़्ते के दौरान हुए हैं।

शटडाउन से बचने यूएस सीनेट ने अंतरिम फंडिंग बिल को दी मंजूरी

वॉशिंगटन, आरएनएन। यूएस सीनेट ने शनिवार को संघीय सरकार के कामकाज को 11 दिसंबर तक सुचारू रूप से चलाने के लिए एक स्टॉपगैप (अंतरिम) फंडिंग बिल को मंजूरी दे दी। मध्यावधि चुनावों से पहले सरकारी शटडाउन की स्थिति से बचने की कोशिशों के तहत इस विधेयक को अब प्रतिनिधि सभा के पास भेजा गया है। 90-6 के भारी बहुमत से पारित यह विधेयक 30 सितंबर को वित्तीय वर्ष की समाप्ति

11 दिसंबर तक सुचारू रूप से चलाने की कवायद

के बाद हफ्तों के लिए मौजूदा फंडिंग स्तर को बनाये रखेगा। अगस्त के ग्रीष्मकालीन अवकाश पर जाने से पहले प्रतिनिधि सभा पहले ही अपना प्रस्ताव पारित कर चुकी थी, जो सरकार को दिसंबर तक फंड प्रदान करता है। हालांकि, रिपा के उस उपाय को डेमोक्रेटों के भारी विरोध का सामना करना पड़ा था। स्पीकर माइक जॉनसन को अब यह फैसला करना होगा कि 31 अगस्त को पांच सप्ताह के अवकाश से लौटने के बाद प्रतिनिधि सभा के पटल पर सीनेट के इस प्रस्ताव को लाया जाये या नहीं।

ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा की हालत बेहद नाजुक, मौत तक की उड़ी अफवाहें

● तेहरान

ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई की हालत बेहद नाजुक है और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इजरायली मीडिया ने यह दावा किया है। मोजतबा खामेनेई की मौत तक की अफवाहें फैलाई जा रही हैं। हालांकि, इनकी स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो पाई है। यह खबर ऐसे समय सामने आई है जब ईरान में मोजतबा खामेनेई की सेहत और उनके सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आने को लेकर पहले से ही कई तरह की अटकलें लग रही हैं।

ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने भी हाल ही में कहा था कि इस समय मोजतबा खामेनेई से सीधे संपर्क करना बहुत मुश्किल है। इजराइली मीडिया चैनल 14 ने ईरान के अंदर मौजूद सूत्रों के हवाले से मोजतबा खामेनेई की हालत को गंभीर बताया है। इससे पहले राष्ट्रपति पेजेशकियन के प्रशासन के करीबी सूत्रों के हवाले से एक दावा किया गया था।

इसमें कहा गया कि ईरानी शासन के टॉप लेवल पर उनकी हालत को लेकर बेहद गंभीर स्थिति की चर्चा चल रही है। एक सूत्र ने यहां तक कहा कि अगर जल्द ही उनकी मौत की खबर सामने आए तो इसमें हैरानी नहीं होगी। हालांकि, यह ध्यान रखना जरूरी है कि ये सभी दावे मीडिया रिपोर्टों और अनाम सूत्रों पर आधारित हैं, इसलिए इन्हें अभी पुष्ट खबर नहीं माना जा सकता।

अमेरिका- इजराइल के हमलों में पिता की मौत

मोजतबा खामेनेई ने अपने पिता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद ईरान के सर्वोच्च नेता का पद संभाला था। फाइल में दी गई रिपोर्ट के मुताबिक, 28 फरवरी को हुए अमेरिका-इजरायल के संयुक्त सैन्य हमलों में उनके पिता की मौत के बाद उन्हें यह जिम्मेदारी मिली। इसके बाद से मोजतबा खामेनेई सार्वजनिक रूप से दिखाई नहीं दिए हैं और उनके संदेश मुख्य रूप से लिखित बयानों के जरिए सामने आए हैं। रिपोर्टों में दावा किया गया है कि शुरुआती हमलों में वह भी घायल हुए थे और सुरक्षा कारणों से छिपकर रह रहे हैं। मोजतबा खामेनेई की गैरमौजूदगी ने ईरान के नेतृत्व और देश की राजनीतिक स्थिरता को लेकर सवाल बढ़ा दिए हैं। अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय मीडिया में उनकी लोकेशन व फैसले लेने की क्षमता को लेकर अलग-अलग दावे सामने आते रहे हैं। जुलाई में सऊदी मीडिया ने एक इजरायली सुरक्षा सूत्र के हवाले से दावा किया था कि वह ईरान में नहीं हैं। वहीं, ईरानी अधिकारियों ने पहले उनकी चोटों की गंभीरता को कम करके बताया था और कहा था कि वह रणनीतिक फैसलों व शासन संबंधी निर्देशों पर निगरानी बनाए हुए हैं। इसलिए फिलहाल मोजतबा खामेनेई के अस्पताल में भर्ती होने और उनकी हालत बेहद गंभीर होने की खबर को दावे के तौर पर ही देखा जाना चाहिए।

सिद्धिविनायक मंदिर : उच्च स्तरीय जांच के दिए आदेश

मुंबई, आरएनएन। महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने सबसे सम्मानित धार्मिक स्थलों में से एक श्री सिद्धिविनायक मंदिर में कथित वित्तीय गड़बड़ियों पर कार्रवाई करते हुये दान के तौर पर इकट्ठा की गयी रकम की व्यापक और उच्च-स्तरीय जांच के आदेश दिये हैं।

दान में गड़बड़ी का मामला

सरकार का यह आदेश एमएनएस प्रमुख राज ठाकरे द्वारा लगाए गये भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों के बाद आया है। सूत्रों के अनुसार ठाकरे ने यह दावा किया था कि मंदिर के दान-पात्रों से हर साल भारी-भरकम 18 करोड़ रुपये की हेराफेरी की जा रही है। राज्य के सभी अधिकारियों को पिछले पांच वर्षों (2023-2026) के दौरान मंदिर में आए दान और हुंडी (दान-पात्र) से इकट्ठा हुई रकम के विस्तृत रिकॉर्ड की जांच करने का निर्देश दिया गया ह।

प्रधानमंत्री मोदी को आया यूएस उपराष्ट्रपति जेडी वेंस का फोन

इंडो-यूएस रणनीतिक साझेदारी बढ़ाने पर चर्चा

● नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी और यूएस उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के बीच शनिवार को फोन पर बातचीत हुई। वेंस ने खुद पीएम नरेंद्र मोदी को फोन किया। दोनों नेताओं ने भारत-यूएस की व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए वार्ता की जानकारी दी।

वार्ता के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जे.डी. वेंस और उनकी पत्नी उषा वेंस को बेटे के जन्म पर बधाई दी। उन्होंने पूरे परिवार के लिए शुभकामनाएं भी दीं। यह वार्ता ऐसे समय हुई है जब अमेरिकी सांसद रिले मूर ने भारत के विदेशी चंदा कानून (एफसीआरए) में प्रस्तावित बदलावों पर चिंता जताई थी।

मूर ने दावा किया था कि इन बदलावों का असर चर्च और धार्मिक संस्थाओं पर पड़ सकता है. उन्होंने इसे ईसाइयों के खिलाफ कदम बताया था।

भारत के विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को इस बयान पर प्रतिक्रिया दी थी. मंत्रालय ने कहा था कि भारत के कानूनों में बदलाव करना देश का आंतरिक मामला है. साथ ही यह भी बताया था कि अमेरिका समेत कई देशों में विदेशी फंडिंग को लेकर अपने कानून हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दामाद निजी यात्रा पर केरल पहुंचे

● अलाप्पुझा (केरल)

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दामाद और प्रमुख अंतरराष्ट्रीय व्यवसायी माइकल बॉलोस आठ सदस्यीय टीम के साथ शनिवार को निजी यात्रा पर अलप्पुझा पहुंचे। ट्रम्प की बेटी टिफनी ट्रम्प के पति बॉलोस शनिवार सुबह चार्टर्ड विमान से कोच्चि पहुंचे और वहां से अलप्पुझा के लिए रवाना हुए। यूएस वाणिज्य दूतावास अधिकारी भी उनके साथ थे। उनकी यात्रा का मुख्य उद्देश्य अलाप्पुझा की यहां के प्रसिद्ध बैकवाटर्स का आनंद लेना है। बॉलोस और उनकी टीम ने हाउसबोट की सवारी की। नेहरू ट्रॉफी बोट रेस की तैयारियों के तहत की जा रही चुंडन वल्लम (स्नेक बोट) की नौकायन प्रैक्टिस देखने का भी उनका कार्यक्रम है। शाम को जिले से रवाना होने से पहले बॉलोस का अलप्पुझा व आसपास के कुछ प्रमुख पर्यटक स्थलों का दौरा करने का भी कार्यक्रम है।

कोच्चि में सीएम ने की उच्च स्तरीय बैठक

इस बीच केरल के सीएम वीडी सतीशन ने शनिवार को भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गौर के साथ कोच्चि में उच्च स्तरीय बैठक की, जिसमें केरल-अमेरिका के बीच सहयोग मजबूत करने के रणनीतिक अवसरों पर चर्चा की गयी। राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में हुई इस बैठक में दीर्घकालिक द्विपक्षीय विकास की संभावनाओं वाले क्षेत्रों जैसे शिक्षा एवं नवाचार, पर्यटन व संस्कृति, समुद्री लॉजिस्टिक्स एवं बंदरगाह और निवेश प्रोत्साहन पर ध्यान केंद्रित किया गया। शिक्षा और नवाचार पर हुई चर्चा केरल-अमेरिका के संस्थानों के बीच संयुक्त अनुसंधान कार्यक्रमों, विवि साझेदारी और शैक्षणिक आदान-प्रदान के विस्तार पर केंद्रित थी।

भारत के गिफ्ट 5 मोर यूएन ऑफिस पहुंचे

● जिनेवा

यूएन ने भारत द्वारा उपहार में दिए पांच युवा मोरों का पैलेस आफ नेशंस स्थित परिसर में स्वागत किया है, जिससे इस स्थल पर चली आ रही एक पुरानी परंपरा जारी है। यूएन स्थित न्यूयार्क में भारत के स्थायी मिशन ने इस उपहार को भारत और यूएन साझेदारी का एक नया आयाम बताया। मिशन ने एक्स पोस्ट में लिखा कि साझेदारी का एक नया आयाम- यूएन जिनेवा को युवा मोरों का उपहार। पोस्ट में आगे लिखा कि राष्ट्रीय पक्षी होने के नाते, मोर हर

भारतीय के दिल में एक विशेष स्थान रखते हैं। उपहार का स्वागत करते हुए, संयुक्त राष्ट्र जिनेवा ने लिखा कि पांडा कूटनीति को भूल जाइए: पांच युवा मोर संयुक्त राष्ट्र जिनेवा पहुंच गए हैं। जो भारत द्वारा उपहार स्वरूप दिए गए हैं और संयुक्त राष्ट्र से भी पुरानी परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। जिनेवा के सबसे नए और आकर्षक राजनयिकों से मिलिए।

रांची के छात्रों को मिला कॉकरोच पार्टी का साथ

देवेंद्रनाथ महतो से मिला डेलिगेशन

● रांची/

झारखंड में सरकारी नौकरियों की भर्ती परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों और पेपर लीक को लेकर छात्रों का आंदोलन शनिवार को तेज हो गया है। इस विरोध प्रदर्शन के बीच कॉकरोच जनता पार्टी सीजेपी का एक प्रतिनिधिमंडल रांची में प्रदर्शन स्थल पर पहुंचा। सीजेपी ने छात्रों के प्रति पूरी एकजुटता की घोषणा की।

पार्टी ने साफ किया है कि वह इस आंदोलन में छात्रों को हरसंभव मदद देंगे। झारखंड में भर्ती परीक्षाओं की अनियमितताओं के खिलाफ चल रहे इस आंदोलन के बीच सीजेप के प्रवक्ता आशुतोष रांका ने कहा कि पार्टी पूरी दृढ़ता के साथ छात्रों के साथ खड़ी है। मुकेश और अक्षय शिंदे के नेतृत्व में पार्टी का प्रतिनिधिमंडल रांची पहुंचा है, ताकि चल रहे इस आंदोलन के दौरान छात्रों की हरसंभव मदद की जा सके।

बेनतीजा रही वार्ता

झारखंड सरकार ने बढ़ते विरोध को शांत करने के लिए शनिवार को कई छात्र समूहों के साथ बैठक की। राज्य के मंत्रियों वाली 5 सदस्यीय समिति ने सबसे पहले जेएलकेएम नेता देवेंद्र नाथ महतो के नेतृत्व वाले प्रदर्शनकारियों से मुलाकात की, जो सात दिन से भूख हड़ताल पर बैठे हैं। इसके बाद समिति ने कांग्रेस समर्थित एनएसयूआई, एसीएस और जेसीएम के प्रतिनिधियों के साथ भी अलग-अलग बैठकें कीं।

कर्नाटक के कांग्रेस नेता का दिनदहाड़े मर्डर

बेंगलुरु, आरएनएन। कर्नाटक में कांग्रेस नेता और कारोबारी डेविड डिसूजा की शुक्रवार को सरेआम दो बाइक सवार युवकों ने हत्या कर दी थी। हत्या के मुख्य आरोपी शूटर उप्र निवासी राजू को बिंदूर के पास ओट्टिनने इलाके में पुलिस की मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस मुठभेड़ में मुख्य शूटर गिरफ्तार

मामले में दो अन्य आरोपी मौके से फरार होने में कामयाब हो गए, हालांकि पुलिस उनकी तलाश में जुटी है। आरोपी राजू ने जब कथित तौर पर पुलिस टीम पर हमला किया तो पुलिस ने अपने बचाव में आरोपी पर गोली चलाई। आरोपी के दाहिने पैर में गोली लग गई।

नेपाल में मेडिकल यूज के लिए गांजा लीगल

● काठमांडू

नेपाल के बिहार से सटे एक राज्य ने मेडिकल यूज के लिए गांजा की खेती और इस्तेमाल को लीगल कर दिया। इसके साथ ही गंडकी नेपाल का ऐसा पहला राज्य बन गया है, जिसने मेडिकल जरूरतों के लिए कैनाबिस की खेती को कानूनी मंजूरी दी है।

गंडकी की सीमा बिहार के पश्चिम चंपारण जिले के वाल्मीकिनगर से लगती है। बिहार में शराब-गांजा की बिक्री और सेवन पर रोक है। ऐसे में अब सीमा के दोनों तरफ नशे को लेकर बिल्कुल अलग पॉलिसी बन गई हैं। नेपाल के गंडकी प्रॉविन्स ने यह नियम किसी आदेश के जरिए पारित नहीं किया है। इसे बाकायदा स्टेट एसेम्बली में बिल पास कर बनाया है। इसी साल 9 जुलाई को राज्य की इंडस्ट्री और टूरिज्म मिनिस्टर यशोदा रिमाल ने

एसेम्बली में मेडिकल एंड इंडस्ट्रीयल पपर्स मारिजुआना कल्टीवेशन (रेगुलेशन एंड मैनेजमेंट) बिल पेश किया था। 14 जुलाई को इसे गवर्नर डिल्लराज भट्ट के पास भेजा गया। गवर्नर ने पहले सेंट्रल लॉ नारकोटिक ड्रग्स कंट्रोल एक्स, 1976 का हवाला देते हुए रोक दिया। हालांकि,इसके बावजूद 31 जुलाई को यह बिल बिना किसी बदलाव के पारित कर दिया गया।

ट्रम्प के पूर्व निजी वकील टॉड ब्लांच बने यूएस अटॉर्नी जनरल

● वाशिंगटन

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के पूर्व निजी वकील टॉड ब्लांच को नया यूएस अटॉर्नी जनरल नियुक्त किया गया है। वह देश के शीर्ष कानून प्रवर्तन अधिकारी होंगे।

ब्लांच के नाम की पुष्टि सीनेट में हुई

ब्लांच के नाम की पुष्टि सीनेट में 50-49 वोट से हुई। रिपब्लिकन सीनेटर सुसान कॉलिन्स और लिसा मुर्कोव्स्की ने उनके खिलाफ वोट किया। वहीं, सीनेटर बिल कैसिडी निर्णायक वोट साबित हुए। उन्होंने कहा कि उनका मानना है कि राष्ट्रपति ट्रम्प की ओर से पेश विकल्पों में ब्लांश सबसे बेहतर हैं। कैसिडी के फैसले पर सबकी नजरें थीं, क्योंकि ट्रम्प और इस रिपब्लिकन सीनेटर के बीच मतभेद हैं। ब्लांच की नियुक्ति से सीनेट के रिपब्लिकन सदस्यों और ट्रम्प प्रशासन के बीच जारी गतिरोध भी ख़त्म हो गया।

आज का इतिहास

- 1173: पीसा के लीनिंग टॉवर का निर्माण कार्य शुरू हुआ।
- 1483: वेटिकन का सिस्टिन चैपल प्रार्थना के लिए खुला।
- 1683: एक आदेश के जरिए ब्रिटिश राजशाही ने ईस्ट इंडिया कंपनी को एशिया में युद्ध अथवा शांति की घोषणा का अधिकार दिया।
- 1788: गुलाम कादिर ने दिल्ली के सुलतान शाह आलम द्वितीय की आंख में अपना खंजर घोंपकर उसे अंधा कर दिया।
- 1830: लुई फिलिप फ्रांस के राजा बने।
- 1831: अमेरिका में पहली बार स्टीम इंजन ट्रेन चली।
- 1892: थॉमस अल्वा एडिसन ने टू-वे टेलिग्राफ का पेटेंट कराया।
- 1910: अल्वा फिशर ने बिजली से चलने वाली वाशिंग मशीन का पेटेंट हासिल किया।

पुरानी हवेली

आरोपियों के अचानक अमीर बनने से खुला राज, अब तक पांच लोग गिरफ्तार

जयपुर में हवेली की तुड़ाई में मिला करोड़ों का खजाना

● जयपुर

राजधानी में एक पुरानी हवेली की तुड़ाई के दौरान सामने आए खजाने की कहानी अब फिल्मी पटकथा जैसी लगती है। माणक चौक इलाके में मलबे से निकली चांदी की सिल्लियां, सोने के सिक्के और हजारों पुराने चांदी के सिक्कों के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 1.75 करोड़ रुपए मूल्य की 66.400 किलो चांदी की सिल्लियां बरामद की हैं।

यह मामला 15 जुलाई 2026 को माणक चौक थाने में दर्ज हुआ था। पुलिस के अनुसार, विद्याधर का रास्ता स्थित एक पुरानी हवेली को गिराकर नया निर्माण कराया जा रहा था। तुड़ाई के दौरान मलबे में बड़ी मात्रा में कीमती सामान मिलने की बात सामने आई, जिसके बाद पूरे मामले ने सनसनी फैला दी थी।

10-15 चांदी की सिल्लियां, स्वर्ण कलश मिले

हालांकि, बाद में राहुल सेठी को जानकारी मिली कि तुड़ाई के दौरान मलबे से लगभग 10-15 चांदी की सिल्लियां, जिनका वजन करीब 40-45 किलो था, 14-15 स्वर्ण कलश जिनमें सोने के सिक्के भरे हुए थे, लगभग 8-10 हजार पुराने चांदी के सिक्के और अन्य बहुमूल्य संपत्ति मिली थी। आरोप है कि महेश मल्होत्रा ने यह सामान अपने सहयोगियों अनुज, जगदीश, रजनी, रेहान, सुल्तान और पप्पू अजमेरा के साथ मिलकर खुदबुर्द कर लिया। आरोप है कि कीमती सामान मिलने के बाद इसे मालिक को देने के बजाय अपने साथियों के साथ मिलकर छिपाने और बेचने की योजना बनाई गई। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने कथित तौर पर करीब 10-15 चांदी की सिल्लियां, जिनका वजन लगभग 40-45 किलो बताया गया, 14-15 सोने के सिक्के और करीब 8-10 हजार पुराने चांदी के सिक्के समेत अन्य कीमती सामान अपने कब्जे में ले लिया।

हवेली मालिक ने रखी थी ये शर्त

पुलिस के अनुसार, परिवादी राहुल सेठी ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि उनकी पुरानी बिल्डिंग को तोड़कर नया भवन बनाने के लिए एक फर्म के साथ एग्रीमेंट किया गया था। फर्म की ओर से तुड़ाई का काम महेश मल्होत्रा उर्फ छोटू को सौंपा गया था। शिकायत में कहा गया कि भवन तुड़ाई शुरू होने से पहले राहुल सेठी ने महेश मल्होत्रा को साफ कहा था कि यदि तोड़फोड़ के दौरान कोई भी कीमती सामान निकलता है तो उसे तत्काल उन्हें सौंप दिया जाए।

पश्चिम रेलवे के पीसीसीएम ने कर्मियो से किया संवाद

उत्कृष्ट कार्य : 3 अफसर, 32 कर्मी पुरस्कृत

● अहमदाबाद

पश्चिम रेलवे के वाणिज्य विभाग में कार्यरत रेल कर्मियों के साथ संवाद कार्यक्रम का आयोजन शनिवार को डीआरएम ऑफिस, अहमदाबाद में किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व तरुण जैन, प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक (पीसीसीएम), पश्चिम रेलवे द्वारा किया गया। इस संवाद कार्यक्रम में पश्चिम रेलवे के विभिन्न मंडलों से वाणिज्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से सहभागिता की। संवाद के दौरान पैसेंजर मार्केटिंग, टिकट बुकिंग, आरक्षण, टिकट चेकिंग, कैटरिंग व राजस्व वृद्धि से संबंधित अहम विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। विभाग में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 3 अफसरों एवं 32 कर्मियों को जैन ने मेरिट सर्टिफिकेट दे सम्मानित किया।

संक्षिप्त समाचार

एमिलियो गे चोटिल

पाकिस्तान टेस्ट सीरीज से पहले इंग्लैंड की मुश्किल बढ़ी

नई दिल्ली। नई दिल्ली पाकिस्तान के खिलाफ इंग्लैंड को तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। शुरुआती 2 टेस्ट मैचों के लिए इंग्लैंड टीम की घोषणा हो चुकी है। टीम की घोषणा के ठीक बाद इंग्लैंड टीम की मुश्किल बढ़ गई है। सलामी बल्लेबाज एमिलियो गे डरहम के लिए खेलते हुए अपना दाहिना कंधा इंजर्ड कर चुके हैं। इंजरी की वजह से गे को रिटायर हर्ट

होना पड़ा। एमिलियो की इंजरी अगर ज्यादा गंभीर होती है, तो इंग्लैंड को नए ओपनर की तलाश करनी होगी। डरहम के लिए गे जब 17 गेंदों पर 9 रन बनाकर खेल रहे थे, उसी समय उन्हें इंजरी की वजह से मैदान से बाहर ले जाया गया। टीम के एक प्रवक्ता ने बताया कि गे मैच में आगे हिस्सा नहीं लेंगे। उनकी इंजरी कितनी गंभीर है, इसका पता लगाने के लिए उनका स्कैन किया जाएगा। न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में ओपनर जैक क्रॉली की जगह एमिलियो को इंग्लैंड टीम में जगह दी गई थी। न्यूजीलैंड सीरीज में एमिलियो ने 2 अर्धशतक लगाया था। एमिलियो से पहले इंग्लैंड के जैकब बेथेल के रूप में एक बड़ा झटका पहले ही लग चुका है। बेथेल दाहिने घुटने की चोट के कारण पाकिस्तान टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं। इसके अलावा बेन स्टोक्स के संन्यास की वजह से भी इंग्लैंड टेस्ट टीम कमजोर हुई है। मौजूदा इंग्लैंड टीम में बेन डकेट के साथ ओपनिंग करने के लिए फिलहाल कोई दूसरा विकल्प नहीं है। ओली पोप टीम में अकेले अतिरिक्त बल्लेबाज हैं। लॉरेंस का 2024 में पिछला स्टिंट श्रीलंका के खिलाफ ओपनर के तौर पर तीन टेस्ट के साथ खत्म हुआ था, जब क्रॉली उंगली टूटने की वजह से बाहर हो गए थे। एमिलियो गे की इंजरी अगर ज्यादा गंभीर होती है, तो उनके विकल्प के रूप में इंग्लैंड टीम में डरहम के ही बेन मैकिनी या ग्लैमरगन के आसा ट्राइब को जगह मिल सकती है।

विनिसियस जूनियर ने रियल मैड्रिड के साथ बढ़ाया कॉन्ट्रैक्ट

2032 तक क्लब के लिए खेलेंगे

मैड्रिड। स्टार खिलाड़ी विनिसियस जूनियर ने रियल मैड्रिड फुटबॉल क्लब के साथ अपना कॉन्ट्रैक्ट बढ़ाने का फैसला किया है। वह अब जून 2032 तक क्लब के लिए खेलते नजर आएंगे। फुटबॉल क्लब ने एक बयान में कहा, 'रियल मैड्रिड और विनिसियस जूनियर कॉन्ट्रैक्ट को बढ़ाने पर सहमत हो गए हैं, जो उन्हें 30 जून 2032 तक क्लब से जोड़े रखेगा।' इस कॉन्ट्रैक्ट के बढ़ने से विनिसियस के भविष्य को लेकर महीनों से चल रही अटकलें खत्म हो गईं। स्पेनिश

मीडिया ने 26 वर्षीय खिलाड़ी के मैड्रिड छोड़ने की संभावना जताई थी और प्रीमियर लीग चैंपियन आर्सेनल की उनमें दिलचस्पी की खबरें भी आई थीं। उम्मीद है कि नए सीजन की तैयारी के दौरान विनिसियस, किलियन एम्बाप्पे, बर्नार्डो सिल्वा और डियोमांडे के साथ मैड्रिड के अटैक का अहम हिस्सा बने रहेंगे, हालांकि मजबूत फॉरवर्ड लाइन के कारण ट्रांसफर विंडो बंद होने से पहले एंड्रिक और ब्राहिम डियाज के भविष्य को लेकर अटकलें बढ़ सकती हैं। ब्राजील के इस फॉरवर्ड खिलाड़ी ने जुलाई 2018 में 18 साल की उम्र में रियल मैड्रिड जॉइन किया था। क्लब की जर्सी पहनकर अपने आठ सीजन में उन्होंने 375 मैच खेले हैं।

इंग्लैंड क्रिकेट में इस्तीफे का दौर जारी

अब लायंस के कोच एंड्रयू फ्लिंटॉफ ने छोड़ा पद

नई दिल्ली। इंग्लैंड क्रिकेट में इस्तीफे के दौर जारी है। इंग्लैंड टेस्ट टीम के कप्तान बेन स्ट्रोक्स के संन्यास और कोच बेंडन मैकुलम के बाद एंड्रयू फ्लिंटॉफ ने लगभग दो साल तक इंग्लैंड लायंस के हेड कोच रहने के बाद पद छोड़ दिया है। इंग्लैंड के पूर्व ऑलराउंडर इस साल के आखिर में अपने कोचिंग करियर का अगला चैप्टर शुरू करने वाले हैं। सितंबर 2024 में लायंस के कोच बने फ्लिंटॉफ ने कहा कि इंग्लैंड के अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों और कोचों को तैयार करने में मदद करने के बाद पद छोड़ने का फैसला किया है। फ्लिंटॉफ ने कहा, 'बदकिस्मती से मैंने लायंस के साथ अपनी भूमिका से हटने का फैसला किया है। देश के बेहतरीन युवा क्रिकेटरों के साथ काम करने का मौका पाकर मुझे न सिर्फ बहुत मजा आया, बल्कि उन्हें आगे बढ़ते देखकर मुझे बहुत गर्व भी हुआ। मैं कोच और स्टाफ को उनके जुनून, बिना थके काम और हर दिन दिए जाने वाले सपोर्ट के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। खासकर एड बार्नी को, जिनके साथ मुझे काम करना बहुत पसंद आया। रॉब की को इंग्लिश क्रिकेट में सबसे जरूरी रोल में से एक के लिए मुझ पर भरोसा करने के लिए।'

एड बार्नी ने क्या कहा

ईसीबी के मेन्स परफॉर्मेंस डायरेक्टर एड बार्नी ने फ्लिंटॉफ को अपने कार्यकाल में लायंस को नया रूप देने का क्रेडिट दिया। बार्नी ने कहा, 'फ्रेड ने लायंस के माहौल को एक ऐसे प्रोग्राम में बदलने में मदद की है जिसका युवा खिलाड़ियों पर बड़ा असर पड़ा है। ऐसा माहौल बनाया जो हर समय बेहतरीन काम को सपोर्ट और बढ़ावा देता है। उन्होंने युवा खिलाड़ियों की एक नई पीढ़ी को आगे लाने में मदद की है।'

बैश लीग में सिडनी थंडर के कोच बने फ्लिंटॉफ- फ्लिंटॉफ ने इंग्लैंड लॉयंस के कोच पद को छोड़ने का फैसला बिग बैश लीग में सिडनी थंडर का हेड कोच बनाने के दो महीने लिया है। वह पहली बार ऑस्ट्रेलिया की टी20 लीग में फुल-टाइम कोच की भूमिका निभाएंगे। ईसीबी ने यह भी कन्फर्म किया कि माइक यार्डी 12 अगस्त को बेकेनहम में शुरू होने वाले प्रोफेशनल काउंटी क्लब सिलेक्ट XI और पाकिस्तान मेन के खिलाफ चार दिन के मैच के लिए इंग्लैंड लायंस के कोच होंगे।

रहेजा के शतक और प्रदोश पॉल के नाबाद अर्धशतक से जीती आईड्रीम

एन जगदीशन की टीम को मिली हार

नई दिल्ली। तमिलनाडु प्रीमियर लीग 2026 के 5वें मैच में साई किशोर की कप्तानी वाली आईड्रीम तिरुप्पुर तमीजहंस ने एन जगदीशन की कप्तानी वाली चेपॉक सुपर गिलीज को 7 विकेट से हरा दिया। आईड्रीम की जीत में टीम के ओपनर तुषार रहेजा की शतकीय साथ ही प्रदोश रंजन पॉल की नाबाद अर्धशतकीय पारी का बड़ा योगदान रहा। आईड्रीम की ये इस सीजन में दूसरे मैच में पहली जीत रही और इस टीम ने अंकतालिका में अपना खाता भी खोल लिया। इस मुकाबले में आईड्रीम तिरुप्पुर तमीजहंस के कप्तान साई किशोर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। इसके बाद चेपॉक सुपर गिलीज ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 205 रन बना दिए। आईड्रीम को जीत के

लिए 206 रन का टारगेट मिला था, लेकिन इस टीम ने 18 ओवर में 3 विकेट पर 206 रन बनाकर मैच जीत लिया। तुषार रहेजा को उनकी शतकीय पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

तुषार, प्रदोश की शानदार बल्लेबाजी- इस मैच में आईड्रीम तिरुप्पुर तमीजहंस के लिए ओपनर तुषार ने बेहतरीन पारी खेली और 52 गेंदों पर 5 छक्के और 8 चौकों की मदद से 102 रन की शानदार पारी खेली और उनका स्ट्राइक रेट इस मैच में 196.15 का रहा। तुषार के अलावा प्रदोश ने भी बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 41 गेंदों पर 2 छक्के और 9 चौकों की मदद से नाबाद 73 रन बनाए और टीम को जीत दिलाकर ही वापस लौटे। प्रदोश और तुषार के बीच इस मैच में तीसरे विकेट के लिए 81 गेंदों पर 149 रन की बेहतरीन साझेदारी रही। कप्तान साई किशोर ने 7 रन की पारी खेली।

के आशिक ने खेली 98 रन की पारी- आईड्रीम तिरुप्पुर तमीजहंस के खिलाफ हुए मैच में चेपॉक सुपर गिलीज के लिए के आशिक ने सबसे बड़ी 98 रन की पारी 56 गेंदों पर खेली और इस दौरान 7 छक्के और 6 चौके भी लगाए। कप्तान एन जगदीशन का बल्ला खामोश रहा और उन्होंने 18 गेंदों पर 27 रन बनाए। वहीं आईड्रीम के कप्तान साई किशोर ने 4 ओवर में 30 रन देकर एक विकेट लिए जबकि आर. सिलंबरासन और एस मोहन प्रसथ को 2-2 सफलता मिली। तेज गेंदबाज टी नटराजन ने भी एक विकेट हासिल किया।

टिम डेविड

टी-20 प्लेयर ऑफ द ईयर

मार्श ने वनडे तो स्टार्क ने टेस्ट में मारी बाजी; ट्रैविस हेड बने सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्रिकेटर

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के बल्लेबाज ट्रैविस हेड ने अपने करियर में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। बल्ले से एक और शानदार सीजन के बाद ट्रैविस हेड को एक बार फिर ऑस्ट्रेलिया का सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्रिकेटर चुना गया साथ ही उन्होंने एक और एलन बॉर्डर मेडल जीतकर इतिहास रच दिया। इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने बेहद करीबी वोटिंग मुकाबले में अपने करीबी दोस्त और टीम के साथी एलेक्स कैरी को हराकर प्रतिष्ठित एलन बॉर्डर मेडल जीता।

ट्रैविस हेड बने सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्रिकेटर

इस सम्मान के साथ ट्रैविस हेड उन महान ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों के खास क्लब में शामिल हो गए जिन्होंने लगातार एलन बॉर्डर मेडल जीता। ट्रैविस हेड लगातार एलन बॉर्डर मेडल जीतने वाले पांचवें ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी बन गए। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान एलन बॉर्डर ने शुक्रवार (7 अगस्त) को ब्रिस्बेन में आयोजित एक कार्यक्रम में ट्रैविस हेड

को यह मेडल सौंपा। इस अवॉर्ड के लिए मुकाबला बहुत कड़ा था। विकेटकीपर-बल्लेबाज एलेक्स कैरी सिर्फ एक अंक से यह प्रतिष्ठित मेडल हेड से हार गए। इस स्टार बल्लेबाज को 153 वोट मिले, जबकि कैरी को 152 वोट मिले। उनके बाद मिचेल स्टार्क (150), स्टीव स्मिथ (98) और मिचेल मार्श (86) रहे।

दूसरी बार जीता खिताब

ट्रैविस हेड अब लगातार एलन बॉर्डर मेडल जीतने वाले पांचवें क्रिकेटर बन गए हैं और उन्होंने पिछले साल भी यही अवॉर्ड जीता था। इस बाएं हाथ के बल्लेबाज से पहले, डेविड वॉर्नर (2016 और 2017), माइकल क्लार्क (2012 और 2013), शेन वॉटसन (2010 और 2011) और रिकी पोंटिंग (2006 और 2007) ने लगातार एलन बॉर्डर मेडल जीते थे। इसके अलावा हेड अब स्टीव स्मिथ और नाथन लियोन जैसे अपने साथियों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं।

- **मिचेल स्टार्क बने टेस्ट प्लेयर ऑफ द ईयर-** ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क को शेन वॉर्न मेन्स टेस्ट प्लेयर ऑफ द ईयर चुना गया। स्टार्क ने दूसरी बार शेन वॉर्न मेन्स टेस्ट प्लेयर ऑफ द ईयर का अवॉर्ड जीता। इससे पहले उन्होंने यह सम्मान नौ साल पहले हासिल किया था। मेन्स टेस्ट प्लेयर ऑफ द ईयर अवॉर्ड दो बार जीतने के बीच का यह अब तक का सबसे लंबा अंतराल है। इस बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने पिछले साल 18.12 की औसत से 57 टेस्ट विकेट लिए थे जबकि नाथन लियोन 28 विकेट के साथ दूसरे स्थान पर रहे। नाथन लियोन (2024) और जोश हेजलवुड (2025) के बाद स्टार्क शेन वॉर्न मेन्स टेस्ट प्लेयर ऑफ द ईयर अवॉर्ड जीतने वाले तीसरे गेंदबाज बने।
- **मार्श बने वनडे प्लेयर ऑफ द ईयर-** मिशेल मार्श ने मेन्स वनडे प्लेयर ऑफ द ईयर का अवॉर्ड जीता जबकि टिम डेविड को सबसे छोटे फॉर्मेट में उनके प्रदर्शन के लिए मेन्स टी-20 प्लेयर ऑफ द ईयर चुना गया। मार्श ने अपने साथी खिलाड़ियों जोश इंग्लिस, नाथन एलिस, एलेक्स कैरी और ट्रैविस हेड को पीछे छोड़कर यह अवॉर्ड जीता। वहीं दूसरी तरफ टिम डेविड ने मिचेल मार्श, नाथन एलिस, बेन ड्वारशुइस और जोश हेजलवुड को पीछे छोड़ते हुए मेन्स टी-20 प्लेयर ऑफ द ईयर का खिताब अपने नाम किया।

खेलो इंडिया योजना पैरा स्पोर्ट के लिए गेम-चेंजर बन सकती है : शीतल देवी

नई दिल्ली। किश्तवाड़ पैरालंपिक पदक विजेता और विश्व चैंपियन पैरा-कंपाउंड तीरंदाज शीतल देवी का मानना है कि खेलो इंडिया योजना पैरा-स्पोर्ट के लिए गेम-चेंजर बन सकती है। उनका मानना है कि इससे दिव्यांग प्रतिभावान बच्चों की पहचान जल्द हो सकेगी और उन्हें सफल होने के लिए जरूरी सहयोग मिल सकेगा। जम्मू और कश्मीर के किश्तवाड़ के एक दूर-दराज गांव से तीरंदाजी में शीर्ष तक पहुंचने के अपने सफर के बारे में शीतल देवी ने कहा, पैरा-एथलीटों के लिए बड़ी चुनौती प्रतिभा नहीं, बल्कि अवसर का न मिलना है। एक पैरालंपिक चैंपियन के तौर पर मुझे जो प्यार और पहचान मिली है, उसके लिए वर्षों की मेहनत लगी है। किश्तवाड़ की एक लड़की अच्छी कोचिंग और सहयोग मिलने से ही शीतल देवी बन पाई, जिसे दुनिया जानती है।

उन्होंने कहा, मेरी कहानी सफलता की है, लेकिन किसी दूर-दराज के गांव में उतना ही सक्षम बच्चा शायद यह भी नहीं जानता होगा कि पैरा स्पोर्ट्स होते हैं। हमारे बीच का फर्क आम तौर पर अवसर का होता है। मैं शुक्रगुजार हूं कि मुझे वह मिला। अगले पांच सालों में 29,054 करोड़ रुपये वाली नवीनतम खेलो इंडिया योजना के बारे में शीतल ने कहा, प्रतिभा खोजने, कोच विकसित करने, खेल सुविधाओं को बेहतर बनाने और हाई-परफॉर्मेंस ट्रेनिंग देने पर फोकस खेल का माहौल बदल सकता है। यह बदलाव खासकर तब मुमकिन है जब राज्य इसे लागू करने में सक्रियता से सहयोग करें।

उन्होंने कहा, पूरे भारत में, खासकर गांवों और छोटे शहरों में, हजारों दिव्यांग बच्चे हैं जिनमें बहुत क्षमता है, लेकिन कई प्रतिभाओं को कभी खोजा नहीं जा सका। कुछ को नहीं पता कि कहां ट्रेनिंग करनी है। कईयों को कभी ऐसा कोच नहीं मिला जो पैरा स्पोर्ट को समझता हो। इसीलिए मुझे लगता है कि भारत की नई खेलो इंडिया योजना में सभी खेल, खासकर पैरा स्पोर्ट्स के लिए खेल को बदलने की ताकत है।

शीतल ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस पांच साल की योजना के तहत खेलों के विकास के लिए 29,054 करोड़ रुपये का निवेश होगा। इस बड़े प्लान के नौ मुख्य हिस्सों में प्रतिभाओं की खोज, कोच और सहयोगी स्टाफ तैयार करना, और सबसे जरूरी, खेल सुविधाओं और हाई-परफॉर्मेंस प्रशिक्षण के माहौल को मजबूत करना शामिल है।

'3 साल से इंतजार है'

पंत ने आधी रात को CM पुष्कर धामी से क्यों मांगी जमीन खरीदने मे मदद

नई दिल्ली। भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात में एक्स पर पोस्ट करके उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से राज्य में जमीन खरीदने में मदद करने की गुजारिश की। फिलहाल भारतीय टीम के साथ 2 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए श्रीलंका दौरे पर गए पंत चाहते हैं कि वह दिल्ली से उत्तराखंड शिफ्ट हो जाएं। इसके लिए वह अपने राज्य में घर बनाना चाहते हैं। 28 साल के विकेटकीपर बल्लेबाज ने कहा कि वह पिछले तीन साल से उत्तराखंड में जमीन ढूंढ रहे रहे हैं, लेकिन उन्हें अपनी जरूरतों को पूरा करने वाली प्रॉपर्टी मिलने में मुश्किल हो रही है। ऋषभ पंत ने एक्स पर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को टैग करते हुए लिखा, 'हेलो सर,आप कैसे हैं? मुझे उत्तराखंड का निवासी होने के नाते बहुत समय हो गया है। मैं दिल्ली से उत्तराखंड शिफ्ट होने के लिए जमीन खरीदने की कोशिश कर रहा हूं और मुझे यहां रहने के लिए कोई जगह नहीं मिली। मुझे अपना उत्तराखंड बहुत पसंद है। मेरी

आपके जवाब का इंतजार

पंत ने कहा, 'मैं अपने मूल स्थान वापस लौटना चाहता हूं। मैं अपने पहाड़ी लोगों के पास वापस जाना चाहता हूं। कृपया इस मामले को देखें। 3 साल हो गए हैं कोई जमीन नहीं मिली है। आपके जवाब का इंतजार है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सबसे पर हमारे राज्य का प्रतिनिधित्व करने के लिए एक गिफ्ट बहुत अच्छा रहेगा, लेकिन अगर आप इजाजत दें तो मैं इसे सरकार से खरीदना चाहता हूं और उनके रेट पर कम से कम मैं अपने राज्य में अपना पहला घर बनवा सकता हूं। प्लीज हेल्प करें। सच में मुझे नहीं पता कि यह कैसे करना है।'

पंत के पोस्ट पर सीएम पुष्कर धामी का आया जवाब

अधिकारियों को मदद करने का निर्देश

भारतीय क्रिकेटर ऋषभ पंत को अपने गृह राज्य में जमीन की तलाश है। इसके लिए उन्होंने शुक्रवार-शनिवार की की दरमियानी रात में एक्स पर पोस्ट करके मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मदद मांगी थी। पंत के पोस्ट पर मुख्यमंत्री धामी का जवाब आया है।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को ऋषभ पंत की मदद करने का निर्देश दिए हैं। पुष्कर सिंह धामी ने एक्स पर लिखा, 'प्रिय ऋषभ, आप उत्तराखण्ड के गौरव हैं। आपने अपने शानदार खेल और उपलब्धियों से देश-दुनिया में देवभूमि का नाम रोशन किया है। अपनी मातृभूमि के प्रति आपका यह प्रेम और यहां वापस आकर योगदान देने की भावना अत्यंत सराहनीय है। आपके द्वारा उठाए गए विषय के संबंध में संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया जा रहा है। वे शीघ्र ही आपसे संपर्क कर नियमानुसार हरसंभव सहयोग सुनिश्चित करेंगे।'

दिल्ली से उत्तराखंड शिफ्ट होना चाहते हैं- इससे पहले ऋषभ पंत ने एक्स पर पोस्ट करके कहा था कि वह दिल्ली से उत्तराखंड शिफ्ट होना चाहते हैं। इसके लिए वह 3 साल से जमीन ढूढ़ रहे हैं, लेकिन उन्हें अपनी जरूरतों को पूरा करने वाली प्रॉपर्टी नहीं मिल पाई है। पंत ने कहा कि वह सरकारी रेट पर जमीन खरीदना चाहते हैं।

ऋषभ पंत ने क्रिकेट में करियर बनाने के लिए दिल्ली का रुख किया- उत्तराखंड के हरिद्वार जिले के रुड़की में जन्मे ऋषभ पंत ने क्रिकेट में करियर बनाने के लिए दिल्ली का रुख किया। वह घरेलू क्रिकेट में दिल्ली का प्रतिनिधित्व करते हैं। फिलहाल श्रीलंका दौरे पर भारतीय टीम के साथ 2 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलने गए हैं।

मोहम्मद शमी का इंटरनेशनल क्रिकेट करियर खत्म?

5 कारणों ने लगभग बंद किये भारतीय टीम में वापसी के सभी रास्ते

नई दिल्ली। मोहम्मद शमी ने भारतीय टीम के लिए कई ऐसे यादगार स्पैल फेंके हैं जिसने ना सिर्फ टीम इंडिया को जीत दिलाई बल्कि क्रिकेट फैंस का जमकर मनोरंजन भी किया। शमी 2023 वनडे वर्ल्ड कप में ना सिर्फ भारत के लिए बल्कि ओवरऑल सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले बॉलर भी रहे थे और उनकी घातक गेंदबाजी ने टीम इंडिया को फाइनल का टिकट कटाने में बड़ी भूमिका निभाई थी। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के बाद से वो भारतीय टीम से बाहर चल रहे हैं और वापसी की हर कोशिश के बावजूद वो चयनकर्ताओं को प्रभावित करने में असफल रहे हैं तो क्या मान लिया जाए कि उनका इंटरनेशनल क्रिकेट करियर समाप्त हो चुका है।

वैसे देखा जाए तो जिस तरह से उन्हें नजरअंदाज किया जा रहा है ऐसे में अब भारतीय चयनकर्ता शायद ही उन्हें टीम इंडिया की रणनीति का हिस्सा मान रहे हैं। वैसे शमी द्वारा घरेलू क्रिकेट (रणजी ट्रॉफी, दलीप ट्रॉफी) में गेंदबाजी करने और अपनी फिटनेस साबित करने के बावजूद चयनकर्ता लगातार नई पीढ़ी के गेंदबाजों पर भरोसा जता रहे हैं।

- **गेंदबाजी में बढ़ती प्रतिद्वंदिता-** इन दिनों भारतीय टीम के पास तेज गेंदबाजों की एक बड़ी फौज मौजूद है और तेज गेंदबाजी में बढ़ती प्रतिद्वंदिता की वजह से शमी की वापसी का रास्ता लगभग बंद सा नजर आ रहा है। क्रिकेट के हर प्रारूप में चाहे वो टेस्ट प्रारूप हो या फिर वनडे या टी20, भारत के पास हर फॉर्मेट के लिए गेंदबाज मौजूद है। टेस्ट क्रिकेट में जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप, प्रसिद्ध कृष्णा तो वहीं वनडे एवं टी20 में अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, मयंक यादव, खलील अहमद की मौजूदगी ने शमी की राह मुश्किल कर रखी है।
- **उम्र और फिटनेस की चुनौतियां-** मोहम्मद शमी जल्दी ही 36 साल के हो जाएंगे और तेज गेंदबाजों के लिए इस उम्र में आमतौर पर इंटरनेशनल लेवल पर एक समान गति और सटीकता बनाए रखना काफी चुनौतीपूर्ण होता है। 2023 विश्व कप के बाद शमी को टखने की सर्जरी से गुजरना पड़ा था। लंबी रिकवरी और

रिहैबिलिटेशन के कारण वे काफी समय तक अंतरराष्ट्रीय मैदानों से दूर रहे। तेज गेंदबाजी में शरीर पर पड़ने वाले अत्यधिक दबाव को देखते हुए लगातार फिटनेस बनाए रखना एक बड़ी चुनौती बन गया है।

- **भारतीय चयनकर्ताओं की नजर नए गेंदबाजों पर-** भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति का मुख्य ध्यान अब भविष्य की टीम तैयार करने पर है। चयनकर्ता अब आकाश दीप, प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह और आकिब नबी जैसे गेंदबाजों को लगातार मौके दे रहे हैं। यही नहीं चयनकर्ता अब जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज की अगुवाई में युवाओं का ऐसा मिश्रण चाहते हैं जो तीनों प्रारूपों में लंबे समय तक खेल सके।
- **सर्जरी के बाद शमी की गति पर पड़ा प्रभाव-** चोट के बाद मैदान पर लौटने पर किसी भी तेज गेंदबाज के लिए अपनी पुरानी रंगत पाना आसान नहीं होता। शमी ने घरेलू क्रिकेट में लंबे ब्रेक के बाद वापसी की थी और उनकी गेंदबाजी में वो लय नजर नहीं आया था जिसके लिए वो जाने जाते हैं।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com